खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 28 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-27

14 संशोधनों के साथ वक्फ बिल को जेपीसी से मिली मंजूरी

संसद में पेश होने के लिए वक्फ विधेयक तैयार

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने वक्फ विधेयक को 14 संशोधनों के साथ मंजूरी दे दी है। लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को मिलाकर बनाई गई इस संसदीय समिति ने महीनों तक इस पर चर्चा की और कई पक्ष सुनने के बाद इसे मंजूरी दी है। जेपीसी ने नए वक्फ अधिनियम में 14 खंड में बदलाव किए हैं। जेपीसी ने 14 संशोधनों के साथ वक्फ बिल के आखिरी मसौदे (ड्राफ्ट) को बहुमत से स्वीकार कर लिया। इस बिल के मूल स्वरूप में 14 बदलाव किए गए जो जेपीसी में शामिल एनडीए सांसदों ने प्रस्तावित किए थे। इन्हें जेपीसी की बैठक में मंजूरी मिल गई। यह 14 खंड में बदलाव बिल के अलग-अलग नियमों को लेकर किए गए हैं।

विपक्ष ने भी इस वक्फ बिल में कई बदलाव प्रस्तावित किए थे लेकिन उन्हें मतदान में मंजूरी हासिल नहीं हुई। समिति में 16 सदस्य एनडीए के थे, जबकि 10 बाकी दलों के सांसद शामिल थे। ऐसे में मतदान के दौरान विपक्ष द्वारा सुझाए गए बदलाव 16:10 के बहुमत से गिर गए। विपक्ष के सदस्यों ने बिल के सभी 44 खंड में संशोधन के प्रस्ताव दिए थे। इनकी संख्या सैकड़ों में थी। इस प्रयास में विपक्ष सफल नहीं हुआ। एनडीए द्वारा किए गए बदलावों में वक्फ ट्रिब्यूनल में सदस्यों की संख्या और सरकारी अधिकारियों की वक्फ सम्पत्तियों को लेकर अधिकार से जुड़े प्रस्ताव शामिल थे।

वक्फ संशोधन अधिनियम के लिए बनाई गई जेपीसी के मुखिया और सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि बदलाव को लेकर अपनाई गई पद्धति पूरी तरीके से लोकतांत्रिक थी। उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा लोकतांत्रिक तरीका कुछ नहीं हो सकता था। विपक्ष के सांसद और वक्फ बिल का विरोध करने वाले नेता कल्याण बनर्जी ने पूरी प्रक्रिया को ही गड़बड़ करार दिया। उन्होंने दावा किया कि सब कुछ पहले से तय था और सरकार की मर्जी से ही काम हुआ है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सांसदों को बोलने का भी मौका नहीं दिया गया। इससे पहले कई बार हुई वक्फ की बैठकों में विपक्ष के सांसदों ने हंगामा भी किया। कल्याण बनर्जी ने एक बार ग्लास तोड़ कर अपना हाथ चोटिल कर लिया था। वक्फ बिल को अब संभवतः संसद के बजट सत्र में पेश किया जा सकता है।

विपक्ष ने बिल के 44 खंडों में सैकड़ों संशोधन के प्रस्ताव दिए थे

बजट सत्र 31 जनवरी 2025 से लेकर 13 फरवरी 2025 तक चलेगा। इसका मसौदा पेश किए जाने से पहले जनता के सामने भी आएगा।

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के लिए बनी जेपीसी यानी संयुक्त संसदीय समिति की आज अध्यक्ष जगदंबिका पाल की मौजूदगी में अहम बैठक हुई थी। जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि आज जो संशोधन पारित हुए हैं, उससे वक्फ बोर्ड को लेकर बेहतर विधेयक बनेगा। उन्होंने कहा कि इससे गरीब और पसमांदा मुसलमानों को लाभ पहुंचाने का सरकार का लक्ष्य भी आसानी से पूरा होगा और यह समाज के हर तबके के लिए लाभकारी होगा। जगदंबिका पाल ने कहा है कि वक्फ बिल के एक-एक खंड पर विचार-विमर्श के लिए बैठक हुई थी। विपक्ष द्वारा प्रस्तुत सभी संशोधनों, उनमें से प्रत्येक में 44 संशोधन थे, जिन्हें मैंने उनके नाम के साथ पढ़ा। मैंने उनसे पूछा कि क्या वे अपने संशोधन पेश कर रहे हैं। फिर उन्हें पेश किया गया। इससे ज्यादा लोकतांत्रिक कुछ नहीं हो सकता था। जगदंबिका पाल ने कहा कि अगर सबके सामने संशोधन पेश किए गए और उनके खिलाफ 16 सदस्यों ने मतदान किया और सिर्फ 10 ने उनके पक्ष में तो क्या 10 सदस्यों के समर्थन ▶10पर

यूसीसी पोर्टल और नियमावली का सीएम धामी ने किया लोकार्पण

उत्तराखंड में लागू हो गया समान नागरिक कानून

देहरादून, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

सब के लिए समान कानून, उल्लंघन किया तो समान सजा

ढाई साल की तैयारियों के बाद उत्तराखंड में आज से समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हो गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन में यूसीसी के पोर्टल और उसकी नियमावली का लोकार्पण किया। प्रदेश में यूसीसी लागू होने की अधिसूचना भी जारी हो गई है। समान नागरिक संहिता लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है। अब उत्तराखंड में सभी नागरिकों के लिए एक ही कानून रहेगा। कानून का उल्लंघन किया तो समाज सजा मिलेगी।

समान नागरिक संहिता के लिए 27 मई 2022 को विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट दो फरवरी 2024 को सरकार को सौंपी थी। इसके बाद आठ मार्च 2024 को विधानसभा में विधेयक पारित किया गया। विधानसभा से पास होने के बाद इस इसे राष्ट्रपति के अनुमोदन के लिए भेजा गया। यहां से 12 मार्च 2024 को इस अधिनियम पर राष्ट्रपति का अनुमोदन मिल गया। इसके बाद यूसीसी के क्रियान्वयन के लिए तकनीक आधारित व्यवस्थाएं लागू की गईं। नागरिकों और अधिकारियों के लिए ऑनलाइन पोर्टल विकसित किए गए। बीती 20 जनवरी को यूसीसी की नियमावली को अंतिम रूप देकर कैबिनेट ने इसे पास कर दिया।

बीते कई दिनों से इसके पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन को लेकर विभिन्न स्तरों पर मॉक ड्रिल भी चल रही थी। शुक्रवार को हुई मॉक ड्रिल में पहले आई समस्याओं को दूर कर लिया गया। दोपहर 12.30 बजे यूसीसी की नियमावली का भी लोकार्पण किया गया। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि समिति ने कई सालों की मेहनत के बाद यूसीसी को तैयार किया है। यह हमारे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। समाज पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पंजीकरण की प्रक्रिया को भी आसान किया गया है। यूसीसी समिति के अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह ने कहा कि पंजीकरण को आसान बनाया गया है। आप एक बार हमारे पोर्टल पर आइए। फिर आप सिस्टम के पास नहीं सिस्टम आपके पास आएगा।

सीएम धामी ने कहा कि यह हमारे प्रदेश का ही नहीं बल्कि देश के लिए भी ऐतिहासिक दिन है। यूसीसी रूपी गंगा को निकालने का श्रेय देवभूमि की जनता को जाता है। आज अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। मैं आज भावुक भी हो रहा हूं। इसी क्षण से समान नागरिक संहिता लागू हो रही है। सभी नागरिकों के अधिकार समान हो रहे हैं। सभी धर्म की महिलाओं के अधिकार भी समान हो रहे हैं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को भी धन्यवाद देता हूं उन्हीं के सहयोग से यह सब हो रहा है। जस्टिस प्रमोद कोहली और समिति का धन्यवाद करता हूं। विधानसभा के सभी सदस्यों का धन्यवाद है। आईटी विभाग और पुलिस गृह विभाग सबका धन्यवाद। जो हमने संकल्प लिया था। जो वादा किया था वह पूरा किया।

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने की काफी कवायद हुई। इसके लिए 43 हितधारकों के साथ बैठकें हुईं। गहन विचार विमर्श के लिए 72 बैठकें की गईं। समिति को 49 लाख एसएमएस प्राप्त हुए और 29 लाख व्हाट्सएप मैसेज आए। ▶10पर

नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए समिति गठित

कानून मंत्री करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने अगले मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन के लिए एक खोज समिति गठित की है, जिसकी अध्यक्षता कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल करेंगे। समिति में वित्त मंत्रालय और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के सचिव भी सदस्य होंगे। नए कानून के तहत सीईसी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति चयन समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी। अब तक का चलन था कि मुख्य चुनाव आयुक्त के रिटायर होने पर उनके बाद वरिष्ठतम चुनाव आयुक्त को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर नियुक्त किया जाता था। पिछले साल मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के लिए एक नया कानून लागू हुआ। इसके तहत एक शीर्ष चयन समिति सचिव स्तर के पांच अधिकारियों का नाम चुनेगी। जिन्हें सीईसी और ईसी के पर नियुक्ति के लिए विचार किया जाएगा। सीईसी राजीव कुमार 18 फरवरी को 65 वर्ष की आयु पूरी होने पर अपने पद से सेवानिवृत्त हो जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम-2023 के तहत पहली बार सीईसी की नियुक्ति की जा रही है। इस अधिनियम के उपयोग करके पिछले साल चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसएस संधू की नियुक्ति में किया गया था, जो अनूपचंद्र पांडे और अरुण गोयल के सेवानिवृत्त होने और इस्तीफा देने के बाद पदों पर आए थे। नए कानून के मुताबिक, सीईसी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति चयन समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी। चयन समिति में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में लोकसभा के विपक्षी नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री होंगे। ▶10पर

चुनाव आयोग ने हरियाणा सरकार से मांगी रिपोर्ट

दिल्ली आ रहे यमुना के पानी में कितना अमोनिया?

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली को आपूर्ति किए जाने वाले पानी में अमोनिया के उच्च स्तर पर चुनाव आयोग ने हरियाणा से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मारलेना ने हरियाणा से आने वाले पानी में अमोनिया के उच्च स्तर की शिकायत चुनाव आयोग से की थी। इस पर चुनाव आयोग ने हरियाणा से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है।

दिल्ली और पंजाब के मुख्यमंत्रियों ने चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया और आरोप लगाया कि हरियाणा से दिल्ली को मिलने वाले पानी में अमोनिया का स्तर काफी अधिक है। चुनाव आयोग ने हरियाणा सरकार को मंगलवार दोपहर तक इस मामले पर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला करते हुए कहा कि केजरीवाल की आरोप लगाकर भागने की आदत और सोच है। मैंने कहा कि आप (अरविंद केजरीवाल) अपने मुख्य सचिव को भेजें और मैं अपने मुख्य सचिव से कहूंगा कि सोनीपत में यमुना के पानी की गुणवत्ता की जांच करें, जहां से यह दिल्ली में प्रवेश करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केजरीवाल अमोनिया की बात करते हैं। वह पानी की कमी का दावा करते हैं, लेकिन कोई कमी नहीं है। समस्या वितरण प्रणाली में है। वह 10 साल में पानी के वितरण को ठीक से नहीं संभाल सके, जबकि उन्होंने मंच से वादा किया था। फिर भी लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। ▶10पर

जसप्रीत बुमराह बने 2024 के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर

सम्मान पाने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को 2024 का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर चुना गया है। बुमराह यह कीर्तिमान दर्ज करने वाले छठे भारतीय हैं। इस पुरस्कार के लिए भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट, इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस भी प्रबल दावेदार थे, लेकिन बुमराह ने इन सभी को पछाड़कर पुरस्कार जीत लिया। बुमराह ने हाल ही में टेस्ट में 200 विकेट पूरे किए थे। बुमराह 2024 में टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं।

उन्होंने 13 मैच में 14.92 की औसत और 30.16 के स्ट्राइक रेट से 71 विकेट चटकाए, जो पारंपरिक प्रारूप में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। आईसीसी ने पर्थ में बुमराह के मैच का रुख बदलने वाले स्पैल को उनके सबसे यादगार प्रदर्शन में से एक माना था जिसकी बदौलत भारत ने 295 रन से जीत दर्ज की।

पिछले कैलेंडर वर्ष में बुमराह ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 71 विकेट चटकाए और इस प्रारूप में सबसे सफल गेंदबाज रहे। चाहे दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियां हों या स्वदेश में तेज गेंदबाजों के लिए कठिन परिस्थितियां, बुमराह ने पूरे साल प्रभावशाली प्रदर्शन किया। भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इस तेज गेंदबाज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। 71 विकेट लेने के बाद बुमराह एक कैलेंडर वर्ष में 70 से अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज बने। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 17^0

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति के सम्मान में रात्रिभोज

मेरा डीएनए भारतीय है : सुबियांतो

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार की शाम इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के सम्मान में रात्रि-भोज दिया। रात्रि-भोज के दौरान इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कुछ ऐसा कहा, जिसे सुनकर प्रधानमंत्री मोदी समेत सभी गणमान्य लोग प्रसन्न हो गए। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने कहा, कुछ हफ्ता पहले ही मैंने अपनी जेनेटिक्स सीक्वेंसिंग और डीएनए टेस्ट कराया। मुझे बताया गया कि मेरा डीएनए भारतीय है। सभी जानते हैं कि जैसे ही मैं भारतीय संगीत सुनता हूं, तभी मैं थिरकना शुरू कर देता हूं। राष्ट्रपति सुबियांतो की यह बात सुन कर सभी लोग आनंद से भर गए। राष्ट्रपति सुबियांतो ने भारत और इंडोनेशिया के बीच प्राचीन संबंधों की बात भी कही और कहा, हमारी भाषा के कई अहम

शब्द संस्कृत भाषा से आते हैं।

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबावो सुबियांतो ने डिनर के दौरान कहा कि भारत और इंडोनेशिया के आपसी संबंधों का इतिहास बेहद पुराना है। दोनों देशों की सभ्यताओं में भी जुड़ाव रहा है, यहां तक कि हमारी भाषा के कई अहम शब्द संस्कृत भाषा के हैं। हमारे कई नाम भी संस्कृत भाषा के हैं। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी प्राचीन भारतीय सभ्यता का प्रभाव है। यहां तक कि हमारे जीन्स में भी समानता है। सुबियांतो ने कहा, मुझे यहां (भारत) आने पर गर्व है। मैं कोई खांटी राजनेता नहीं हूं, न ही अच्छा कूटनीतिकार हूं, मैं जो भी कहता हूं दिल से कहता हूं। मुझे यहां आए हुए कुछ ही दिन हुए हैं, लेकिन मैंने पीएम मोदी के नेतृत्व और उनके समर्पण से काफी कुछ सीखा है। उनका गरीबी को दूर करने और कमजोर वर्ग की मदद करने के लिए जो समर्पण है, वह हमारे लिए प्रेरणा है। इंडोनेशिया ने भारत की समृद्धि, शांति के लिए कामना की और उम्मीद जताई कि भारत और इंडोनेशिया के संबंध आगे भी मजबूत होते रहेंगे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के 76वें गणतंत्र समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्राबोवो सुबिआंतो का भारत दौरा इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने और भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ▶10पर

मैंने पीएम मोदी के नेतृत्व और समर्पण से बहुत सीखा

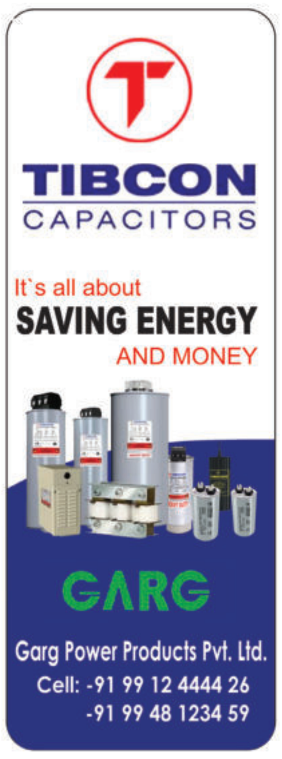

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश की अभिनेत्री पोरी मोनी को मिली जमानत

ढाका। बांग्लादेश की अभिनेत्री पोरी मोनी को ढाका के न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहम्मद जुनैद की अदालत ने जमानत दे दी। व्यवसायी नासिर उद्दीन महमूद ने उनपर हमला, बर्बरता और धमकी देने का आरोप लगाया था। इस मामले में पोरी मोनी ने सुबह 10 अदालत में आत्मसमर्पण किया। पोरी मोनी के वकील ने सुबह 10:15 बजे जमानत के लिए अर्जी दी। अदालत ने 1,000 टका के मुचलके पर जमानत दे दी। इससे पहले, इसी अदालत ने पोरी मोनी और उनके कॉस्ट्यूम डिजाइनर जुनैद बोगदादी जिमी के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का आदेश दिया था। दोनों के गिरफ्तारी वारंट भी जारी किए गए थे। नासिर उद्दीन ने 6 जुलाई, 2022 को केस दर्ज कराया था। पिछले साल 18 मार्च को ढाका जिले के पुलिस ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (पीबीआई) के जांच अधिकारी इंस्पेक्टर मोहम्मद मोनिर हुसैन ने ढाका के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत को एक रिपोर्ट सौंपी, जिसमें पोरी मोनी और जुनैद के खिलाफ हमले और धमकी के सबूतों की पुष्टि की गई थी।

पाकिस्तान के खुजदार में कार बम विस्फोट में दो की मौत, सात घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के खुजदार में रविवार को हुए कार बम विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। यह विस्फोट खुजदार-शाहदादकोट राजमार्ग पर खोरी इलाके में हुआ। लेवी अधिकारियों ने कहा कि यह शक्तिशाली विस्फोट तब हुआ जब एक बस उस इलाके से गुजर रही थी। इसदौरान विस्फोटकों से लदी एक कार में विस्फोट हो गया। कलात डिवीजन के कमिश्नर नईम बजई ने इसकी पुष्टि की। खुजदार के सहायक आयुक्त हफीजुल्लाह काकर का कहना है कि घायलों में बस चालक और क्लीनर भी शामिल हैं। इस घटना में बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों की पहचान शिराज और सनाउल्लाह के रूप में हुई है।

लंदन में बवाल तिरंगे का अपमान करने वाले खालिस्तानियों पर भड़के भारतीय

लंदन। भारत के गणतंत्र दिवस पर लंदन में भारी बवाल हो गया। विवाद की वजह ये थी, कि यहां गणतंत्र दिवस समारोह का कुछ खालिस्तानी समर्थक विरोध कर रहे थे। विरोध में नारेबाजी कर रह थे। तभी उनका सामना भारतीय समुदाय से हो गया। खास बात है कि इसी तरह की तस्वीरें पहले कनाडा से भी सामने आ चुकी हैं। ब्रिटेन में कई जगहों पर बॉलीवुड फिल्म इमरजेंसी को लेकर भी खालिस्तान समर्थकों ने थिएटर्स में उपद्रव मचाया था। बातचीत में भारतीय समुदाय के एक शख्स ने बताया, हम यहां उच्चायोग में 76वां गणतंत्र दिवस मनाने के लिए एकजुट हुए थे। हमने देखा कि खालिस्तान बाहर इकट्ठे हो रहे हैं और भारत और हमारी संप्रभुता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हम यहां एकजुट हुए और उनके प्रदर्शन का जवाब दिया। हमें कोई नहीं तोड़ सकता। एक अन्य शख्स ने कहा कि हम 76वें गणतंत्र दिवस के मौके पर झंडा फहराने के लिए भारतीय उच्चायोग आए थे। हमने देखा कि कुछ खालिस्तानी बाहर जुट रहे हैं और हमारे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान कर रहे हैं। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि उनके

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कोलंबिया पर कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की

सियोल, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कोलंबिया के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की। उन्होंने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो के कोलंबियाई प्रवासियों को निर्वासित करने वाली अमेरिकी सैन्य उड़ानों के प्रवेश से इनकार करने के जवाब में यह कदम उठाए हैं। ट्रंप ने कोलंबिया से आयात पर कड़े नए टैरिफ और वीजा प्रतिबंधों की घोषणा की है।

कोलंबिया के राष्ट्रपित पेट्रो ने हथकड़ी लगे बंदियों की तस्वीरों की ओर इशारा करते हुए ट्रंप प्रशासन पर कोलंबियाई प्रवासियों के साथ अपराधियों की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनका देश अमेरिका से निर्वासन उड़ानों को तब तक स्वीकार नहीं करेगा जब तक कि प्रवासियों के साथ उस सम्मान के साथ व्यवहार नहीं किया जाता जिसका एक इंसान हकदार है।

दो प्रत्यावर्तन उड़ानों को कोलंबिया में उतरने की अनुमति नहीं मिलने के बारे में जानने के बाद ट्रंप ने कहा कि वह दक्षिण अमेरिकी देश से अमेरिका में आने वाले सभी सामानों पर तुरंत 25 फीसद टैरिफ लगा देंगे और एक सप्ताह के बाद इसे 50 प्रतिशत तक बढ़ा देंगे।

उन्होंने कोलंबिया के सरकारी अधिकारियों, उनके सहयोगियों और समर्थकों के तत्काल वीजा रद्द करने और अमेरिका में यात्रा प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। ट्रंप ने कोलंबिया को वित्तीय प्रतिबंध लगाने की भी चेतावनी दी। ट्रंप ने कहा कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर सभी कोलंबियाई नागरिकों और कार्गो के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा निरीक्षण को बढ़ाएंगे। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, ये उपाय सिर्फ शुरुआत हैं। हम कोलंबिया सरकार को उन अपराधियों की स्वीकृति और वापसी के संबंध में अपने कानूनी दायित्वों का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं देंगे।

इस घोषणा पर पेट्रो ने कहा कि वह अमेरिका से निर्वासन का सामना करने वाले कोलंबियाई प्रवासियों की सम्मानजनक वापसी के लिए एक विमान प्रदान करेंगे। पेट्रो ने कहा कि उन्होंने अपने व्यापारमंत्री को अमेरिकी वस्तुओं पर कोलंबियाई टैरिफ को 25 प्रतिशत तक बढ़ाने का आदेश दिया।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी का दावा कहा- चीन की लैब से निकला था कोविड वायरस

वॉशिंगटन। अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) ने दावा किया है कि कोरोना वायरस एक प्रयोगशाला से लीक हुआ है। एजेंसी ने संकेत दिया है कि वायरस चीन से सामने आया। एजेंसी का यह भी मानना है कि उसे अपने परिणाम पर कम भरोसा है। एजेंसी ने अपनी नई रिपोर्ट को नए निदेशक जॉन रैटक्लिफ के शपथ ग्रहण के बाद सार्वजनिक की। सीआईए के अधिकारियों का कहना है कि कोविड 19 को लेकर खोज और उसकी प्राकृतिक उत्पति दोनों पर लगातार शोध जारी है। क्योंकि अमेरिकी सांसद वायरस की सच्चाई जानने के लिए खुफिया एजेंसियों पर लगातार दबाव डाल रहे हैं। सीआईए के निदेशक जॉन रैटक्लिफ का कहना है कि हम मानते हैं कि वायरस किसी प्रयोगशाला से लीक हुआ है। हम इसके बारे में अधिक विश्वसनीय जानकारियां जुटा रहे हैं। कोविड 19 महामारी को लेकर लगातार शोध हो रहे हैं। अमेरिका में निवर्तमान बाइडन प्रशासन के दौरान कोविड को लेकर सीआईए ने जो रिपोर्ट तैयार की थी, उसमें कहा गया था कि कोरोना वायरस की शुरुआत चीन से हुई थी। मगर इसे लेकर संशय था कि क्या ये वायरस चीनी लैब से गलती से उत्पन्न हुआ या ऐसा जान बूझकर किया गया। कोरोना वायरस को लेकर वैज्ञानिकों के अलग-अलग मत हैं। कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि कोरोना वायरस चमगादड़ों से फैला। इसके बाद यह वुहान के बाजार में फैला और मामले सामने आने लगे। जबकि कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि वायरस वुहान की किसी लैब से बाहर आया था। दो साल पहले भी एक अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया था कि वायरस लीक होने का संभावित स्रोत लैब ही थी। मगर इस रिपोर्ट के नतीजों पर कम भरोसा जताया गया था। अब नई रिपोर्ट में अमेरिकी खुफिया विभाग यह तो मान रहा है कि वायरस प्राकृतिक तौर पर नहीं बल्कि किसी लैब से बाहर आया है। मगर एजेंसी को अपनी ही रिपोर्ट के नतीजों पर कम भरोसा है। सीआईए ने कहा कि कोरोना की उत्पति को लेकर जो शोध किए गए, उसके साक्ष्य अपर्याप्त, अनिर्णायक और विरोधाभासी हैं।

महिला की पालतू बिल्ली की वजह से चली गई नौकरी

बीजिंग, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

चीन में एक महिला की नौकरी उसकी पालतू बिल्ली की वजह से चली गई। यह घटना है चीन के चोंगकिंग शहर की। यह महिला अपनी नौ बिल्लियों के साथ रहती हैं, जो कि नौकरी से इस्तीफा देने की सोच रही थीं, लेकिन पैसों की जरूरत के चलते वह इस फैसले पर असमंजस में थीं। इस बीच, एक दिन उनकी बिल्ली ने लैपटॉप पर छलांग लगाई और अचानक 'एंटर' बटन दबा दिया, जिसके परिणामस्वरूप उनका इस्तीफा उनके बॉस के पास पहुंच गया। महिला को जब यह एहसास हुआ, तो उन्होंने तुरंत अपने बॉस से संपर्क किया और उन्हें सच्चाई बताने की कोशिश की।

महिला ने कहा कि उनका इस्तीफा भेजने का कोई इरादा नहीं था और यह पूरी तरह से उनकी बिल्ली की गलती थी। हालांकि, उनके बॉस ने यह दावा न मानते हुए इस्तीफा स्वीकार कर लिया और महिला को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा। इसके साथ ही महिला को साल के अंत में मिलने वाला बोनस भी गंवाना पड़ा।

नौकरी गंवाने के बाद महिला ने अपनी अजीब सी घटना सोशल मीडिया पर शेयर की, जो तेजी से वायरल हो गई। कई लोगों ने इस पर मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं, एक यूजर ने तो यह तक कहा कि आपकी बिल्ली ने शायद आपके बॉस का भला किया है, उन्हें बोनस का खर्च बचा लिया।

यह घटना अब इंटरनेट पर एक हंसी मजाक का विषय बन चुकी है, और कई लोग इसे पालतू जानवरों की शरारतों का हिस्सा मानते हुए हल्का-फुल्का मजाक बना रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब पालतू जानवरों ने अनजाने में अपने मालिकों के लिए मुश्किलें खड़ी की हों।

इससे पहले अमेरिका में एक कुत्ते ने गलती से 911 नंबर डायल कर दिया था, जिससे पुलिस बिना सूचना के मालिक के घर पहुंच गई। इसी तरह, ब्रिटेन में एक तोते ने अलार्म की आवाज की नकल की, जिससे दमकल विभाग को बुलाना पड़ा, लेकिन बाद में पता चला कि वह आवाज असल में तोते की थी।

उत्तर कोरिया का क्रूज मिसाइल परीक्षण, ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद प्योंगयांग का बड़ा कदम

सोल, 27 जनवरी।

उत्तर कोरिया ने समुद्र से सतह पर मार करने वाली रणनीतिक क्रूज गाइडेड मिसाइलों का परीक्षण किया। देश की सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। मिसाइल लॉन्च की निगरानी खुद किम जोंग-उन ने की।पिछले सप्ताह डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर पदभार संभालने के बाद यह पहला मिसाइल लॉन्च है। ट्रंप ने किम जोंग उन ने से मिलने की इच्छा जताई है और उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति बताया।उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रशासन ने संभावित दुश्मनों के खिलाफ राष्ट्रीय रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने की योजना के हिस्से के रूप में परीक्षण किया। योनहाप समाचार एजेंसी ने कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से यह जानकारी दी।रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइलों ने लक्ष्यों को सटीक रूप से भेद दिया और इस लॉन्च से पड़ोसी देशों की सुरक्षा पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा।

किम ने यह कहा कि डीपीआरके भविष्य में और अधिक शक्तिशाली सैन्य शक्ति के आधार पर शांति और स्थिरता की रक्षा के लिए अपने महत्वपूर्ण मिशन और कर्तव्य को पूरा करने के लिए जिम्मेदार कोशिश जारी रखेगा।डीपीआरके उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम है जिसका मतलाब है - डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया है।दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया द्वारा मिसाइल दागे जाने की पुष्टि की। इसने बताया कि शनिवार को लगभग 4 बजे उत्तर कोरिया के एक अंतर्देशीय क्षेत्र से पीले सागर की ओर कई क्रूज मिसाइलों के लॉन्च का पता चला।संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने मीडिया को भेजे एक संदेश में कहा, दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के खुफिया अधिकारियों द्वारा विस्तृत विनिर्देशों का बारीकी से विश्लेषण किया जा रहा है।

केसीएनए की ओर से जारी चित्रों के आधार पर, ऐसा लगता है कि मिसाइलों को शीत प्रक्षेपण विधि (कॉल्ड लॉन्च तरीका) का इस्तेमाल करके दागा गया है। यह विधि आमतौर पर पनडुब्बी और जहाज-बेस्ड वर्टिकल लॉन्चिंग सिस्टमॉ से जुड़ा हुआ है।

प्रथम पुण्यतिथि
शुभउआ पाण्डेय
(धर्मपत्नी : स्व.श्री तुलसीदास जी पाण्डेय)
स्वर्गवास : 11/02/2024
बरसी पर
आज, मंगलवार 28/01/2025 को
श्री रामचरितमानस पाठ, महाआरती
के बाद दोपहर 1.00 बजे से भंडारा
- श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता -
शीतला प्रसाद गौतम (भाई)
अनिल कुमार पाण्डेय - अनीता पाण्डेय (पुत्र-पुत्रवधु)
सुनील कुमार पाण्डेय-सुनिता पाण्डेय (पुत्र-पुत्रवधु) रामनारायण त्रिपाठी-पुष्पलता त्रिपाठी (बेटी-दामाद)
हर्ष पाण्डेय, विकास पाण्डेय, प्रियांशु पाण्डेय (पौत्र) श्रुति पाण्डेय, प्रियांशी पाण्डेय (पौत्री)
उदित नारायण पाण्डेय, श्रीनारायण पाण्डेय, उमाशंकर पाण्डेय, शंकर पाण्डेय, गोविन्द नारायण पाण्डेय,
विष्णु दत्त पाण्डेय (भतीजे) नीरज त्रिपाठी, धीरज त्रिपाठी, अंबुज त्रिपाठी (नाती)
पाण्डेय निवास
4-7-155/61 अत्तापुर, हैदराबाद, सेल : 98661 56121

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्री CA पंकज अडुकिया
(सुपुत्र : स्व. श्री सुशीलकुमारजी अडुकिया)
स्वर्गवास : 28 जनवरी 2024
प्रेम आपका था हम पर, करते हैं नमन आपको...
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको...
-------- श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता --------
CA राजकुमार अडुकिया (चाचा), नितिन, राकेश, अंकित, विनय, रिषभ, वैभव (भाई)
यश (पुत्र), उत्तम (भतीजा) एवं समस्त अडुकिया परिवार
फर्म : सत्यनारायण सुशील कुमार अडुकिया
ईस्ट विंड अपार्टमेंट, बंजारा हिल्स, रोड नंबर 3 (बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन के सामने),
हैदराबाद. सेल : 9000027010, 9493387475
Ashirwad Pearls & Jewellers
Chappel Road, Hyderabad
Tel.: 9000027010
Adukia & Associates Chartered
Accountants Banjara Hills,
Hyderabad

राष्ट्र प्रथम
बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे
Best Wishes
BS
Basai Steels And Power (P) Ltd.
MANUFACTURERS OF
BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm
SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS
A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com
Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

कमाल अमरोही के वजह से मीना कुमारी और मधुबाला बन गई थीं कट्टर दुश्मन?

मधुबाला और मीना कुमारी दोनों ही हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की महान अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। भले ही अब वे दोनों इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन अपने पीछे छोड़ गई हैं अनेकों कालजई फिल्में। अपने शानदार अभिनय प्रतिभा के कारण वे दोनों हिंदी सिनेमा के इतिहास में अमर हो गईं और सदियों तक याद की जाती रहेंगी। मधुबाला और मीना कुमारी अपनी अद्भुत सुंदरता के लिए जानी जाती थीं।लेकिन कम ही लोगों को पता होगा कि करोड़ों दिलों की मल्लिका इन दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समानताए भी थीं। दोनों अपने समय की सुपरस्टार थीं, लेकिन दोनों की पर्सनल लाइफ बेहद दुखद थी। कहा जाता है कि दोनों के बीच में एक सख्श ऐसा था, जिनसे दोनों ही मोहब्बत कर बैठीं और वहीं दोनों के बीच दुश्मनी की वजह बना।

बता दें कि साल 1949 के आसपास मधुबाला और मीना कुमारी के पति कमाल अमरोही के साथ अफेयर की अफवाहें थीं। इस बात को जानने के बावजूद कि कमाल अमरोही पहले ही मीना कुमारी से शादी कर चुके हैं मधुबाला उनसे शादी करना चाहती थीं। मधुबाला चाहती थीं कि कमाल अपनी पत्नी को तलाक दे दें और उनसे शादी कर लें। रिपोर्ट्स की मानें तो जब मीना को इसके बारे में पता चला, तो उन्होंने मधुबाला को अपनी चप्पलों से पीटना चाहा था और उन्हें थप्पड़ भी मारना चाहा था।।

ट्रेजेडी क्वीन' के नाम से मशहूर मीना कुमारी की असल जिंदगी कांटों के बिस्तर से कम नहीं थी। गरीबी के कारण उनके जन्म के ठीक बाद उनके पिता ने उन्हें एक अनाथालय के दरवाजे पर छोड़ दिया था। बाद में रोती हुई मीना को वह वापस ले गए। बड़ी होने के बाद पिता से बगावत कर के फिल्म निर्माता कमाल अमरोही के साथ मीना कुमारी ने शादी की। कमाल पहले से 3 शादिया कर चुके थे। कमाल के साथ उनकी जिंदगी बेहद जिल्लत भरी थी। कमाल से रिश्ता उनके लिए किसी दर्दनाक जेल से कम नहीं था। जहां उन्हें न केवल बेवफाई, बल्कि घरेलू हिंसा का भी सामना करना पड़ा था। वह शराब पीने लगीं और बीमार रहने लगीं। जब वह अस्पताल में थी तो कमाल उन्हें छोड़ कर भाग गए थे। उनके पास अस्पताल का बिल देने के लिए भी पैसे नहीं थे। कम उम्र में ही उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

वहीं मधुबाला की कहानी भी कुछ मीना कुमारी जैसी ही थी। मधुबाला के कुल 8 भाई बहन थे। घर का खर्च चलाने के लिए वह कम उम्र में ही काम करने लगीं। उन्हें दिल की बीमारी थी। इसके बावजूद वह लगातार काम करती रहीं। वह दिलीप कुमार से बेइंतहा मोहब्बत करती थीं। लेकिन उनकी शादी नहीं हो पाई। बाद में उन्होंने किशोर कुमार से शादी की, लेकिन बीमारी में किशार कुमार ने उन्हें तन्हा छोड़ दिया। कम उम्र में ही मधुबाला ने दुनिया को अलविदा कह दिया था।

11 साल बाद फिल्मों में लौटी कैमरून डियाज

52 की उम्र में दिखाया ऐसा एक्शन आप भी कहेंगे उम्र है कि बढ़ती नहीं

नेटफ्लिक्स पर 17 जनवरी को एक फिल्म रिलीज हुई। इस फिल्म का नाम बैक इन एक्शन है और यह फिल्म लगातार ट्रेंडिंग में टॉप वन पर बनी हुई है। इस एक्ट्रेस की कोई फिल्म 11 साल बाद सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इस एक्ट्रेस ने एक बार फिर अपनी एक्टिंग और एक्शन से फैन्स का दिल जीत लिया। इस एक्ट्रेस नाम है कैमरून डियाज। 52 साल की कैमरून डियाज आखिरी बार किसी फिल्म में 2014 में नजर आई थीं और नेटफ्लिक्स की बैक इन एक्शन फिल्म से उन्होंने फिर से एक्टिंग की दुन्यिा में कदम रख दिया है। बैक इन एक्शन का निर्देशन सेठ गॉर्डन ने किया है और इसमें कैमरून डियाज के साथ जेमी फॉक्स, एंड्रयू स्कॉट, जेमी डिमेत्रो और ग्लेन क्लोज नजर आए।

कैमरून डियाज हॉलीवुड में 40 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं। कैमरून 30 अगस्त 1972 को कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में जन्मी थीं। 1994 में फिल्म द मास्क के साथ उन्होंने अपनी फिल्मी सफर की शुरुआत की, जिसमें उनके साथ जिम कैरी थे। इस फिल्म ने उन्हें स्टार बना दिया और उनके काम को खूब पसंद किया गया।

कैमरून डियाज ने माय बेस्ट फ्रेंड्स वेडिंग (1997), देयर इज समथिंग एबाउट मैरी (1998), चार्लीज एंजल्स (2000), चार्लीज एंजल्स: फुल थ्रॉटल (2003), वनिला स्काई (2001), द हॉलिडे (2006), व्हॉट हैप्न्स इन वेगास (2008), नाइट ऐंड डे (2010), श्रेक (2001), नो स्ट्रिंग्स अटैच्ड (2011) और बैड टीचर्स (2011) जैसी फिल्मों से दर्शकों का खूब दिल जीता। कैमरून डियाज ने संगीतकार बेंजामिन मैडेन से 2015 में शादी की, और दोनों के दो बच्चे हैं।

पैन इंडिया फिल्म कन्नप्पा से प्रीति मुकुंदन का पोस्टर जारी

निर्माताओं ने उठाया अभिनेत्री के किरदार से पर्दा

विष्णु मांचू अभिनीत कन्नप्पा के निर्माताओं ने प्रीति मुकुंदन के किरदार नेमाली का अनावरण किया है। यह गतिशील भूमिका अनुग्रह, सौंदर्य, साहस, प्रेम और भक्ति का प्रतीक है, जो नेमाली को कन्नप्पा का दिल और आत्मा बनाती है। फर्स्ट-लुक पोस्टर में प्रीति का ग्लैमर दिखाया गया है, जो दर्शकों को और अधिक देखने के लिए उत्सुक कर रहा है। कन्नप्पा में मोहन बाबू, प्रभास, अक्षय कुमार, मोहनलाल, सरथ कुमार, अर्पित रांका और काजल अग्रवाल सहित कई स्टार कलाकार हैं। मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित, इस एक्शन से भरपूर फिल्म में लुभावने वीएफएक्स हैं और यह एक सच्ची, प्रेरक कहानी पर आधारित है। 25 अप्रैल, 2025 को रिलीज़ होने वाली कन्नप्पा सबसे बड़ी समर ब्लॉकबस्टर होने का वादा करती है।प्रीति मुकुंदन ने नेमाली का किरदार निभाया है, जो कन्नप्पा की कहानी में गहराई लाता है। उनके किरदार की वफ़ादारी और करुणा झलकती है, जो उन्हें कलाकारों में एक आकर्षक जोड़ बनाती है।

अपने विविध कलाकारों और आकर्षक कहानी के साथ, कन्नप्पा देश भर के दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है। कन्नप्पा की रिलीज़ की तारीख, 25 अप्रैल, 2025, का बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा है। फिल्म की अखिल भारतीय पहुँच और सार्वभौमिक विषय व्यापक अपील सुनिश्चित करते हैं। निर्देशक मुकेश कुमार सिंह की दृष्टि एक्शन, ड्रामा और शानदार दृश्यों को जोड़ती है, जो कन्नप्पा को एक प्रत्याशित फिल्म बनाती है।

हॉरर थ्रिलर सबधाम की रिलीज आज

अरिवाझगन द्वारा निर्देशित आदि की हॉरर थ्रिलर सबधाम 28 फरवरी, 2025 को रिलीज़ होने वाली है। इस तमिल-तेलुगु द्विभाषी फिल्म में आदि और अरिवाझगन फिर से साथ आ रहे हैं, जिन्होंने पहले समीक्षकों द्वारा प्रशंसित 2009 की हॉरर फिल्म ईरम में साथ काम किया था। लक्ष्मी मेनन, लैला और सिमरन की प्रमुख भूमिकाओं वाली सबधाम का टीजर एक खौफनाक कहानी की ओर इशारा करता है। आदि एक शिक्षक की भूमिका में हैं जो एक महिला की आत्महत्या से शुरू हुई कॉलेज के भीतर भयानक घटनाओं की जांच कर रहा है। फिल्म एक भावनात्मक अंतर्धारा की खोज करती है, जो अरिवाझगन के निर्देशन की एक खासियत है, जो ईरम / वैशाली में स्पष्ट है और एम नाइट श्यामलन की सिक्स्थ सेंस से प्रेरित है।7जी फिल्म्स और अल्फा फ्रेम्स द्वारा समर्थित अरिवाझगन के प्रोडक्शन वेंचर में एक प्रतिभाशाली तकनीकी दल है। एस थमन ने संगीत तैयार किया है, अरुण बाथमनबन ने सिनेमैटोग्राफी संभाली है और सबु जोसेफ वीजे ने संपादन किया है। थमन और अरिवाझगन ने पहले ईरम, वलिनम और आराथु सिनम में सहयोग किया था।जैसे-जैसे सबधाम रिलीज के करीब आ रहा है, हॉरर और भावनात्मक गहराई के मिश्रण के लिए उम्मीदें बढ़ रही हैं। क्या आधी और अरिवाझगन ईरम का जादू फिर से जगा पाएंगे? लक्ष्मी मेनन और सिमरन की भूमिकाएँ कैसे सामने आएंगी?

फराह मैम के साथ काम करना कभी ना भूलने वाला पल : जुनैद खान

अभिनेता आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने फराह खान के साथ काम करने पर बात की। उन्होंने बताया कि डांसिंग कौशल में आने वाली परेशानियों के बावजूद इसे फराह खान ने कैसे आसान और सहज बनाया। जुनैद ने उनके साथ काम करने को कभी ना भूलने वाला बताया।जुनैद ने हाल ही में कोरियोग्राफर-निर्देशक फराह के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। फराह खान ने जुनैद और खुशी कपूर के साथ अपकमिंग लवयापा के गाने रहना कोल को कोरियोग्राफ किया है।लवयापा को लेकर जुनैद ने कहा, फराह मैम के साथ काम करना कभी ना भूलने वाला रहा है। वह सेट पर शानदार उपस्थिति लेकर आती हैं। मैं इतने सम्मानित और अनुभवी व्यक्ति से सीखने के अवसर के लिए वास्तव में आभारी हूं। एक डांसर के रूप में मेरी कमजोरियों के बावजूद, उनकी एनर्जी ने मुझे सहज महसूस कराया और इससे मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान केंद्रित कर पाया।दिलचस्प बात यह है कि आमिर खान की फिल्म जो जीता वो सिकंदर (1992) के मशहूर गाने पहला नशा को कोरियोग्राफ करने वाली फराह ने अब आमिर के बेटे जुनैद के लिए भी गाना कोरियोग्राफ किया है। फराह के साथ काम करने के अपने अनुभव को याद करते हुए जुनैद ने इसे अपनी जिंदगी के सबसे यादगार पलों में से एक बताया।लवयापा के बारे में बता दें कि यह एक युवा जोड़े के सफर को दिखाती है, जिनके रिश्ते में तब मुश्किलें आती हैं, जब वे मोबाइल फोन की अदला-बदली करते हैं और एक-दूसरे के बारे में कुछ सच्चाइयों को जान जाते हैं। यह फिल्म तमिल हिट लव टुडे की रीमेक है, जिसमें 2022 में प्रदीप रंगनाथन और इवाना ने मुख्य भूमिका निभाई थी।लवयापा में अपनी भूमिका को प्रामाणिकता देने के लिए, जुनैद ने कथित तौर पर दिल्ली में तीन महीने बिताए, और खुद को शहर की जीवनशैली और संस्कृति में ढाल दिया।घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने कहा, जुनैद खान ने अपने किरदार में पूरी तरह से ढलने के लिए दिल्ली में तीन महीने बिताकर खुद को पूरी तरह से इस भूमिका में ढाल दिया।

अवनीत कौर ने मजेदार अंदाज में सुनाई अपनी लव स्टोरी

अभिनेत्री अवनीत कौर ने आखिरकार अपनी लव लाइफ के बारे में बात की। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने मजेदार अंदाज में लव स्टोरी सुनाई।अवनीत कौर सोशल मीडिया पर खासा सक्रिय रहती हैं और अपनी शानदार पोस्ट को प्रशंसकों संग साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बिस्तर पर लेटी हुई एक शॉर्ट वीडियो साझा की। शॉर्ट वीडियो में वह ब्राउन रंग की स्वेटशर्ट पहने सेल्फी लेती नजर आईं।अवनीत ने कैप्शन में लिखा, मैं और मेरा बिस्तर, यह एक लव स्टोरी है।एक अन्य स्टोरी में अभिनेत्री ने बताया था कि वह इस समय जम्मू-कश्मीर में हैं। बताया कि उन्होंने 13 डिग्री तापमान में शूटिंग की। हालांकि, उन्होंने प्रोजेक्ट का ब्योरा नहीं दिया। नहीं बताया कि वो फिल्म की या किसी सीरीज की शूटिंग के लिए वहां पहुंचीं हैं।पिछले हफ्ते ही अवनीत अबू धाबी में कोल्डप्ले कॉन्सर्ट में शामिल हुई थीं, जिसे उन्होंने बेस्ट बताया और कहा कि वापस जाकर लोगों संग उन हसीन पलों को शेयर करना चाहती हैं।

अवनीत ने इसके बाद इंस्टाग्राम स्टोरीज में कॉन्सर्ट के कई वीडियो साझा किए थे।एक्ट्रेस के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने साल 2010 में डांस शो डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स से करियर की शुरुआत की थी।साल 2012 में मेरी मां से अवनीत ने अभिनय यात्रा शुरू की। इसके बाद वह टेढ़े हैं पर तेरे मेरे हैं, झलक दिखला जा में नजर आईं। 2013 में उन्होंने सावित्री - एक प्रेम कहानी और एक आसमान में काम किया।अवनीत ने साल 2014 में रिलीज प्रदीप सरकार की मर्दानी से फिल्मी दुनिया में कदम रखा।जून 2023 में अभिनेत्री नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ कंगना रनौत की टीकू वेड्स शेरू में नजर आई थीं। जून 2024 में उन्होंने सनी सिंह के साथ लव की अरेंज मैरिज की। उनकी अपकमिंग फिल्म लव इन वियतनाम की घोषणा 2024 के कान फिल्म महोत्सव में की गई थी।

शिववास योग और सिद्धि योग में

कल मौनी अमावस्या

माघ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को माघी अमावस्या या मौनी अमावस्या कहा जाता है। इस साल मौनी अमावस्या 29 जनवरी को है। मौनी अमावस्या का ज्योतिष शास्त्र में बहुत महत्व है। इस दिन किसी पवित्र नदी में स्नान के बाद दान करना शुभ माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन पड़ रहा है। यह बेहद शुभ माना गया है। मौनी अमावस्या पर दुर्लभ शिववास योग और सिद्धि योग का संयोग बन रहा है। मौनी अमावस्या का हिंदू धर्म में काफी अधिक महत्व है। मौनी अमावस्या को पवित्रता, तप और आत्मशुद्धि का प्रतीक माना गया है। इस दिन श्रद्धालु मौन धारण करके संगम में स्नान करेंगे। महाकुंभ के अलावा, अन्य श्रद्धालु अन्य नदियों में स्नान करेंगे और पुण्य अर्जित करेंगे। मौनी अमावस्या का शाब्दिक अर्थ है 'मौन रहने वाली अमावस्या'।

माघ मास की मौनी अमावस्या का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। इस दिन स्नान, ध्यान, पूजा, तप और दान पुण्यदायक माना जाता है। हर साल माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के अगले दिन मौनी अमावस्या मनाई जाती है। इस वर्ष मौनी अमावस्या 29 जनवरी को पड़ रही है। इस दिन श्रद्धालु गंगा, नर्मदा समेत अन्य पवित्र नदियों में स्नान करेंगे। साथ ही विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा की जाएगी। मौनी अमावस्या पर पवित्र नदियों में स्नान के बाद दान करने पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। इस दिन मौन व्रत रखने का विधान है। हालांकि गृहस्थ लोगों के लिए दिन भर मौन रह पाना थोड़ा मुश्किल है। ऐसे में गृहस्थ लोग पूजा-पाठ करने के बाद अपना मौन व्रत खोल सकते हैं।

उदयातिथि से 29 को मौनी अमावस्या

पंचांग के अनुसार, मौनी अमावस्या की तिथि की शुरुआत 28 जनवरी को रात 07:35 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 29 जनवरी को शाम को 06:05 मिनट पर होगा। ऐसे में मौनी अमावस्या 29 जनवरी को मनाई जाएगी।

शिववास योग

मौनी अमावस्या पर दुर्लभ शिववास योग का संयोग बन रहा है। शिववास का संयोग मौनी अमावस्या यानी 29 जनवरी को सायं 06: 05 मिनट तक है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान शिव कैलाश पर मां गौरी के साथ विराजमान रहेंगे।

सिद्धि योग

माघ अमावस्या या मौनी अमावस्या पर सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है। सिद्धि योग का संयोग रात 09:,22 मिनट तक है। ज्योतिष शास्त्र में सिद्धि योग को शुभ मानते हैं। इस योग में भगवान शिव की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। इसके अलावा मौनी अमावस्या पर श्रवण एवं उत्तराषाढ़ा नक्षत्र का संयोग बन रहा है। इन योग में भगवान शिव की पूजा करने से शुभ फल की प्राप्ति होगी।

मौनी अमावस्या पर करें दान

शास्त्रों के अनुसार मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान करने से पुण्य फल कई गुना बढ़ जाता है। इस दिन का धार्मिक महत्व अधिक है। मौनी अमावस्या के दिन व्रत करने वाले व्यक्ति को दान करना चाहिए। इस दिन जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाना चाहिए। ऐसा करने से पितरों की कृपा प्राप्त होती है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक इस दिन तेल, कंबल, दूध ,चीनी, अनाज तथा अपने आवश्यकता अनुसार पैसों का दान करना चाहिए। इसके अलावा मौनी अमावस्या के दिन पशु-पक्षियों को भोजन करना चाहिए। ऐसा करते श्री पित्र प्रसन्न होते हैं और जीवन में आ रही तमाम समस्याओं से मुक्ति मिलती है।

महत्व

मौनी अमावस्या का महत्व धर्म के साथ-साथ ज्योतिष से भी जुड़ा है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, मौनी अमावस्या तब मनाई जाती है जब माघ महीने के दौरान चंद्रमा और सूर्य मकर राशि में एक साथ आते हैं। मौनी अमावस्या के दिन चंद्रमा और सूर्य दोनों की संयुक्त ऊर्जा के प्रभाव से इस दिन का महत्व और भी अधिक हो जाता है। मकर राशि चक्र की दसवीं राशि है और कुंडली के दसवें घर में सूर्य मजबूत है। ज्योतिष में सूर्य को पिता और धर्म का कारक माना जाता है, इसलिए जब सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में मिलते हैं तो मौनी अमावस्या का त्योहार मनाया जाता है।

क्या करें

इस दिन सुबह जल्दी उठकर गंगा स्नान करें। यदि आप गंगा स्नान नहीं कर सकते हैं, तो पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। स्नान के बाद सूर्य देवता को अर्घ्य जरूर दें। ध्यान रहे स्नान करने से पहले तक कुछ बोलें नहीं। मौनी अमावस्या के दिन ज्यादा से ज्यादा ध्यान, प्रार्थना व अन्य धार्मिक क्रिया करें। इस दिन दान जरूर करें। जरूरतमंद लोगों की मदद करें। निस्वार्थ कार्य करना इस दिन शुभ फलदायी होता है। मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदियों में डुबकी लगाएं ताकि शरीर और आत्मा दोनों शुद्ध हो जाएं। मौनी अमावस्या के दिन उपवास करें, ऐसा करना शुभ फल देता है।

क्या ना करें

मौनी अमावस्या के दिन मांस-मदिरा और तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दिन केवल सादा भोजन ही करें। साथ ही जितना हो सके मौन रहने की कोशिश करें।

मौनी अमावस्या के दिन झूठ बोलने से बचना चाहिए। इसका उल्टा प्रभाव आपके जीवन में पड़ने की संभावना रहती है। मौनी अमावस्या के दिन देर तक सोने से बचना चाहिए। मौनी अमावस्या के दिन नकारात्मक विचारों और भावनाओं को अपने अंदर न आने दें।

करें इस मंत्र का जाप

मौनी अमावस्या के दिन भगवान सूर्य को अर्घ्य देना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन ऐसा करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। मौनी अमावस्या के दिन ॐ आद्य-भूताय विद्महे सर्व-सेव्याय धीमहि, शिव-शक्ति-स्वरूपेण पितृ-देव प्रचोदयात मंत्र का जाप 108 बार करें। ऐसा करने से जातक के घर से पितृ दोष समाप्त हो जाता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

मौनी अमावस्या पर राशि अनुसार करें इन मंत्रों का जप, कालसर्प दोष होगा दूर

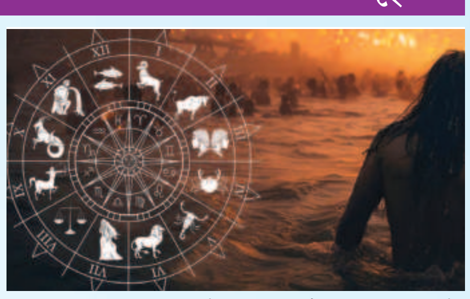

वैदिक पंचांग के अनुसार, 29 को माघ अमावस्या है। सनातन धर्म में मौनी अमावस्या का विशेष महत्व है। इस शुभ अवसर पर गंगा स्नान करने से साधक द्वारा जाने-अनजाने में किए गए पाप धुल जाते हैं। वहीं, पितरों का तर्पण एवं पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस शुभ अवसर पर साधक गंगा स्नान करते हैं।

असुविधा होने पर साधक अपने घर पर गंगाजल युक्त पानी से स्नान-ध्यान कर भगवान शिव की पूजा करते हैं। मौनी अमावस्या पर शिवजी की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। अगर आप भी भगवान शिव की कृपा पाना चाहते हैं, तो मौनी अमावस्या के दिन स्नान-ध्यान कर भक्ति भाव से महादेव की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय राशि अनुसार मंत्र जप करें।

राशि अनुसार मंत्र जप

मेष राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के समय 'ॐ महाकाल नमः और ॐ गंगायै नमः'मंत्र का जप करें।

वृषभ राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के दौरान 'ॐ रुद्रनाथ नमः और ॐ हरवल्लभायै नमः' मंत्र का जप करें।

मिथुन राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के समय 'ॐ भीमशंकर नमः और ॐ अनलायै नमः' मंत्र का जप करें।

कर्क राशि के जातक मौनी अमावस्या को पूजा के समय 'ॐ चंद्रधारी नमः और ॐ अव्ययायै नमः' मंत्र का जप करें।

सिंह राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के दौरान 'ॐ कैलाश पति नमः और ॐ श्रीमत्यै नमः' मंत्र का जप करें।

कन्या राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के समय 'ॐ गोरापति नमः और ॐ त्रिवेण्यै नमः' मंत्र का जप करें।

तुला राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के दौरान 'ॐ उमापति नमः और ॐ सावित्र्यै नमः' मंत्र का जप करें।

वृश्चिक राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के समय 'ॐ विश्वनाथ नमः और ॐ नन्दिन्यै नमः' मंत्र का जप करें।

धनु राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के दौरान 'ॐ भोलेनाथ नमः और ॐ शरण्यै नमः' मंत्र का जप करें।

मकर राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के दौरान 'ॐ चंद्रमोली नमः और ॐ अनन्तायै नमः' मंत्र का जप करें।

कुंभ राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के दौरान 'ॐ अमरनाथ नमः और ॐ शिवदायै नमः' मंत्र का जप करें।

मीन राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के दौरान 'ॐ नंदराज नमः और ॐ भीष्ममात्रे नमः' मंत्र का जप करें।

मौनी अमावस्या पर कर लें तिल से जुड़े ये उपाय, पितरों की बरसेगी कृपा

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, माघ का महीना 11वां होता है। इस माह में पड़ने वाले व्रत और पर्व का विशेष महत्व है। इनमें मौनी अमावस्या भी शामिल है। सनातन शास्त्रों के अनुसार, मौनी अमावस्या के शुभ अवसर पर पवित्र नदी में स्नान एवं दान करने से व्यक्ति को सभी पाप से छुटकारा मिलता है। साथ ही पितृ देव प्रसन्न होते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में मौनी अमावस्या के दिन किए जाने वाले तिल के उपाय के बारे में बताया गया है। माना जाता है कि मौनी अमावस्या के दिन तिल से जुड़े उपाय करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और मृत्यु के बाद बैकुंठ लोक की प्राप्ति होती है।

तिल के उपाय : मौनी अमावस्या के दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु की विधिपूर्वक उपासना करें। इसके बाद श्रद्धा अनुसार गरीब लोगों में या फिर मंदिर में काले तिल का दान जरूर करें। धार्मिक मान्यता है कि तिल का दान करने से व्यक्ति को मृत्यु के बाद बैकुंठ में सुख मिलता है।

अगर आप पितरों को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान करें। इसके बाद एक लोटे में जल और काले तिल ड़ालकर महादेव का सच्चे मन से अभिषेक करें। साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से शिव जी की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही पितृ दोष की समस्या दूर होती है। अगर आप कुंडली में शनि दोष की समस्या का सामना कर रहे हैं, तो मौनी अमावस्या के दिन लोगों में काले तिल का दान करें। ऐसा माना जाता है कि काले तिल का दान कुंडली में अशुभ प्रभाव दूर होते हैं।

मौनी अमावस्य से सोने की तरह चमकेगी तीन राशियों की किस्मत, धन-संपत्ति में होगी बढ़ोतरी

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस शुभ अवसर पर गंगा स्नान किया जाता है। साथ ही पूजा, जप-तप किया जाता है। वहीं, पूजा के समापन के बाद दान किया जाता है। मौनी अमावस्या के दिन गंगा स्नान करने से सभी पाप धुल जाते हैं। इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान-ध्यान करते हैं।

ज्योतिषियों की मानें तो मौनी अमावस्या से एक दिन पहले सुखों के कारक शुक्र देव राशि परिवर्तन करेंगे। शुक्र देव के राशि परिवर्तन करने से कई राशि के जातकों को लाभ होगा। इनमें मीन राशि के जातकों को सबसे अधिक लाभ होगा। इस राशि में ही शुक्र देव गोचर करेंगे।

शुक्र ग्रह गोचर 2025

सुखों के कारक शुक्र देव 28 जनवरी को कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में शुक्र देव 30 मई तक रहेंगे। इसके अगले दिन शुक्र देव मेष राशि में गोचर करेंगे। इससे पूर्व कई बार नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। शुक्र देव के राशि परिवर्तन से इन राशियों की किस्मत सोने की तरह चमकेगी।

इन राशियों को होगा लाभ

शुक्र देव के राशि परिवर्तन से मीन राशि के जातकों को सबसे अधिक लाभ होगा। इस राशि के जातकों पर शुक्र देव की विशेष कृपा बरसती है। उनकी कृपा से सुखों में वृद्धि होगी। साथ ही धन-संपत्ति में भी बढ़ोतरी होगी। सुख सुविधाओं पर धन व्यय करेंगे। सोचे हुए काम पूरे होंगे। अचानक से धन लाभ होगा। खासकर, फरवरी महीने में धन लाभ होगा। इसके साथ ही वृषभ, कर्क, वृश्चिक और कुंभ राशि के जातकों को भी लाभ मिलेगा।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों को कारोबार से लाभ मिल सकता है। अगर निवेश किया है, तो अच्छा रिटर्न मिल सकता है। निवेश करने के लिए उत्तम समय है। धन में समय के साथ वृद्धि होगी। रियल स्टेट से अधिक लाभ प्राप्त होगा। विवाहित लोगों को विशेष लाभ मिल सकता है।

कर्क राशि

शुक्र देव के राशि परिवर्तन से कर्क राशि के जातक भी मालामाल होंगे। इस राशि के जातकों को परिवारजनों और मित्रों का साथ मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। बल और बुद्धि से आप धन अर्जित करने में सफल होंगे। बिगड़े काम बनेंगे। अचानक से धन लाभ हो सकता है। निवेश के लिए उत्तम समय है। घर के बड़ों की सलाह पर निवेश कर सकते हैं।

वृश्चिक एवं कुंभ राशि

शुक्र देव की कृपा वृश्चिक एवं कुंभ राशि के जातकों पर भी बरसेगी। उनकी कृपा से जीवन में सुखों का आगमन होगा। कुंभ राशि के जातकों को बिजनेस से अधिक लाभ होगा। इस राशि के जातकों को ज्वेलरी से संबंधित व्यापार में विशेष लाभ होगा। कपड़ों की खरीदारी पर धन खर्च हो सकता है। आसान शब्दों में कहें तो शॉपिंग कर सकते हैं। वहीं, वृश्चिक राशि के जातकों को ससुराल से धन लाभ हो सकता है। पार्टनर आपको महंगा गिफ्ट दे सकता है।

मौनी अमावस्या के दिन शिव जी का अभिषेक करने से जीवन में सुख-शांति बनी रहती है

माघ माघ की अमावस्या को मौनी अमावस्या भी कहा जाता है, क्योंकि इस दिन मौन साधना करने का काफी महत्व माना गया है। इस साल यह तिथि और भी खास मानी जा रही है, क्योंकि इस दिन यानी बुधवार, 29 जनवरी 2025 को महाकुंभ में तीसरा अमृत स्नान किया जाएगा।

मिलेगी पितृ दोष से मुक्ति

अगर आप पितृ दोष से परेशान हैं, तो ऐसी स्थिति में मौनी अमावस्या के दिन तांबे के लोटे में जल लेकर उसमें काले तिल डालें और शिव जी का अभिषेक करें। इससे जातक को पितृ दोष से राहत मिल सकती है और जीवन की कई समस्याएं हल हो जाती हैं।

आय और सौभाग्य में होगी वृद्धि

मौनी अमावस्या के दिन आप गंगाजल में बेल पत्र और पान के पत्ते मिलाकर भी भगवान शिव का अभिषेक कर सकते हैं। इस उपाय को करने से साधक की आय और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

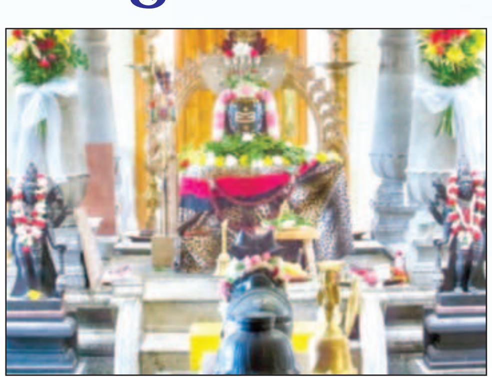

होगा सुख-शांति का वास

अगर आपके परिवार में लड़ाई-झगड़े की स्थिति बनी रहती है, तो इसके लिए मौनी अमावस्या के दिन महादेव की विधिपूर्वक रूप से पूजा-अर्चना करें। साथ ही उनका कच्चे दूध में दही और शहद मिलाकर अभिषेक करें। इससे व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

प्रसन्न होंगे महादेव

मौनी अमावस्या के दिन आप शिव जी का शुद्ध घी से भी अभिषेक कर सकते हैं। इससे शिव जी जल्दी प्रसन्न होते हैं। वहीं भोलेनाथ की कृपा के लिए आप अमावस्या पर शुद्ध शहद से भी उनका अभिषेक कर सकते हैं। इस उपाय को करने से व्यक्ति का सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। साथ ही उसके सभी दुख-दर्द भी दूर होने लगते हैं।

अमावस्या के दिन कुछ जगहों पर जलाएं दीपक पितृ होंगे प्रसन्न और बनेंगे बिगड़े काम

पंचांग के अनुसार, मौनी अमावस्या का त्योहार 29 जनवरी को मनाया जाएगा। इस दिन महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान है। इस शुभ अवसर पर भगवान विष्णु और पितरों की पूजा-अर्चना और जप, तप और दान करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही पितृ दोष दूर होता है। ऐसे में मौनी अमावस्या के दिन कुछ जगहों पर दीपक जलाकर पितरों को प्रसन्न किया जा सकता है।

आर्थिक तंगी होगी दूर

अगर आप आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो ऐसे में मौनी अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ में जल चढ़ाएं। साथ ही शाम के समय तेल का दीपक जरूर जलाएं। इस दौरान सच्चे मन से पितृ सूक्त का पाठ करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से व्यक्ति को पितरों की कृपा प्राप्त होती है और आर्थिक समस्याएं से छुटकारा मिलता है।

बनेंगे बिगड़े हुए काम

मौनी अमावस्या के दिन भगवान विष्णु के साथ महादेव की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करें। इस दौरान कच्चे दूध में दही, शहद मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। साथ ही देसी घी का चौमुखी दीपक जलाएं। जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से रुके हुए काम पूरे होते हैं और शिव जी प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा शिव जी की पूजा में तिल का दीपक भी जला सकते हैं। इससे शंकर जी का आशीर्वाद बना रहेगा और सभी कष्ट दूर होंगे।

पितृ दोष की समस्या होगी दूर

मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान करने के बाद दीपदान करें। पितरों को जल अर्पित करें। इससे पितृ दोष की समस्या दूर होगी और पूर्वजों की शांति प्राप्त होगी।

इन जगह पर भी जला सकते हैं दीपक

सनातन धर्म में पूजा-अर्चना करने के लिए दिशा का विशेष ध्यान रखें। अमावस्या की रात घर में उत्तर और पूर्व दिशा के बीच दीपक जलाएं। धार्मिक मान्यता है कि इस उपाय को विधिपूर्वक करने से पितरों और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है।

शुभ लाभ

संपादकीय

लाउडस्पीकर पर रोक

कोर्ट की सख्ती के बावजूद विभिन्न धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल बंद नहीं हुआ। दिनभर के थके-हरे लोग जब घर में आराम करते हैं तो लाउडस्पीकरों की तीव्र ध्वनि उनकी शांति में खलल डालती है। डॉक्टर भी कहते हैं कि नींद में किसी भी तरह का व्यवधान व्यक्ति के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। फिर जो लोग पहले से बीमार होते हैं, उनके लिये तो तेज शोर असहनीय होता है। लेकिन वर्तमान ध्रुवीकृत समाज में लाउडस्पीकरों का बेलगाम शोर प्रतिष्ठा का मुद्दा बन जाता है। लोग परेशान होने पर भी शिकायत नहीं करते। उन्हें डर होता है कि धार्मिक समूह उन्हें निशाना बना सकते हैं। विडंबना यह है कि नियामक एजेंसियां भी स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई नहीं करती। इस बाबत दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार शोर-शराबे पर काबू करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। इसलिए ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने पुलिस से कहा कि धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकरों के शोर को मापने के लिए ऐप का प्रयोग करे ताकि नियम का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा सके। उन पर जुर्माना लगे। फिर भी उल्लंघन होने पर प्रबंधकों व संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। यहां तक कि कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता की सुरक्षा के मद्देनजर उसकी पहचान गोपनीय रखी जाए। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के भीतर ऐसा सिस्टम लगे, जो उसकी ध्वनि के स्तर को स्वतः नियंत्रित करे। न्यायाधीशों की दो सदस्यीय बेंच ने माना कि निर्धारित मानक से अधिक शोर सेहत पर प्रतिकूल असर डालता है। अतः कोई व्यक्ति इसके इस्तेमाल को अपना अधिकार नहीं बता सकता। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक स्थलों से होने वाले शोर पर नियंत्रण के लिये ठोस प्रयास करे। कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों तथा जनसमूह को संबोधित करने वाले सिस्टम की शोर सीमा को नियंत्रित करे। नियामक एजेंसियां निगरानी व शोर नापने के लिये ऐप प्रयोग करे। नियमानुसार दिन में ध्वनि का स्तर 55 तथा रात में 45 डेसिबल से अधिक नहीं हो। दरअसल, मुंबई में कुर्ला क्षेत्र में एक धार्मिक स्थल से निर्धारित मानकों से अधिक स्तर का ध्वनि प्रदूषण रोकने में पुलिस की निष्क्रियता के खिलाफ यह याचिका दायर की गई थी। वास्तव में लोग तभी शिकायत करते हैं जब ध्वनि का स्तर सहने की सीमा पार कर जाता है। अदालत ने शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रख कर कार्रवाई करने को कहा ताकि उसे सांप्रदायिक आधार पर निशाना न बनाया जा सके। यदि जुर्माना लगाने के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो पुलिस धार्मिक स्थल पर लगे लाउडस्पीकर को जब्त करे। फिर उसके लाइसेंस को रद्द करने की कार्रवाई करे। साथ ही ध्वनि प्रदूषण नियंत्रक नियमों तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई हो। कोर्ट माना कि कठोर कानून के अभाव में लाउडस्पीकरों के उपयोगकर्ता नियम-कानून को नजरअंदाज करने लगते हैं। नियामक एजेंसियों की निष्क्रियता पर चिंता जताते हुए अदालत का कहना था कि लोग ध्वनि प्रदूषण को लेकर संविधान में वर्णित अभिव्यक्ति व धार्मिक आजादी का तर्क देते हैं, लेकिन इस पर रोक लगाना किसी भी स्थिति मे मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण नहीं है। अतः ध्वनि की कर्कशता पर अंकुश लगाकर लोगों को राहत दी जानी चाहिए। दरअसल, पुलिस ऐसे मामलों में इसलिए भी उदासीन रहती है कि कहीं उन पर धार्मिक भावनाएं आहत होने का आक्षेप न लगा दिया जाए। कमोबेश यह स्थिति पूरे देश में और विगत में आए अदालत के फैसले की भी अनदेखी की जाती रही है। कई बार तो प्रशासन की अनुमति के बिना सार्वजनिक कार्यक्रमों का लाउडस्पीकरों से संबोधन बदस्तूर जारी रहता है। लोग इसलिये भी शिकायत नहीं करते हैं ताकि कोई टकराव न हो। धर्म विशेष के लोग उनके घरों के आसपास ही रहते हैं। ऐसे में उन्हें हिंसा की आशंका रहती है। निस्संदेह, नियंत्रण के लिए ढाई दशक पहले बनाये गए ध्वनि प्रदूषण विनियमन व नियंत्रण नियमों को बदलते वक्त के साथ प्रभावी बनाने की जरूरत है।

> कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। इसलिए ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने पुलिस से कहा कि धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकरों के शोर को मापने के लिए ऐप का प्रयोग करे ताकि नियम का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा सके। उन पर जुर्माना लगे। फिर भी उल्लंघन होने पर प्रबंधकों व संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। यहां तक कि कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता की सुरक्षा के मद्देनजर उसकी पहचान गोपनीय रखी जाए। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के भीतर ऐसा सिस्टम लगे, जो उसकी ध्वनि के स्तर को स्वतः नियंत्रित करे। न्यायाधीशों की दो सदस्यीय बेंच ने माना कि निर्धारित मानक से अधिक शोर सेहत पर प्रतिकूल असर डालता है।

संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं जो रियल एस्टेट व्यवसायी और एजेंट के रूप में काम कर रहे

मुख्यमंत्री सिद्घारमैया पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर कांग्रेस चुप क्यों

योगेंद्र योगी

> राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे में इतना साहस भी नहीं हो सका कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद से हटाना तो दूर बल्कि कारण बताओ नोटिस तक जारी कर सकें। दरअसल कांग्रेस को अंदाजा है कि यदि सिद्धारमैया से कुछ भी पूछा गया तो विद्रोह की नौबत आ जाएगी। ऐसे में कांग्रेस ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखना ही सही समझा। कांग्रेस को शायद यह बात समझ में नहीं आई कि उसकी चुप्पी ही उसे अपराधी बना रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल पीएम मोदी की तरह झूठे वादे करते हैं। केजरीवाल ने कहा था कि भ्रष्टाचार मिटाएंगे लेकिन क्या दिल्ली में भ्रष्टाचार हटा क्या? अडानी पर भी केजरीवाल कुछ भी नहीं बोलते हैं। राहुल गांधी ने जब केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए उसी समय कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने (ईडी) ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले के संबंध में 300 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाली 142 अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया। ईडी के बेंगलुरु जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत इन संपत्तियों को जब्त किया। ईडी के अनुसार, ये संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं जो रियल एस्टेट व्यवसायी और एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। ईडी ने लोकायुक्त पुलिस मैसूर द्वारा भारतीय दंड संहिता, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की थी।

आतंरिक तौर पर देखें तो राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे में इतना साहस भी नहीं हो सका कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद से हटाना तो दूर बल्कि कारण बताओ नोटिस तक जारी कर सकें। दरअसल कांग्रेस को अंदाजा है कि यदि सिद्धारमैया से कुछ भी पूछा गया तो विद्रोह की नौबत आ जाएगी। ऐसे में कांग्रेस ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखना ही सही समझा। कांग्रेस को शायद यह बात समझ में नहीं आई कि उसकी चुप्पी ही उसे अपराधी बना रही है। यही वजह है कि भाजपा ने विगत चुनावों में भ्रष्टाचार के मुद्दों पर कांग्रेस की बखिया उधड़ने में कोई कसर बाकी नहीं रखी।

दरअसल कमजोर होती कांग्रेस में इतने क्षत्रप पनप गए हैं कि पार्टी चाह कर भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। ऐसे में भ्रष्टाचार हो या पार्टी विरोधी गतिविधियां, कांग्रेस खिसकते जनाधार के कारण यह जहर पीने को मजबूर हो

गई है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इसका उदाहरण हैं। सरेआम पार्टी के निर्णयों की उपेक्षा करने के बावजूद कांग्रेस गहलोत के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकी। इसी तरह सचिन पायलट भी पार्टी खुल कर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे, किन्तु कांग्रेस उनकी तरफ से भी आंखे फेरे रही है। गहलोत और पायलट के अंदरूनी सता संघर्ष का ही नतीजा रहा कि कमजोर कांग्रेस राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकी और करारी शिकस्त खाने को मजबूर हुई।

कांग्रेस में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरने वाले सिद्धारमैया अकेले नेता नहीं हैं। पार्टी में नीचे से लेकर शीर्ष तक नेताओं के खिलाफ गंभीर मामले चल रहे हैं। यहां तक कि पार्टी चलाने वालीं कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी जमानत पर चल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी कई भाषणों में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के जमानत पर बाहर होने पर चुटकी भी लेते रहे हैं। संसद के सत्र के दौरान जब कांग्रेस नेता अधीर रंजन ने कहा था कि भ्रष्टाचार के मामले हैं तो गिरफ्तार क्यों नहीं करते, तब पीएम मोदी ने हंसते हुए कहा था- जमानत पर हैं तो एन्जॉय करिए। इसी तरह कांग्रेस मौके-बेमौके ऐसे मुद्दें पर उपहास का पात्र बनती रही है।

भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर रहे हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती है। नेशनल हेराल्ड केस-2011 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता फंसे हैं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी का आरोप है कि यह सब कुछ दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर स्थित हेराल्ड हाउस की 16 सौ करोड़ रुपये की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए किया गया।

वर्ष 2013 में अगस्ता वेस्टलैंड वीआइपी हेलीकॉप्टर खरीद घोटाला में सीबीआई और दूसरी केंद्रीय एजेंसियां अहमद पटेल पर इतालवी चॉपर कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से कमीशन लेने के आरोपों की जांच कर रही हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी भी फंसे हैं। राजस्थान में एंबुलेस घोटाला में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट भी आरोपी हैं। ये मामला 2010 से लेकर 2013 तक एनआरएचएम के तहत एंबुलेंस खरीदने में हुई धांधली का है। ईडी अब तक 12 करोड़ की संपत्तियां आरोपियों से जब्त कर चुकी है।

कांग्रेस के दिग्गज नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का मामला चल रहा है। 2017 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने डीके शिवकुमार के 64 ठिकानों पर जबर्दस्त छापेमारी की थी। टैक्स चोरी की शिकायतों पर यह कार्रवाई हुई थी। हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह के खिलाफ भी केंद्रीय एजेंसियों ने छापेमारी की। सितंबर 2015 में उनकी बेटी की शादी के दिन सीबीआई ने छापेमारी कर खलबली मचा दी थी।

आश्चर्य यह नहीं है कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं, बल्कि लगाने वाले ने अपनी पार्टी की गिरेबां में झांक कर नहीं देखा। आकंठ तक भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी कांग्रेस के मुंह से भ्रष्टाचार शब्द भी अब बेजान हो गया है। कांग्रेस का इतिहास और वर्तमान भ्रष्टाचार के काले कारनामों से रंगा हुआ है। कांग्रेस यदि आज देश में लगातार सिमटती जा रही है तो उसका प्रमुख कारण भ्रष्टाचार में लिप्त होना है। भाजपा के बाद देश की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस अपने दामन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर दोमुंही बातें करती रही है। यह निश्चित है कि जब तक कांग्रेस भ्रष्टाचार को लेकर कथनी और करनी के फर्क को नहीं मिटाती तब तक देश के मतदाताओं का पूरा भरोसा नहीं जीत सकती।

दृष्टि कोण

जागरूकता के साथ जिम्मेदारी भी जरूरी

लोकतंत्र का आधार मतदान है और युवा इस आधार को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस दिन का उद्देश्य नागरिकों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना और मतदान प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करना है। हमारे देश में युवा आबादी काफी बड़ी है। ऐसे में युवाओं को मतदान के महत्व के बारे में जागरूक करना अत्यंत जरूरी है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस युवाओं को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह उन्हें लोकतंत्र में भागीदार बनने, समाज में सक्रिय भूमिका निभाने और देश के विकास में योगदान देने का मौका देता है।

इस वर्ष के राष्ट्रीय मतदाता दिवस का विशेष महत्व है क्योंकि यह लोकतंत्र के 75 वर्ष पूरे होने के वर्ष में मनाया जा रहा है। भारत में यह दिन हर साल 25 जनवरी को मनाया जाता है, जो भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना का दिवस भी है। 25 जनवरी, 2025 को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय मतदाता दिवस देश के हर नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।

लोकतंत्र की सफलता का आधार स्वतंत्र, निष्पक्ष और सक्रिय मतदान है। जब अधिक से अधिक लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तभी एक सच्चा लोकतंत्र फल-फूल सकता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दिन विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मतदान के महत्व, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया, दिव्यांगजन सहित सभी वर्गों के लिए मतदान की सुविधाओं आदि के बारे में जानकारी दी जाती है। इस दिन युवाओं को विशेष रूप से संबोधित किया जाता है और उन्हें मतदान के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है।

मतदान एक कानूनी अधिकार है, और यह हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। भारत में, मतदान से संबंधित सभी गतिविधियों को चुनाव आयोग द्वारा नियंत्रित किया जाता है। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है जो निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार है। भारत में 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त होता है। सभी योग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज होते हैं। मतदान एक गुप्त प्रक्रिया है। कोई भी यह नहीं जान सकता कि आपने किस उम्मीदवार को वोट दिया है।

शिक्षक छात्रों को लोकतंत्र के मूल्यों, मतदान का महत्व बताने के साथ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बना सकते हैं। शिक्षक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में वाद-विवाद, निबंध लेखन प्रतियोगिताएं, नाटक, पोस्टर प्रदर्शन आदि आयोजित कर सकते हैं। छात्रों के बीच मॉक पोल का आयोजन कर उन्हें वास्तविक मतदान प्रक्रिया से परिचित कराया जा सकता है। विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जा सकता है, जिसमें छात्रों को मतदान के महत्व और चुनौतियों के बारे में जानकारी दी जाए। शिक्षक चुनाव आयोग के साथ मिलकर छात्रों को मतदाता पहचान पत्र बनवाने में मदद कर सकते हैं। इससे छात्र अपने मताधिकार का सही तरीके से प्रयोग करेंगे और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में योगदान देंगे।

युवाओं को यह समझाना होगा कि लोकतंत्र एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें हर नागरिक के पास अपनी सरकार चुनने का अधिकार होता है। मतदान इसी अधिकार का प्रयोग करने का एक तरीका है। युवाओं को यह बताना चाहिए कि वे अपने मतदान के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। वे ऐसे नेताओं को चुन सकते हैं जो उनके मुद्दों को समझें और उनके लिए काम करें। उन्हें ऐसे नेताओं को चुनना चाहिए जो देश के विकास के लिए प्रतिबद्ध हों। युवाओं को यह समझाना होगा कि मतदान एक जिम्मेदारी भी है। उन्हें अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना चाहिए और मतदान करके इसे निभाना चाहिए।

कुछ अलग

ट्रंप का अमेरिका

डोनाल्ड ट्रंप ने विधिवत रूप से अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। अमेरिकी इतिहास में वे दूसरे ऐसे राष्ट्रपति बन गये हैं, जिन्होंने अलग-अलग समय में दो कार्यकाल के लिए चुने जाने का गौरव प्राप्त किया। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप की वापसी वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण आर्थिक और भू-राजनीतिक प्रभाव डालने वाली है। उन्होंने आते ही कई महत्वपूर्ण निर्णय लेना शुरू कर दिया है। अमेरिका की आंतरिक राजनीति से प्रभावित निर्णयों के अलावा अन्य बड़े निर्णय भी इनमें शामिल हैं। जैसे- उन्होंने अवैध प्रवासियों को रोकने के लिए कठोर निर्णय ले लिया है, ट्रांसजेंडर व्यवस्था खत्म कर दी और ड्रग माफिया को आतंकी की श्रेणी में डालने का निर्णय, इस प्रकार के कई निर्णय उन्होंने कार्यभार ग्रहण करते ही ले लिए हैं। ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन के 78 निर्णयों को पलट दिया है। कैपिटल हिंसा के 1600 आरोपियों के प्रकरण वापस लेने का निर्णय भी लिया है। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वह पहले अमेरिकी हितों की चिंता करेंगे। यानी वैश्विक राजनीति में अमेरिका अब अपने हितों के संरक्षण पर जोर देगा। इसी संदर्भ में देखना होगा कि उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका के बाहर होने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। कोरोना महामारी के समय से ट्रंप विश्व स्वास्थ्य संगठन के विरोध में रहे हैं। बहरहाल, भारत के लिए महत्वपूर्ण सवाल यह है कि ट्रंप की नीतियों के कारण अब अमेरिका-भारत के संबंध किस प्रकार के रहेंगे। वैश्विक राजनीति के विश्लेषक मान रहे हैं कि ट्रंप का राज भारत के लिए अवसरों और चुनौतियों का मिश्रण प्रस्तुत करता है। ट्रंप की व्यापार, रक्षा और विदेशी संबंधों की नीतियां- विशेष रूप से दक्षिण एशिया और हिंद-प्रशांत में- अमेरिका-भारत संबंधों की भविष्य की दिशा को आकार देंगी। पहले की प्रशासनिक नीतियों की तरह, चीन को लेकर साझा चिंताओं और क्षेत्रीय सुरक्षा एवं आर्थिक स्थिरता में बढ़ती रुचि के कारण दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंध ट्रंप के कार्यकाल में और गहरे होने की संभावना है। ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी में विशेष रूप से रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में निरंतर वृद्धि की संभावना है। चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर साझा चिंता दोनों देशों के लिए एक मजबूत एकीकृत कारक बनी हुई है। ट्रंप का क्वाड को मजबूत करने पर जोर भारत के हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के साथ मेल खाता है। भारत को संयुक्त सैन्य अभ्यास, रक्षा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और खुफिया जानकारी साझा करने में अमेरिका से और अधिक समर्थन मिलने की उम्मीद है, जो भारत की क्षेत्रीय सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ायेगा। ट्रंप की 'शक्ति के माध्यम से शांति' की नीति हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक अधिक मुखर अमेरिकी रुख में परिवर्तित हो सकती है, जो भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं के साथ मेल खाती है। इसके अलावा, पश्चिम एशिया में भी सहयोग बढ़ने की संभावना है, खासकर ऐसे समय में जब भारत-मध्य एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे जैसी पहलें चर्चा में हैं और इस्राइल-सऊदी अरब के संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास जारी हैं। अभी तक प्राप्त संकेतों के आधार पर कहा जा सकता है कि डोनाल्ड ट्रंप की वापसी से अमेरिका-भारत संबंधों को नया आयाम मिल सकता है।

देश दुनिया से

रूस-चीन संबंधों की नई इबारत लिखते ट्रंप

वर्ष 2024 के अंत में अपनी सालाना पत्रकार वार्ता में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की : 'मैं कहूंगा कि स्थिति नाटकीय रूप से बदल रही है'। उन्होंने आगे कहा : 'हर दिन समूचे अग्रिम मोर्चे पर हलचल हो रही है'। पुतिन के बारे में माना जाता है कि वे अपने शब्दों का चयन बहुत सावधानी से करते हैं। अब यह स्पष्ट है कि यह केवल कुछ वक्त की बात है जब रूस यूक्रेन को शेष बचे रूसी क्षेत्र से खदेड़ कर, अपने इलाकाई उद्देश्यों की प्राप्ति कर लेगा, जिस पर जल्द से जल्द पुनः नियंत्रण बनाने को अब वह बेताब है। यह दक्षिण तटों सहित वह इलाका है जिस पर रूस का नियंत्रण ऐतिहासिक रूप से रहा था। अब ऐसा लग रहा है कि यूक्रेन को उस क्षेत्र से बेदखल होना पड़ेगा, जिस पर लड़ाई शुरू होने से पहले उसका नियंत्रण था। फिलहाल, रूस वह इलाका दुबारा पाने की कोशिश में लगा है, जो युद्ध शुरू होने के बाद हाथ से निकल गया था।

साथ ही, इसमें कोई संदेह नहीं है कि यहां मामला युवा और अनुभवहीन यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की का भी है, जिन्हें बाइडेन प्रशासन और उसके नाटो सहयोगियों ने अपने दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र पर नियंत्रण बढ़ाने के लिए उकसाया था। अब यह स्पष्ट है कि बाइडेन प्रशासन के विपरीत, ट्रम्प की सरकार पुतिन के सैनिकों से निबटने के लिए यूक्रेन के सैन्य अभियानों में उनका साथ नहीं देने वाली। इस सारी प्रक्रिया में, ऐसा लगता है कि अमेरिका यह भूल गया कि रूसियों का एक मुख्य उद्देश्य ऐतिहासिक रूप से 'गर्म पानी' वाले तटों पर अपना नियंत्रण और निर्बाध पहुंच बनाए रखना है। साफ है जो बाइडेन ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि रूस के लिए वे अपने पूर्व में मौजूद इलाके कितने महत्वपूर्ण हैं, जिनपर कभी उसका नियंत्रण रहा था और जिससे होकर समुद्र तक उसकी पहुंच साल भर बनी रहती है, विशेषकर वर्तमान में यूक्रेन के तटों वाला।

ट्रम्प के आगमन के साथ देखा जा रहा सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह होगा कि इन मुद्दों को हल करने के लिए एक गंभीर प्रयास चल निकलेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो पाए कि समुद्र तक रूस की पहुंच पूर्णतः सुरक्षित रह सके। इसके अलावा, ऐसे संकेत हैं कि पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में भी इलाका कब्जाने में रूसी सावधानीपूर्वक लगे हुए हैं। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रम्प रूस के क्षेत्रीय दावों पर यूरोपीय मुल्कों की चिंताओं से जानबूझकर अनजान बने प्रतीत होते हैं। उन्होंने पुतिन के क्षेत्रीय दावों का जिक्र इस प्रकार किया है : 'क्या दिमाग है। पुतिन यूक्रेन के एक बड़े हिस्से को आजाद घोषित कर रहे हैं। यह अद्भुत है'! यह हैरानी जनक है क्योंकि कोई यह उम्मीद नहीं कर सकता था कि अमेरिका इस प्रकार से रूस के क्षेत्रीय दावों का समर्थन करेगा!

राष्ट्रपति ट्रम्प के राज में अमेरिका-चीन संबंधों के बारे में, ऐसे वक्त पर जब भारत चीन के साथ अपनी सीमाओं पर तनाव को खत्म करने के प्रयास करने में लगा है, चीन के साथ ट्रम्प के संबंधों में कोई गंभीर सफलता मिलने की संभावना कम ही है। ट्रम्प ने चीन की नीतियों के साथ अपने मतभेद व्यक्त करने में कभी संकोच नहीं किया है। इसकी पुष्टि सीनेटर

मार्को रुबियो को अपना विदेश मंत्री और सांसद माइक वाल्ट्ज को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त करने से होती है। रुबियो और वाल्ट्ज, दोनों को, वाशिंगटन में 'कट्टर चीन विरोधी' के रूप में जाना जाता है। चीन ने साल 2020 में रुबियो को अपने यहां प्रवेश देने से दो बार रोका था। किसी को हैरानी हो सकती है कि क्या यह प्रतिबंध आगे भी लागू रहेगा। ट्रम्प द्वारा इन दोनों की नियुक्ति का चीन जरा भी स्वागत नहीं करेगा। फिर भी, ट्रम्प के एक अन्य सहयोगी, अरबोंपति एलन मस्क के चीन में बड़े वाणिज्यिक हित हैं, जिनका मूल्य अरबों डॉलर में है। ट्रम्प स्पष्ट रूप से चीनियों को लेकर अपने इरादों के बारे में अनिश्चितता से भरे हुए हैं। ब्यानबाजी के बावजूद, यह भी साफ है कि ट्रंप चीन के साथ अपने विकल्प खुले रखेंगे। हाल-फिलहाल राष्ट्रपति ट्रंप को चीन को उसकी जगह पर रखने के लिए, भारत को संतुलन के तौर पर इस्तेमाल करना चाहेंगे। बदले में भारत को अभी भी अमेरिका की जरूरत है। उच्च तकनीक, रक्षा उत्पादन और अंतरिक्ष से लेकर सुरक्षा आदान-प्रदान और आर्थिक सहयोग के अन्य क्षेत्रों में सहयोग की। यह ऐसे वक्त में हो रहा है जब अमेरिका में बसे उच्च शिक्षित भारतीयों की आबादी बढ़ रही है, जोकि वर्तमान में लगभग 51 लाख है।

हालांकि, अमेरिका-चीन संबंध कठिन दौर से गुजर रहे हैं, जो दोनों शक्तियों के नेताओं के बीच काफी आपसी अविश्वास और नापसंदगी से पैदा हुआ है। विश्वास और सहयोग की बहाली में समय लगेगा, खासकर जब ट्रम्प के ब्यानबाजी के लहजे ने 'मध्य साम्राज्य' (कभी चीनी खुद को धरती का धुरा मानते थे) के लोगों को चौंका दिया होगा। लेकिन, चीनियों के साथ मतभेदों को दूर करने के लिए ट्रंप के पास एलन मस्क के साथ उनके बढ़िया रिश्ते का उपयोग करने वाला पत्ता सदा हाथ में रहेगा, क्योंकि 'मध्य साम्राज्य' के साथ मस्क के संबंध काफी प्रगाढ़ और निहित स्वार्थ से जुड़े हैं। पहले से ही, ऐसी अटकलें हैं कि चीन अमेरिका में टिकटॉक के कारोबार का मस्क द्वारा अधिग्रहण किए जाने को मंजूरी देने की सोच रहा है। जो भारतीय मस्क के साथ सौदा करने का अवसर ढूंढ़ रहे हैं, उन्हें यह ध्यान में रखना चाहिए। एक और महत्वपूर्ण कारक जिसे किसी को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए, वह यह है कि ट्रम्प के राष्ट्रपति पुतिन के साथ संबंध बहुत बढ़िया हैं और दुनिया भर के देश इसे स्पष्ट रूप से समझते हैं। इन घटनाक्रमों से सबसे ज़्यादा प्रभावित होने वाले व्यक्ति हैं, यूक्रेन के घिरे बैठे राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की। वे यह मानकर गंभीर रूप से गलत अनुमान लगा बैठे कि जो बाइडेन के नेतृत्व वाले अमेरिका का समर्थन पाकर वे पुतिन के रूस के साथ इलाकाई विवाद में भिड़ने के काबिल हो गए हैं। दुख की बात है कि बाइडेन के उत्तराधिकारी डोनाल्ड ट्रम्प ज़ेलेंस्की का साथ देने के मूड में नहीं हैं।

ट्रम्प के हाथ में समझौता करवाने का जो औजार है, वह है अमेरिका के नेतृत्व में रूस पर लगाए गए दंडात्मक प्रतिबंधों की शृंखला। निवर्तमान बाइडेन प्रशासन के अंतिम कार्यों में से एक था रूस के ऊर्जा क्षेत्र को लक्षित करते हुए एक व्यापक प्रतिबंध निजाम लागू करना, जो 10 जनवरी, 2025 से प्रभावी हुआ है।

आप का नजरिया

बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजा जाए

फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के कारण देश में बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर बहस तेज हो गई है। हालांकि, सैफ अली खान पर हमले की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हाय-तौबा मचाने और मोदी सरकार को घेरनेवाले लोग हमलावर शरीफुल इस्लाम शहजाद की गिरफ्तारी के बाद से एकदम चुप्पी साध गए हैं। उनकी चुप्पी का कारण है- आरोपी का मुस्लिम और बांग्लादेशी घुसपैठिया होना। सोचिए, यदि हमलावर कोई हिन्दू होता, तब ये तथाकथित सेकुलर बिरादरी के लोग किस प्रकार सरकार को घेरते। हमले के बाद उन्होंने यह नैरेटिव बनाने का प्रयास किया ही कि देश में मुसलमानों के खिलाफ नकारात्मक वातावरण बना दिया गया है, जिसके कारण सैफ अली खान पर हमला हुआ। इसमें भी 'तैमूर प्रकरण' को विशेष रूप से जोड़ा जा रहा था। लेकिन जैसे ही सामने आया कि सैफ अली खान पर हमला करनेवाला कोई हिन्दू नहीं अपितु मुस्लिम ही है, तब से हाय-तौबा मचानेवाले समूह में खामोशी पसर गई है। इस प्रकरण से यह भी स्पष्ट होता है कि घटनाओं को सांप्रदायिक रंग देने में तथाकथित सेकुलर समूह सबसे आगे रहता है। बहरहाल, देश के आम नागरिक को यह बात तो ध्यान आ गई कि बांग्लादेश से होनेवाली अवैध घुसपैठ एक गंभीर संकट है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय विचार के संगठन लंबे समय से इस बात की ओर संकेत करते आ रहे हैं कि बांग्लादेशी घुसपैठिए देश की शांति एवं सुरक्षा के लिए चुनौती बनने लगे हैं। चिंताजनक बात यह है कि बांग्लादेश से आनेवाले ये अवैध घुसपैठिए अपनी धार्मिक एवं वास्तिवक पहचान छिपाकर यहाँ-वहाँ फैल गए हैं। आरोपी शरीफुल इस्लाम शहजाद भी बिजॉय दास नाम से मुंबई में रह रहा था। कुछ दिन पहले मुंबई से ही एक बांग्लादेशी महिला कुलसुम शेख को भी पुलिस ने पकड़ा था, जो 2016 से मोहिनी के नाम से यहाँ रह रही थी। ऐसे ही कई बांग्लादेशी बेंगलुरु, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक और देश के कई राज्यों से पकड़े जा चुके हैं, जिन्होंने भारत में हिंदू नामों के पीछे खुद को छिपा रखा था। दिल्ली में आए दिन बांग्लादेशियों के पकड़े जाते हैं। देश के कई हिस्से ऐसे हैं, जहां अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण इलाके की डेमोग्राफी बदल गई है। आपराधिक वारदात में भी बांग्लादेशी और रोहिंग्या की शामिल होने के समाचार आते रहते हैं। अलग-अलग रिपोर्टस के अनुसार, जम्मू-कश्मीर से कन्याकुमारी के बीच देश के लगभग 17 राज्यों में लगभग दो करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। इस बारे में पहला आधिकारिक आंकड़ा संसद में 2007 में आया था। तब तत्कालीन गृह राज्य मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने बताया था कि भारत में 1.2 करोड़ अवैध बांग्लादेशी हैं। फिर दूसरी बार इस पर सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर जोगिंदर सिंह ने 2014 में एक आंकड़ा रखा। तब उन्होंने अनुमान लगाया था कि देश में करीब पांच करोड़ अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। केन्द्र सरकार को चाहिए कि संकल्प लेकर एक बार समूचे देश में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कराए और उन्हें वापस भेजे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। कोई आपको नुक़सान पहुँचाने की कोशिश कर सकता है। अगर आप हिसाब बराबर करना चाहें, तो ऐसा सलीके से ही किया जाना चाहिए। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। संभावना है कि आपके और आपके जी–वनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम–काज और रुपये–पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। जीत का जश्न आपके दिल को ख़ुशी से भर देगा। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। कामकाज में आपको काफ़ी फ़ायदा हो सकता है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। एक नज़दीकी रिश्तेदार ख़ुद के लिए आपका ज़्यादा ध्यान चाहेगा, हालाँकि वह काफ़ी मददगार और ख़याल रखने वाला होगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। अपने प्रिय को समझाने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ आपका यादगार दिन बना सकती हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

चूँकि यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। दिन अच्छा है दूसरों के साथ–साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवन–साथी के साथ पारिवारिक समस्याओं को साझा करें। एक–दूसरे को फिर से भली–भांति जानने के लिए थोड़ा और वक़्त एक–दूसरे के साथ बिताएँ और ख़ुद की स्नेही जोड़े की छवि को मज़बूत करें। आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच–विचार लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कोई नया व्यवसाय या योजना शुरू करने की सोच रहे हैं तो जल्दी ही फ़ैसला करें, क्योंकि आपके सितारे महरबान हैं। जो आप करना चाहते हैं, उस ओर क़दम बढ़ाने में घबराएँ नहीं। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तरोताज़ा होने के लिए अच्छी तरह से आराम करें। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। जीवन की आप–धापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 28 जनवरी 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 07:38 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा प्रातः 08:59 तक
योग : वज्र रात्रि 11:51 तक
करण : विष्टि प्रातः 08:12 तक
चन्द्रराशि : धनु दोपहर 02:53 तक
सूर्योदय : 06:48 , सूर्यास्त 06:09 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:09 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:40 , सूर्यास्त 06:07 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:10 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा प्रातः 08:10 तक

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजभवन में विभिन्न राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया

जयपुर,27 जनवरी (एजेंसियां)। राजभवन में सोमवार को उत्तर प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव राज्य तथा केन्द्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इन राज्यों के स्थानीय निवासियों को शुभकामनाएं देते हुए 'विकसित भारत' में सभी की समान भागीदारी का आह्वान किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अखण्ड भारत के राज्य विविधता में एकता की संस्कृति लिए है। उन्होंने राज्यों के नामकरण में निहित संस्कृति और उनकी विशेषताओं की चर्चा करते हुए कहा कि हर राज्य भारत की श्रेष्ठ संस्कृति से जुड़ा है। उन्होंने प्राचीन भारत के ज्ञान–विज्ञान और वैदिक संस्कृति से जुड़े सूक्ष्म पहलुओं की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि जो वैज्ञानिक खोजें पश्चिम के आधुनिक वैज्ञानिकों के नाम है, उनके बारे में हमारे वेद–पुराणों और भास्कराचार्य और उनकी पुत्री लीलावती ने पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा कि हमारा देश ज्ञान परम्परा की धरोहर लिए है। उन्होंने रियासतों के एकीकरण के बाद बने विभिन्न राज्यों की प्रगति को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इसमें वहां के नागरिकों की भी महती भूमिका रही है।

राज्यपाल ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत राज्यों के स्थापना दिवस मनाने को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राजभवन में इस तरह के आयोजन परस्पर संस्कृतियों के साझा संबंधों को दर्शाते हैं। राज्यपाल बागडे ने विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों से संवाद कर उनके बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीराज और प्रमुख विशेषाधिकारी राजकुमार सागर भी उपस्थित रहे।

राजस्थान हाईकोर्ट में तीन नवनियुक्त जजों ने ली शपथ

न्यायाधीशों की संख्या हुई 33, लेकिन 17 पद खाली

जोधपुर,27 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट में तीन नए जजों ने शपथ ली, जिससे कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 33 हो गई। यह शपथ ग्रहण समारोह जोधपुर में आयोजित हुआ, जहां मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव ने जज चंद्रशेखर शर्मा, प्रमिल कुमार माथुर और चंद्र प्रकाश श्रीमाली को शपथ दिलाई। ये तीनों जज 1992 बैच के न्यायिक अधिकारी हैं।

राजस्थान हाईकोर्ट में फिलहाल 50 जजों की स्वीकृत संख्या है, लेकिन वर्तमान में सिर्फ 33 जज कार्यरत हैं, यानी अब भी 17 पद रिक्त हैं। इस वर्ष जनवरी से लेकर नवंबर तक 5 जज रिटायर हो जाएंगे, जिनमें जस्टिस पंकज भंडारी, जस्टिस मदन गोपाल व्यास, जस्टिस बीरेंद्र कुमार, जस्टिस नरेंद्र ढड्ढा और जस्टिस मनोज कुमार गर्ग शामिल हैं।

हालांकि, हाल ही में अक्टूबर में तीन और जजों की नियुक्ति हुई थी, जिनमें 2 जज पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट से तथा 1 जज तेलंगाना हाईकोर्ट से थे।

नवनियुक्त जजों की शपथ के बाद, अदालतों में उनके द्वारा मामलों की सुनवाई की रूपरेखा जारी की गई है, जिसमें प्रमुख बेंचों की जिम्मेदारियां भी निर्धारित की गई हैं।

18वां जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 30 को

पुरस्कृत लेखकों और विचारकों के साथ कहानियों का जश्न

जयपुर,27 जनवरी (एजेंसियां)। 18वाँ जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल, होटल क्लार्क्स आमेर में 30 जनवरी, 2025 से साहित्य और कला के केंद्र के रूप में जगमगाने के लिए पूरी तरह तैयार है। शब्दों का उत्सव मनाने की परंपरा और दुनिया भर के लिटरेचर फेस्टिवल्स के सिरमौर के रूप में विख्यात, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल एक बार फिर सिद्ध करेगा कि आखिर क्यों यह फेस्टिवल लेखकों, बुद्धिजीवियों और दर्शकों को इतना प्रिय है। इस बार भी दुनिया भर की पुरस्कार विजेता हस्तियाँ इस फेस्टिवल का हिस्सा होंगी।

नोबेल और बुकर पुरस्कार से लेकर साहित्य अकादमी और पुलित्जर पुरस्कार की सूचियों के लेखक इस बार इस आयोजन का हिस्सा होंगे, जो विचारों और कहानियों की दुनिया को बदल डालने वाली ताकत और ज्ञान का जश्न मनाने के लिए गुलाबी शहर जयपुर में इकट्ठे हो रहे हैं।

साल 2019 के अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार के सह–विजेता अभिजीत बनर्जी, अपनी नई किताब छौंक पर बातचीत करेंगे, जिस में भारतीय भोजन, संस्कृति और समाज का एक अद्भुत वर्णन है। इसी पुरस्कार की सह–विजेता एस्थर डुफ्लो, अपनी प्रसिद्ध पुस्तक पुअर इकोनॉमिक्स के बच्चों पर केंद्रित संस्करण पुअर इकोनॉमिक्स फॉर किड्स को प्रस्तुत करेंगी। रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार विजेता वेंकी रामकृष्णन अमरत्व की खोज और उम्र बढ़ने के विज्ञान पर आधारित एक शानदार सत्र का हिस्सा होंगे। इसके अलावा एक विशेष लॉन्चिंग ईवेंट में कैलाश सत्यार्थी अपनी नई किताब दियासलाई के विमोचन में शामिल होंगे और इस सत्र की मेज़बानी वरिष्ठ साहित्यकार नमिता गोखले करेंगी।

व्यापारी की पत्नी की हत्या कर 25 लाख लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर,27 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर के ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में 24 जनवरी 2025 को हुई व्यापारी दिग्शन कन्नी के घर लूट और उनकी पत्नी कंचन देवी की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की। इस घटना में शामिल मुख्य आरोपी सन्नी चौधरी और उसके साथी रोहित कुमार को उत्तर प्रदेश के हाथरस से गिरफ्तार कर लिया गया है।

व्यापारी दिग्शन कन्नी की पत्नी कंचन देवी घर पर अकेली थीं, जब सन्नी चौधरी ने अपने रिश्तेदार रोहित कुमार और बुआ के लड़के सुनील के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। सन्नी चौधरी पहले व्यापारी के घर में नौकर था और उसे घर में रखे नकदी और अन्य सामानों की जानकारी थी।

आरोपी ने कंचन देवी को चाकू दिखाकर डराया और अलमारी तोड़कर उसमें रखे 24 लाख 30 हजार और मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। घटना के दौरान कंचन देवी ने विरोध किया, तो आरोपियों ने उनकी बेरहमी से हत्या कर दी।

आवासन मण्डल को सिरमौर बनाना हमारा कर्तव्य : वैभव गालरिया

जयपुर,27 जनवरी (एजेंसियां)। आवासन के क्षेत्र में आवासन मण्डल को सिरमौर बनाना हमारा कर्तव्य है। नवनियुक्त कार्मिक मण्डल के भविष्य की नींव हैं,उनके कौशल विकास और सशक्तिकरण से मण्डल की कार्यप्रणाली मजबूत होगी। यह कहना है नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया का। आवासन मण्डल द्वारा हाल ही में विभिन्न पदों पर नियुक्त किए गए 191 कार्मिकों का फाउंडेशन कोर्स सोमवार से ओटीएस में प्रारंभ हुआ। वैभव गालरिया ने इस अवसर पर नवनियुक्त प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिकों के पूर्ण जिम्मेदारी, पारदर्शिता और निष्ठा से अपने राजकीय दायित्वों का निर्वहन करने में यह फाउंडेशन कोर्स मील का पत्थर साबित होगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशानुरूप आवासन मण्डल का संकल्प है की आमजन को बेहतर आवास उचित दामों पर उपलब्ध करवाएँ, मण्डल के आगामी 3 दशक आपके हाथ में है इसलिए अपने ज्ञान की नींव में मेहनत की ईंटे लगाये और मन लगाकर इस कोर्स को समझते हुए पूर्ण करें।

इस अवसर पर आवासन आयुक्त डॉ रश्मि शर्मा ने कहा कि प्रशिक्षणार्थी सभी विधाओं में दक्ष बन स्पेशलिस्ट के साथ–साथ जनरलिस्ट भी बनें ताकि आने वाले समय में उन्हें फील्ड पोस्टिंग में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे

मुख्यमंत्री सैनी ने किसानों को दिया बड़ा तोहफा

चंडीगढ़,27 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों के हित में कदम उठाते हुए एक क्लिक से किसानों के बैंक खातों में 368 करोड़ रुपये की बोनस राशि जारी की है। सरकार का यह कदम न केवल सरकार की किसान–हितैषी नीतियों को प्रतिबिंबित करता है, बल्कि हरियाणा के किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

मुख्यमंत्री आज यहां हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज, विपुल गोयल, श्याम सिंह राणा, रणबीर गंगवा, श्रुति चौधरी और विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए खरीफ–2024 के दौरान प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण राज्य में उत्पादित की जा रही कृषि एवं बागवानी फसलों पर 2000 रुपये प्रति एकड़ बोनस देने का फैसला किया। अब तक कुल 1345 करोड़ रुपये की राशि किसानों को दी जा चुकी है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि तीसरे कार्यकाल के पहले विधानसभा सत्र में ही किसानों को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने 3 और महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। पट्टेदार किसानों और भूमि मालिकों के बीच विश्वास बहाल किया है। पहले भू–मालिकों और काश्तकारों के बीच में जमीन के कब्जे तथा मुआ–वजे इत्यादि को लेकर विवाद होते रहते थे। अब सरकार ने कृषि भूमि पट्टा एक्ट लागू करके, इन विवादों को जड़ से खत्म कर दिया है। साथ ही, शामलात भूमि पर 20 वर्षों से काबिज पट्टेदारों को उस भूमि का मालिकाना हक दिया है।

इसके अलावा, गांवों में पंचायती भूमि पर बने 500 वर्ग गज तक के मकानों पर काबिज लोगों को उनका मालिकाना हक दिया है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस किसानों के नाम पर राजनीति करती है। कांग्रेस के नेता बताएं कि उन्होंने किसान हित में क्या कदम उठाए। जबकि वर्तमान राज्य सरकार ने किसानों को समृद्ध बनाने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है, जहां सभी फसलों के दाने–दाने की खरीद एम.एस.पी. पर की जाती है। हमने किसानों को मंडी में अपनी फसल बेचने के लिए ई–खरीद एप्लीकेशन द्वारा घर बैठे ई–गेट पास बनाने की सुविधा दी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 18वीं किस्त के रूप में लगभग 342 करोड़ रुपये की राशि किसानों के बैंक खातों में डाली गई है। अब तक कुल 6,203 करोड़ रुपये की राशि डाली गई है।

उन्होंने कहा कि पराली के उचित प्रबंधन के लिए किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन यंत्रों पर अनुदान के रूप में 10,393 मशीनों के लिए 122 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई। किसानों के खेतों से गुजरने वाली हाई टेंशन बिजली की लाइनों के लिए मुआवजा नीति बनाई गई है। इसके तहत किसान को टावर एरिया की जमीन के लिए मार्केट रेट का 200 प्रतिशत मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है। लाइन के नीचे की भूमि के लिए भी किसानों को मार्केट रेट का 30 प्रतिशत मुआवजे का प्रावधान किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 100 दिनों में विकास कार्यों के लिए पंचायतों को 500 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। इसके अलावा, प्रदेश की गौशालाओं के लिए 216 करोड़ 25 लाख रुपये की चारा अनुदान राशि जारी की गई।

भाजपा सरकार द्वारा किसान और मजदूरों की अनदेखी : सैलजा

हिसार,27 जनवरी (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहाकि भाजपा सरकार उद्योगपतियों के करोड़ों रुपए के कर्ज माफ कर सकती है पर किसान और मजदूरों के कर्जे माफ करने से दूर भाग रही है, देश का अन्नदाता किसान मांगों को लेकर धरनारत है, सरकार उनकी अनदेखी की अन्नदाता का अपमान कर रही है। देर सवेर भाजपा सरकार को किसानों–मजदूरों की बात सुननी ही होगी, कांग्रेस देश के अन्नदाता किसान के साथ आज भी खड़ी है और कल भी खड़ी रहेगी। वे हिसार में अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। पंजाब सीएम को जान से मारने की धमकी पर उन्होंने कहा कि यह गंभीर और चिंता का विषय है, पंजाब के हालात संवेदनशील बने हुए है। हरियाणा और पंजाब में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है, कानून व्यवस्था का जनाजा निकल चुकी है, अपराधियों ने कानून की धज्जियां उड़ाकर रखी हुई है। हरियाणा के हर जिला में अपराध बढ़ा है, रोज हत्याएं हो रही है, सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह से विफल रही है। बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर दोनों राज्यों की सरकारों को जनता को जवाब देना होगा।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार को हर जिला में बिना किसी भेदभाव के काम करना चाहिए क्योंकि जनता काम की उम्मीद रखती है। सैलजा ने कहा कि प्रदेश में और केंद्र में भाजपा की ही सरकार है, अपने आप को डबल इंजन की सरकारें कहने वाले सरकारे कोई काम तो नहीं करा पा रही है। हरियाणा सरकार के सौ दिन के कार्यकाल को लेकर कुमारी सैलजा ने कहाकि इस सरकार ने सौ दिन में कोई ढंग का काम नहीं किया, भाजपा सरकारें केवल और केवल घोषणाएं ही करना चाहती है, उन्हें आज तक अमली जामा नहीं पहना पाई। ये भाजपा सरकार अपने पिछले दस सालों के काम तक नहीं गिना पा रही है। सरकार के काम केवल कागजों ही हो रहे है धरातल पर कुछ भी नजर नहीं आता।एक सवाल के जवाब में कुमारी सैलजा ने कहाकि शिक्षा और स्वास्थ्य सबसे अहम होते है पर सरकार इस ओर ध्यान ही नहीं दे रही है, अस्पतालों में न डॉक्टर है और न ही दवाएं है, स्कूलों में बच्चे है पर शिक्षक नहीं है और जहां शिक्षक है वहां पर बच्चे नहीं है, सरकारी स्कूलों पर ध्यान देने के बजाए सरकार प्राइवेट शिक्षण संस्थाओं को बढ़ावा दे रही है।

संकल्प पत्र में किए सभी वादों के लिए सरकार प्रतिबद्ध : बडौली

चंडीगढ़,27 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में नायब सरकार के 100 दिन का कार्यकाल पूरा होने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि इन 100 दिनों में नायब सरकार ने कई नायाब काम किए हैं। उन्होंने कहा कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उनकी सरकार ने 100 दिन में कई जनहित में महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बडौली ने कहा कि भाजपा जो कहती है वो करके दिखाती है। सरकार ने अपने वादे के अनुसार सबसे पहले 24 हज़ार युवाओं को रोज़गार दिया, अस्पतालों में मुफ्त डायलिसिस की सुविधा देने का निर्णय लिया। गरीब परिवारों को प्लाट वितरित किए गए, किसानों को 24 फसलों पर एमएसपी देने वाला पहला राज्य हरियाणा बना है। बडौली ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी ने प्रदेश हित और जनहित के लिए अपना संकल्प पत्र जारी किया था, उसी के मद्देनज़र नायब सरकार संकल्प पत्र के सभी वादों को पूरा कर रही है और अपने वादों पर खरा उतरते हुए भाजपा सरकार ने पहले 100 दिनों में ही प्रदेश के विकास के लिए कई एतिहासिक निर्णय लिए हैं।

पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा सरकार में युवाओं का विश्वास बढ़ा है। पिछले 10 वर्षों में युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के नौकरियां दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए हरियाणा की भाजपा सरकार बिना भेदभाव समान रूप से नॉन स्टॉप विकास कर रही है।

जब देश एक है तो कानून भी सभी के लिए एक ही होना चाहिए : अनिल विज

अम्बाला,27 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने उत्तराखंड सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता लागू करने पर खुशी जताते हुए कहाकि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री बहुत बड़ा माइलस्टोन स्थापित करने जा रहे हैं। उन्होंने कहाकि जब देश एक है तो कानून भी सभी के लिए एक ही होना चाहिए, जबकि यह बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था। इस संबंध में विज ने एक्स पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री उत्तराखंड के इस कार्य की सराहना भी की है। उधर, आज पत्रकारों से बातचीत के दौरान विज ने कहाकि समान नागरिक संहिता लागू करना बहुत बड़ा कदम है और वे उसकी पूरी तरह से सराहना करते है। उन्होंने कहा कि जब देश एक है तो कानून भी सभी के लिए एक ही होना चाहिए, यह बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था। मगर, पूर्व की सरकारें तुष्टीकरण की नीति पर चलती रही जिस कारण से यह नहीं हुआ, एक देश एक कानून होना चाहिए।

ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने डोमेस्टिक एयरपोर्ट अम्बाला छावनी से विमान सेवा प्रारंभ करने को लेकर गत दिवस हुई बैठक पर कहा कि डोमेस्टिक एयरपोर्ट जल्द प्रारंभ होगा और इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई है। वहीं, दिल्ली में आम आदमी पार्टी द्वारा वोटरों को पैसे देने के मामले में कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह तो आम आदमी पार्टी का कलचर है और यही कुछ वह करते आए हैं।

महाकुंभ पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह, लगाई संगम में डुबकी

सनातन संस्कृति की अविरल धारा का अद्वितीय प्रतीक

महाकुंभनगर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इसे एकता का महाकुंभ करार दिया। उन्होंने कहा, महाकुंभ सनातन संस्कृति की अविरल धारा का अद्वितीय प्रतीक है। यह हमारे सनातन जीवन-दर्शन और समरसता पर आधारित अखंड परंपरा को दर्शाता है। गृहमंत्री ने कहा, आज धर्म नगरी प्रयागराज में एकता और अखंडता के इस महापर्व में संगम स्नान करने और संतजनों का आशीर्वाद लेने के लिए उत्सुक हूं। प्रयागराज पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या, ब्रजेश पाठक और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने अमित शाह का भव्य स्वागत किया।

गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मठों, मंदिरों और अखाड़ों के संतों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संगम में पवित्र डुबकी लगाई। संत समाज ने उन्हें वैदिक विधि से स्नान करवाया और मां गंगा का पावन जल गृहमंत्री पर छिड़ककर पूजा-अर्चना कराई। स्नान के बाद गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ने संगम पर ही विशेष पूजा अर्चना की और संगम आरती में भी हिस्सा लिया। इस दौरान, गृहमंत्री अमित शाह के साथ उनकी पत्नी सोनल शाह, बेटे जय शाह और पुत्रवधु एवं पोतियों ने भी स्नान और पूजा पाठ में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृहमंत्री को कुंभ कलश भी भेंट में दिया, जबकि साधु संतों ने उन्हें माला पहनाई और चंदन व टीका लगाया।

भगवा वस्त्रों में गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ने जूना पीठाधीश्वर अवधेशानंद, निरंजनी पीठाधीश्वर कैलाशानंद और अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी, बाबा रामदेव समेत अन्य संतों के साथ संगम में डुबकी लगाई। संतों ने गृहमंत्री को वैदिक विधि से स्नान कराया और उन पर संगम का जल छिड़का। इसके बाद गृहमंत्री ने सूर्य को अर्घ्य भी दिया। इसके बाद तीर्थ पुरोहितों ने गृहमंत्री और मुख्यमंत्री की संगम स्थल पर ही विशेष पूजा अर्चना संपन्न कराई और फिर विशेष संगम आरती का भी आयोजन हुआ। संगम पर मां गंगा, यमुना और सरस्वती के जयकारे गूंजे। इस दौरान शाह परिवार के सबसे छोटे सदस्य को भी संतों का आशीर्वाद मिला। पूजा की वेदी पर मुख्यमंत्री योगी ने भी बच्चियों को दुलराया और उनसे हंसी ठिठोली की। इसके बाद हर हर महादेव के उद्घोष के बीच शाह और योगी ने मां गंगा और भगवान भास्कर को प्रणाम किया।

इससे पहले, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संगम में अरैल स्थित वीआईपी घाट से प्रवेश किया। दोनों नेताओं ने क्रूज की सवारी की। मां गंगा को प्रणाम किया। इसके बाद साइबेरियन पक्षियों को दाना भी खिलाया। क्रूज पर बने विशेष कक्ष में गृहमंत्री अमित शाह और सीएम योगी ने जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद, अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक महंत हरि गिरी और अध्यक्ष महंत प्रेम गिरी के साथ महाकुंभ पर विशेष मंत्रणा की। संगम स्नान के दौरान बाबा रामदेव और सतुआ बाबा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अलग से डुबकी लगवाई। संगम स्नान के बाद स्वामी रामदेव ने मुख्यमंत्री योगी का हाथ पकड़कर विशेष योगासन ताड़ासन भी कराया।

गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभनगर में अक्षयवट का भी दर्शन किया। मुख्यमंत्री ने गृहमंत्री की अगवानी की, जिसके बाद मुख्य पुजारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कराई। गृहमंत्री अमित शाह ने अक्षयवट की आरती उतारी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ पुष्प अर्पित किए। संत समाज के साथ गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ने अक्षयवट की परिक्रमा की और महाकुंभ की तैयारियों पर चर्चा की। अमित शाह ने अपने परिवार के साथ अक्षयवट की पूजा की। जिसमें उनकी पत्नी सोनल शाह, बेटे जय शाह, बहू और पोतियां भी शामिल थीं। पूजा के बाद शाह परिवार ने वृक्ष के सामने खड़े होकर ग्रुप फोटो भी खिंचवाई। इस अवसर पर अक्षयवट के नीचे संतों के साथ मिलकर महाकुंभ की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श भी किया गया।

लखीमपुर खीरी में धर्मांतरण का कारोबार, दो गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में ईसाई मिशनरियां धर्मांतरण में सक्रिय हैं। वो लोगों को चंगाई, लालच और डर दिखाकर ईसाई बना रही हैं। ताजा मामला नीमगांव थाना इलाके के बेजहम गांव का है, जहां ईसाई मिशनरी से जुड़े दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। यहां लोगों को जमजम पानी पिलाकर और एक बोरी चावल का लोभ देकर ईसाई बनाया जा रहा था। हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने मिशनरियों के खेल को उजागर किया और पुलिस को सूचित किया। इस मामले की एफआईआर की कॉपी के पास मौजूद है।

एफआईआर के मुताबिक, नीमगांव थाना इलाके के बेजहम गांव में बाबूराम नाम के व्यक्ति के घर में ईसाई धर्मांतरण का काम किया जाता है।

जहां बाबूराम ने रविवार 26 जनवरी को धर्मांतरण की नीयत ये काफी लोगों को अपने घर पर बुलाया था। उसके घर पर प्रमोद कुमार वाल्मीकि नाम का पादरी भी मौजूद था। बाबूराम शिकायतकर्ता युवक को ये कह कर अपने घर ले गया था कि उसकी तबियत ठीक हो जाएगी, क्योंकि उसके पास विशेष दवा है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि वहां पहुंचने के बाद बाबूराम और प्रमोद कुमार बाल्मीकि ने माथे से तिलक हटाने और अपने घर से देवी-देवताओं की मूर्तियों को हटाने की बात कही। दोनों लोगों पर ईसाई मजहब अपनाने का भी दबाव डाल रहे थे। वहां लोगों को एक बोतल पानी, एक बोरी चावल और और तेल देकर धर्मांतरित कराया जा रहा था। हमारे साथ भी ऐसी ही कोशिश हुई। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की।

इस मामले में नीमगांव की एसओ सुनीता कुशवाहा और बेहजम चौकी प्रभारी सिद्धांत पवार मौके पर पहुंचे और छापेमारी की।

मौके पर दर्जनों लोग मौजूद मिले और शुरुआती जांच में आर्थिक प्रलोभन देकर धर्मांतरण की भी पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया। घटना का खुलासा करने वाले हिंदू कार्यकर्ता सूर्यमणि मिश्र ने बताया, हमें लम्बे समय से यहां धर्मांतरण की शिकायत आ रही थी, पता चला था कि यहां गरीब लोगों को झांसा देकर ईसाई बनाया जा रहा है। सूचना मिलने पर अमन रस्तोगी समेत तमाम हिंदू कार्यकर्ताओं ने इस घटना का खुलासा किया और आरोपियों पर कार्रवाई करवाई।

रामलला ने तोड़े पुराने रिकार्ड, 25 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे

26 जनवरी से श्रद्धालुओं से भरी पड़ी है अयोध्या

अयोध्या, 27 जनवरी (एजेंसियां)। गंगा बड़ी न गोदावरी, तीरथ बड़ौ न प्रयाग, सबसे बड़ी अयोध्या नगरी, जहां राम लियो अवतार। इसी प्रचलित कहावत के मायनों को श्रद्धालुओं ने सिद्ध कर दिया है। गणतंत्र दिवस पर श्रद्धालुओं का अयोध्या में ऐसा रेला उमड़ा की हर कोई अचंभित रह गया। रामलला ने अपने पुराने रिकॉर्डों को तोड़ दिया। लाखों की संख्या में लोगों का जमावड़ा लगा हुआ है। जानकारी के मुताबिक पिछले 30 घंटे में लगभग 25 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन को पहुंच चुके हैं। इसमें बड़ी संख्या में अभी भी श्रद्धालुओं के आने का क्रम जारी है। श्रद्धालु रामलला और हनुमानगढ़ी मंदिर की तरफ ही रुख कर रहे हैं। संभावना जताई जा रही है कि आने वाली अमावस्या, बसंत पंचमी पर्व तक अयोध्या श्रद्धालुओं से खचाखच भरी रहेगी।

प्रयागराज के महाकुंभ को देखते हुए प्रदेश की योगी सरकार ने अयोध्या में पहले ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई थी। इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां अधिकारियों को स्पष्ट कर दिया था की अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की तकलीफ नहीं चाहिए। मुख्यमंत्री के निर्देशों का पालन करते हुए जिला प्रशासन लगातर नजर बनाए हुए है। भीड़ प्रबंधन को लेकर मण्डलायुक्त गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार व जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह, मैहर लगातर मेला क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। राम मंदिर में बैठक कर भीड़ के प्रबंधन का भी इंतजाम कर रहे हैं।

राम मंदिर को देखते हुए सरकार ने अयोध्या में सड़कों का चौड़ीकरण कराया। दिल्ली के कर्तव्य पथ की तरह अयोध्या में करोड़ों की लागत से रामपथ का निर्माण कराया गया, लेकिन संभावना से परे भीड़ पहुंचने के बाद रामपथ भी फुल हो गया। इसके अलावा राममंदिर को जाने वाला मार्ग जन्मभूमि पथ व हनुमानगढ़ी को जाने वाला भक्तिपथ और धर्मपथ पर श्रद्धालुओं का रेला उमड़ता जा रहा है। अयोध्या की सभी गालियां श्रद्धालुओं से पटी पड़ी हैं। राम मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए ट्रस्ट ने अंगद टीला से श्रद्धालुओं के निकास की व्यवस्था की थी, लेकिन भीड़ अप्रत्याशित होता देख तीन नम्बर गेट से भी निकासी का रास्ता खोल दिया गया है। हनुमानगढ़ी पर डेढ़ किमी लगी लंबी लाइन को देखते हुए नई लेन तैयार की गई है। भीड़ प्रबंधन को लेकर जिला प्रशासन की पहल से की गई कसरत काफी काम आ रहा है। बड़े वाहनों को मौनी अमावस्या को देखते हुए डायवर्जन किया जाना है। हालांकि अभी से अयोधया में वाहनों का प्रवेश बंद करा दिया गया है। ठहरने के लिए आश्रय स्थलों में 20 हजार लोगों के लिए व्यवस्था है। नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने बताया कि सभी पुख्ता इंतजाम किये गए हैं। चौक-चौराहों पर श्रद्धालुओं के स्वागत को सजावट भी कराई गई है। भीड़ को देखते हुए राम मंदिर और हनुमानगढ़ी पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। महिला पुलिस कर्मियों को भी उतारा गया है। सादी वर्दी में भी पुलिस संदिग्धों पर नजर रखे हुए है। ट्रैफिक कर्मी यातायात को नियंत्रित किए हुए हैं।

मुस्लिमों ने मजार पर किया अवैध निर्माण, फिर खुद ही तोड़ा

बरेली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक मजार पर अवैध पक्का निर्माण करवा दिया गया। रातों रात यहां पर सीमेंट का लेंटर डाल दिया गया। जब इस मामले में बरेली के सांसद ने शिकायत की तो प्रशासन ने जांच करके नोटिस भेज दिया। इसके बाद मुस्लिमों ने अवैध मजार को खुद तोड़ना चालू कर दिया।

बरेली के शाही थाना क्षेत्र में गणेशपुर में गांव में यह घटना हुई। यहां एक कब्रिस्तान के भीतर एक पुरानी मजार बनी हुई थी। यह मजार लगभग 30-40 साल पुरानी है। यहां के मुस्लिमों ने इसके चारों तरफ से 20 फीट ऊंचे पिलर रातों रात खड़े किए। इस पर जनवरी, 2025 में ही रातों-रात छत डाल गई। इस निर्माण कार्य के लिए ना प्रशासन की कोई अनुमति ली गई और ना ही उसे सूचना दी गई। यह पूरा मामला तब खुला जब बरेली के सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार इस गांव के पास से गुजरे। उन्होंने इस जगह को देख कर जानकारी इकट्ठा की।

इसके बाद उन्होंने प्रशासन से विषय में शिकायत की। एसडीएम ने इसके बाद मामले की जांच के आदेश दिए। प्रशासन जब जांच की तो निर्माण अवैध निकला। इसके बाद तुरंत इस निर्माण को तोड़ने के आदेश दिए गए। लेकिन यहां निर्माण को तोड़ने के लिए प्रशासन कोई कार्रवाई करता इससे पहले ही लोग तोड़ने लगे। मुस्लिमों ने यहां निर्माण में लगी बांस-बल्ली हटा कर सीमेंट के पिलर और छत तोड़ने चालू कर दिए।

अंतरिक्ष से दिखा महाकुंभ का विहंगम नजारा

आईएसएस से खींची गई तस्वीरें एस्ट्रोनॉट डॉन पेटिट ने साझा कीं

महाकुंभ नगर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक और मानवीय आयोजन महाकुंभ मेला को सिर्फ जमीन से ही नहीं बल्कि अंतरिक्ष से भी कैप्चर किया जा रहा है। इंटरनेशनल स्पेस सेंटर (आईएसएस) ने रविवार रात को अंतरिक्ष से महाकुंभ की आश्चर्यचकित कर देने वाली तस्वीरें कैद की हैं। इन तस्वीरों में महाकुंभ मेले का अद्भुत नजारा देखने को मिला। इसमें गंगा नदी के तट पर दुनिया का सबसे बड़ा

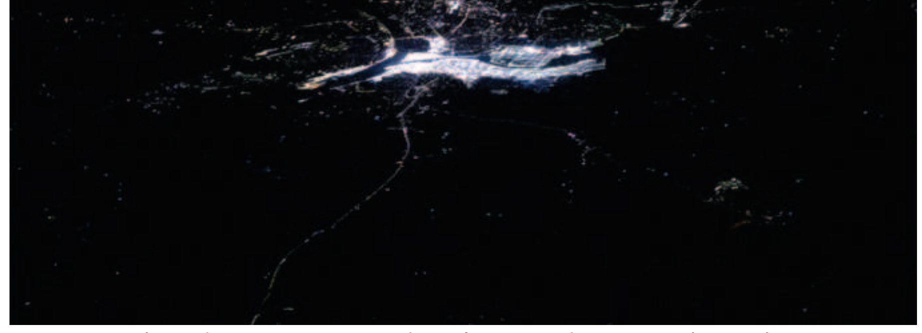

मानव समागम रौशनी से जगमगा रहा है। इन तस्वीरों को आईएसएस से एस्ट्रोनॉट डॉन पेटिट ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर शेयर किया है।

तस्वीरों में महाकुंभ मेले की भव्य रौशनी और विशाल मानव भीड़ ने गंगा नदी के किनारे को अनोखे दृश्य में बदल दिया। अंतरिक्ष से ली गई यह तस्वीरें पृथ्वी पर इस धार्मिक आयोजन की विशालता को दर्शा रही हैं। महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है, जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगा नदी में डुबकी लगाकर आध्यात्मिक शांति प्राप्त करते हैं। अब तक 13 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम स्नान कर इस सुखद और धार्मिक अनुभूति को महसूस कर सकें हैं तो वहीं यहां से आ रही तस्वीरों को देखकर पूरी दुनिया विस्मित है। अंतरिक्ष से ली गईं ये तस्वीरें महाकुंभ को लेकर पूरी दुनिया का ध्यान खींचने वाली हैं। डॉन पेटिट ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा है कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से खींची गई तस्वीरों में 2025 के महाकुंभ मेले का अद्भुत नजारा देखने को मिला। गंगा नदी के तट पर दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम रौशनी से जगमगा रहा था।

अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और केमिकल इंजीनियर डोनाल्ड रॉय पेटिट, जो अपनी कक्षा में खगोल-फोटोग्राफी और इनोवेशन के लिए मशहूर हैं, ने इन तस्वीरों को खींचा। पेटिट अंतरिक्ष में बनाई गई पहली पेटेंटेड वस्तु जीरो जी कप के आविष्कारक भी हैं। पेटिट विगत 555 दिनों से आईएसएस में हैं और 69 वर्ष की आयु में नासा के सबसे वृद्ध सक्रिय एस्ट्रोनॉट हैं।

मोदी ने एनसीसी रैली के जरिए युवाओं से 'एक देश एक चुनाव' की बहस में भाग लेने का किया आह्वान

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में सभी चुनाव एक बार में कराने के मुद्दे पर चल रही राष्ट्रीय बहस में भाग लेने का आह्वान किया और आजादी के अमृत काल में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया है।

श्री मोदी राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन-सीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लेने राजधानी में एकत्रित भिन्न राजयों के कैडेटों को सोमवार को संबोधित करते हुए युवाओं को अनुशासन के महत्व को समझाते हुए उन्हें हमेशा राष्ट्र निर्माण में जुटे रहने की भी प्रेरणा दी।

प्रधामंत्री ने इस वार्षिक एनसीसी-पीएम रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति हो, या देश... उसका सामर्थ्य तब बढ़ता है, जब वह अनावश्यक बाधाओं से पार पा लेता है। उन्होंने इस बात पर संतोष जताया कि भारत में युवाओं के सामने रहीं अनेक बाधाओं को बीते 10 वर्षों में हमने हटाने का काम किया है। इससे युवाओं का और देश का सामर्थ्य बढ़ा है।

उन्होंने कहा, देश में वन नेशन वन इलेक्शन (एक देश, एक चुनाव) के मुद्दे पर बहस चल रही है, लोग अपने अपने विचार रख रहे हैं। भारत के युवाओं से मैं आग्रह करता हूं कि आप जहां भी हों, इस डिबेट को आगे बढ़ाएं और बड़ी मात्रा में इस डिबेट में हिस्सा लें

क्योंकि ये आपके भविष्य से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि उसकी सरकार ने पिछले 10 वर्ष में युवाओं और देश की प्रगति की राह की बहुत सी बाधाओं को हटाया है जिससे उनका समर्थ बढ़ा है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत की आजादी के बाद लागू गणतांत्रिक व्यवस्था की अब तक की 75 वर्ष की यात्रा में देश के संविधान ने हर समय देश को लोकतांत्रिक प्रेरणा दी, नागरिक कर्तव्यों का महत्व समझाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि तरह एनसीसी ने भी भी हर समय भारत के नौजवानों को राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा दी और उन्हें अनुशासन का महत्व समझाया है।

श्री मोदी ने शिविर में शामिल कैडेटों के मध्यम से देश की युवा पीढ़ी को संबोधित करते हुए कहा, आप 21वीं सदी में भारत के विकास को, दुनिया के विकास को निर्धारित करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भारत के युवा सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समजा की शक्ति हैं। आज दुनिया इस बात को मान रही है।

उन्होंने कहा, इस अमृतकाल में हमें अपना एक ही लक्ष्य रखना है- विकसित भारत। हमारे हर निर्णय की कसौटी, हर हर कार्य की कसौटी विकसित भारत ही होनी चाहिए। इसके लिए हमें अपने पंच प्राणों को हमेशा याद रखना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के समक्ष प्राण... प्रस्तु किए है जिनमें उन्होंने लोगों को संकल्प दिलाया है कि - हमें विकसित भारत बनाना है। हमें गुलामी की हर सोच से मुक्ति पानी है। हमें अपनी विरासत पर गर्व करना है। हमें भारत की एकता के लिए काम करना है और हमें अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाना है।

श्री मोदी ने अपने संबोधन के प्रारंभ में सभी को एनसीसी दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शिविर में आए 18 मित्र देशों के भी करीब 150 कैडेट्स का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दिवस की परेड में किसी कैडेट का चुना जाना अपने आप में ही उपलब्धि है। इस बार की परेड इसलिए भी खास थी क्योंकि हमारे गणतंत्र ने 75 साल पूरे किए हैं।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस वर्ष गणतंत्र दिवस शिविर में एन-सीसी के कुल 2361 कैडेटों ने भाग लिया, जिसमें 917 बालिका कैडेट शामिल हैं। कैंप में अब तक की बालिका कैडेटों की सबसे बड़ी भागीद-ारी थी। एनसीसी-पीएम रैली में इन कैडेटों की भागीदारी के साथ राजधानी में एक महीने तक चलने वाले एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2025 का सफल समापन हुआ।

समापन कार्यक्रम में राष्ट्र निर्माण के प्रति एनसीसी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने वाला एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। एनसीसी रैली में देशभर से मेरा युवा (एमवाई) भारत, शिक्षा मंत्रालय और जनजातीय मामलों के 650 से अधिक स्वयंसेवक भी विशेष आमंत्रित के रूप में भाग लिया। इस बार की एनसीसी पीएम रैली का ध्येय वाक्य 'युवा शक्ति, विकसित भारत' रखा गया था।

मोदी ने ट्रंप से फोन पर की बातचीत, दोनों ने मिल काम करने की प्रतिबद्धता जताई

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बातचीत की और दोनों शीर्ष नेताओं ने दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी और भरोसेमंद साझेदारी के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की । श्री मोदी ने श्री ट्रम्प को ऐतिहासिक रूप से दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति पद संभालने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में इस बातचीत की जानकारी देते हुए कहा, मित्र राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से बात करके बहुत खुशी हुई। उन्हें उनके ऐतिहासिक दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी। हम पारस्परिक रूप से लाभकारी और भरोसेमंद साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपने लोगों के कल्याण और वैश्विक शांति, समृद्धि और सुरक्षा के लिए मिलकर काम करेंगे। श्री ट्रम्प ने अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति पद के अपने तीसरे चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद 20 जनवरी को दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। श्री ट्रम्प 2014 का चुनाव जीतने के बाद 2019 में अपना दूसरा चुनाव हार गए थे। इस बार वाशिंगटन में उनके शपथग्रण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने किया था।

रांची के रिम्स में सरस्वती पूजा पर लगाई रोक

मंत्री इरफान अंसारी का हुआ विरोध तो रोक हटी

रांची, 27 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के रांची स्थित राजेंद्र इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) में सरस्वती पूजा के आयोजन पर रोक लगा दी गई। कई दशकों से होते आ रहे इस आयोजन को रद्द करने को कहा गया। छात्रों को सभी तैयारियां बंद करने और चंदे का पैसा वापस करने का आदेश रिम्स प्रशासन ने जारी किया। रिम्स के ही एक बड़े डॉक्टर समेत बाकी लोगों ने जब मामला उठाया तो रिम्स को पीछे हटना पड़ा और उसने अनुमति दी।

रिम्स में हर साल सरस्वती पूजा का आयोजन छात्र मिल कर करते हैं। यह आयोजन एमबीबीएस दूसरे वर्ष के छात्र करते हैं। इस बार की सरस्वती पूजा आयोजन के लिए छात्रों ने लाखों का चंदा इकट्ठा करके सारे इंतजाम कर लिए थे। लगभग 70% काम हो चुका था। कई वेंडरों को भी पैसा दिया जा चुका था। हालांकि, इसी बीच रिम्स प्रशासन ने सरस्वती पूजा पर प्रतिबन्ध लगा दिया। रिम्स की डीन शशिबाला सिंह ने शनिवार 25 जनवरी को एक आदेश जारी करके पूजा को निरस्त करने को कहा। इस आदेश में रिम्स में मारपीट की एक घटना का हवाला दिया गया। यह घटना शुक्रवार 24 जनवरी को घटी थी जिसमें छात्र और कुछ बाहरी लोग आपस में भिड़ गए थे। रिम्स प्रशासन के इस आदेश पर छात्रों ने नाराजगी जताई।

रिम्स में न्यूरो सर्जन डॉक्टर विकास कुमार ने भी इस आदेश को लेकर आवाज उठाई। उन्होंने रिम्स प्रशासन को निशाने पर लिया। डॉक्टर विकास ने कहा, लगता है रिम्स में बैठे बड़े पद वालो से रिम्स संभल नहीं रहा है और अपनी कमी को छुपाने के लिए इस देश की सांस्कृतिक परंपराओं पर सीधा आघात किया जा रहा है, जो हर दृष्टि से निंदनीय है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर भाजपा ने भी सरकार को निशाने पर लिया। भाजपा झारखंड के मुखिया बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की साम्प्रदायिक सोच के चलते यह रोक लगी है। उन्होंने इसे धार्मिक विभाजन को बढ़ावा देने वाला बताया।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कानून व्यवस्था को देखते हुए रोक लगाई गई है। उन्होंने कहा कि छात्र हॉस्टल में ही सरस्वती पूजा मनाएं। मंत्री अंसारी ने आरोप लगाया कि बाबूलाल मरांडी भाईचारे को तोड़ रहे हैं। मंत्री के जोरदार विरोध के बाद रिम्स ने रोक का फैसला वापस ले लिया। इसकी जानकारी डॉक्टर विकास कुमार ने दी। विकास कुमार ने कहा, सरस्वती पूजा की इजाजत मिल गई है, प्रबंधन ने अपना फरमान वापस ले लिया है। गौरतलब है कि 2022 में रांची में हुए दंगों के दौरान 2 मुस्लिम पुलिस फायरिंग में मारे गए थे। इरफान अंसारी ने इन्हें शहीद का दर्जा, 50 लाख रुपए का मुआवजा और उसके परिजनों को सरकारी नौकरी देने की मांग की थी।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव: सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व न्यायाधीश जयश्री ठाकुर को स्वतंत्र पर्यवेक्षक नियुक्त किया

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने 30 जनवरी को होने वाले चंडीगढ़ मेयर के चुनाव 'स्वतंत्र एवं निष्पक्ष' तरीके से संपन्न कराने के लिए सोमवार को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति जयश्री ठाकुर को स्वतंत्र पर्यवेक्षक नियुक्त किया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मेयर कुलदीप कुमार की याचिका पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, हम इस संबंध में स्पष्ट कर सकते हैं कि इस न्यायालय को अधिकारियों की निष्पक्षता, स्वतंत्रता या निष्पक्षता पर कोई संदेह नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा हालांकि व्यक्त की गई आशंका को ध्यान में रखते हुए एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा गया था।

पीठ ने कहा कि पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति ठाकुर को स्वतंत्र पर्यवेक्षक नामित करने के लिए वर्तमान मेयर कुलदीप कुमार तथा चंडीगढ़ नगर निगम ने सहमति दे दी।

पीठ ने कहा, हम न्यायमूर्ति ठाकुर को स्वतंत्र पर्यवेक्षक नियुक्त करना उचित समझते हैं। चुनाव कार्यवाही पर्यवेक्षक की उपस्थिति में ही संचालित की जाएगी। चुनाव कार्यवाही की विधिवत वीडियोग्राफी की जाएगी।

शीर्ष अदालत ने निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिया कि वे स्वतंत्र पर्यवेक्षक से संपर्क करें तथा चुनाव की निर्धारित तिथि से पहले ही उसके साथ समन्वय स्थापित करें।

चंडीगढ़ के मेयर कुमार ने मतदान प्रक्रिया में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए 'गुप्त मतदान' के बजाय 'हाथ उठाकर मतदान' करने का निर्देश देने की मांग करते हुए इस याचिका के जरिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

उन्होंने 20 फरवरी तक चुनाव स्थगित करने से उच्च न्यायालय के इनकार के बाद शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी। उनका दावा था कि उस तारीख को उनका वास्तविक कार्यकाल पूरा हो जाएगा।

शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए निर्धारित तिथि पर होने वाले मतदान की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त करने का निर्णय लिया।

शीर्ष अदालत ने 20 फरवरी 2024 को विवादास्पद मतदान के परिणाम को पलटते हुए पराजित आम आदमी पार्टी -कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को मेयर घोषित किया था, जिसमें भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार अप्रत्याशित विजेता के रूप में उभरे थे।

शीर्ष अदालत ने तब कई दिनों की सुनवाई के बाद पूर्व रिटर्निंग अधिकारी अनिल मसीह के खिलाफ 'गंभीर कदाचार' का मुकदमा चलाने का भी आदेश दिया था।

समान नागरिक संहिता लागू करने का समय आ गया है : धनखड़

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता के लागू होने को शुभ संकेत करार देते हुए सोमवार को कहा कि पूरा देश के लिए समान नागरिक संहिता को अपनाने का समय आ गया है।

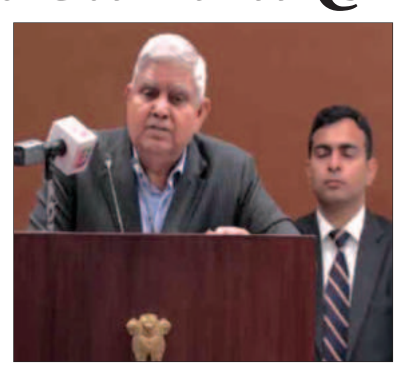

श्री धनखड़ ने उपराष्ट्रपति भवन में 'राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम' के प्रतिभागियों के पांचवें बैच को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन बहुत ही शुभ है कि उत्त-राखंड राज्य ने समान नागरिक संहिता को हकीकत बना दिया है। उन्होंने कहा , आज, एक बहुत ही शुभ संकेत हुआ है। और वह शुभ संकेत है, जो संविधान के निर्माताओं ने संविधान में, विशेष रूप से भाग - चार में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में कल्पना की थी और निर्देशित किया था।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने इन निर्देशक सिद्धांतों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करने का निर्देश दिया था। उनमें से कुछ को साकार किया गया है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 44 यह अनिवार्य और आदेश देता है कि पूरे भारत के क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता को सुरक्षित करने का प्रयास किया जाएगा। भारतीय संविधान को अपनाने के बाद से सदी की आखिरी तिमाही की शुरुआत हो गई है। देवभूमि उत्तराखंड ने समान नागरिक संहिता को वास्तविकता बना दिया है। एक राज्य ने यह कर दिखाया है।

उन्होंने कहा, मैं सरकार की दूरदर्शिता की सराहना करता हूँ.... संविधान निर्माताओं के सपने को साकार करने के लिए अपने राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए, और मुझे यकीन है कि यह केवल समय की बात है जब पूरा देश समान कानून अपनाएगा।

समान नागरिक संहिता के विरोध पर चिंता व्यक्त करते हुए श्री धनखड़ ने कहा, कुछ लोग, अज्ञानता के कारण, इसकी आलोचना कर रहे हैं। हम उस चीज़ की आलोचना कैसे कर सकते हैं जो भारतीय संविधान का आदेश है? उन्होंने कहा कि राजनीति ने कुछ लोगों के दिमाग में इतनी गहरी जड़ें जमा ली हैं कि यह जहर बन गई है। राजनीतिक लाभ के लिए, लोग बिना किसी चिंता के, एक पल के लिए भी राष्ट्रवाद को त्यागने में संकोच नहीं करते। उन्होंने कहा कि संविधान सभा की बहसों का अध्ययन किया जाना चाहिए और उच्चतम न्यायालय के संकेतों को देखा जाना चाहिए।

अवैध प्रवासियों से उत्पन्न सुरक्षा खतरे पर उप राष्ट्रपति ने कहा, हमें चुनौतियों को देखना होगा। और राष्ट्र के लिए चुनौती यह है कि लाखों अवैध प्रवासी हमारी भूमि पर रह रहे हैं। क्या यह हमारी संप्रभुता के लिए चुनौती नहीं है? ऐसे लोग कभी भी हमारे राष्ट्रवाद से जुड़े नहीं रहेंगे। वे हमारे स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सुविधाओं के संसाधनों का उपयोग करते हैं। मैं सरकार में सभी से अपेक्षा करता हूं कि वे इस पर गंभीरता से विचार करें। उन्होंने कहा कि अवैध प्रवासी लोकतंत्र के लिए खतरा हैं क्योंकि वे चुनावी प्रणाली को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। वे सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए भी खतरा हैं।

सर्दी में हो रहा वसंत का अहसास

असामान्य मौसम से जूझ रहा है कश्मीर

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 27 जनवरी।

धरती का स्वर्ग कश्मीर, जिसमें इसकी राजधानी श्रीनगर भी शामिल है, इस जनवरी में असामान्य मौसम पैटर्न से जूझ रहा है, क्योंकि तापमान 14 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो गया है, जिससे यह सर्दियों की तुलना में वसंत जैसा अधिक महसूस हो रहा है। नतीजतन मौसमी औसत से 6 से 8 डिग्री अधिक दिन के तापमान ने विशेषज्ञों के बीच चिंता बढ़ा दी है, जो इस घटना को बढ़ते शहरीकरण, अनियंत्रित प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभाव से जोड़ते हैं।

श्रीनगर में मौसम विभाग के निदेशक डॉ. मुख्तार अहमद ने बदलते मौसम पैटर्न पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, जनवरी में वास्तव में गर्मी जैसा महसूस होता है। यह बेहद असामान्य है, और इसके पीछे कई कारण हैं, क्षेत्र के तेजी से शहरीकरण से लेकर बढ़ते प्रदूषण स्तर और वाहनों की संख्या में उछाल तक। यह पहली बार नहीं है जब ऐसा तापमान दर्ज किया गया है। पिछले साल, जनवरी का तापमान भी इसी तरह असामान्य था। पिछले एक दशक में हमने मौसम के पैटर्न में भारी बदलाव देखा है, जिसमें सर्दियों का मौसम गर्म और कम अनुमानित होता जा रहा है। वर्षा में चिंताजनक गिरावट से मौसम की विसंगति और बढ़ गई है। पिछले साल जम्मू-कश्मीर में 81 प्रतिशत वर्षा की कमी हुई थी और इस सर्दी में अब तक 75 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है। लंबे समय तक सूखे की वजह से तापमान में वृद्धि हुई है।

श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी बरहम पाल ने इस विसंगति के वैज्ञानिक आधार के बारे में बताया। उन्होंने कहा, कार्बन मोनोऑक्साइड और अन्य प्रदूषकों के बढ़ते स्तर वातावरण में अवरोध पैदा करते हैं, जिससे नमी आवश्यक वायुमंडलीय परतों तक नहीं पहुंच पाती। नतीजतन, सूरज की किरणें सीधे मैदानी इलाकों को गर्म करती हैं, जिससे ये बेमौसम उच्च तापमान बन जाते हैं। पाल ने क्षेत्र की बदलती जलवायु के लिए वनों की कटाई को एक प्रमुख कारक बताया और कहा, हमने 28 दिसंबर को बर्फबारी देखी और उसके बाद थोड़ी देर के लिए बर्फबारी हुई, फिर भी वर्षा का स्तर चिंताजनक रूप से कम है। यह ग्लोबल वार्मिंग का एक स्पष्ट संकेतक है, जो बड़े पैमाने पर वनों की कटाई और मानव-प्रेरित गतिविधियों से और बढ़ गया है।

सामान्य से ज़्यादा गर्म सर्दी ने निवासियों को चिंतित कर दिया है, किसानों को फसलों पर इसके संभावित प्रभाव की आशंका है और पर्यावरणविदों ने जलवायु परिवर्तन की अनदेखी के दीर्घकालिक परिणामों की चेतावनी दी है। विशेषज्ञ नीति निर्माताओं से संकट को दूर करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह कर रहे हैं। प्रस्तावित उपायों में प्रदूषण पर अंकुश लगाना, शहरी फैलाव को नियंत्रित करना और चल रहे पर्यावरणीय परिवर्तनों को कम करने के लिए बड़े पैमाने पर वनीकरण परियोजनाएं शुरू करना शामिल है। निर्णायक हस्तक्षेप के बिना, जनवरी में अस्थायी वसंत जैसा लगने वाला मौसम स्थायी और अस्थिर वास्तविकता बन सकता है जो जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों की एक कठोर याद दिलाता है

छत्तीसगढ़ में ईसाई धर्मांतरण की दो घटनाएं हिंदू संगठनों ने पकड़ी

रायपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में हिंदू संगठनों ने दो अलग-अलग शहरों में चल रहे ईसाई धर्मांतरण रैकेट पकड़े। हिंदू संगठनों ने राजधानी रायपुर और बलरामपुर में प्रार्थना के नाम पर ईसाई धर्मांतरण के रैकेट का भंडाफोड़ किया। मामले में हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन भी किया। दोनों घटनाओं में 2 पादरियों समेत 7 लोग गिरफ्तार हुए हैं।

रायपुर में पंडरी थाना क्षेत्र के मितान विहार कॉलोनी में जबरन धर्मांतरण की जानकारी बजरंग दल समेत हिंदू संगठनों को मिली थी। इसके बाद वह उस घर में पहुंच गए जहां धर्मांतरण गतिविधियां करवाए जाने का आरोप लगाया गया था। यहां हिंदू संगठनों ने जय श्री राम के नारे लगाए। इसके बाद मौके पर कुछ पुलिसकर्मी भी पहुंचे। रायपुर के एसीपी लखन पटेल इसके बाद कई थानों की फ़ोर्स के साथ मौके पहुंचे। यहां उस घर से दस लोगों को निकाला गया, इनमें पुरुष, महिलाएं, बच्चे और एक नाबालिग शामिल थे। पुलिस ने कीर्ति कुमार केशवानी, महारथी बंजारे और जीवन लाल साहू नाम के तीन लोगों को हिरासत में लिया और बाद में जेल भेज दिया।

इस मामले में पुलिस ने छत्तीसगढ़ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धारा 4 के तहत एफआईआर दर्ज की है। हिंदू संगठनों का आरोप है कि इलाके में लंबे समय से धर्मांतरण हो रहा है। उन्होंने पादरी पर प्रार्थना की आड़ में कमजोर लोगों को प्रभावित करने का आरोप भी लगाया है।

धर्मांतरण की दूसरी घटना बलरामपुर जिले के वड्रफनगर ब्लॉक के सरुआत गांव में हुई। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि एक पादरी और उसके साथी ग्रामीणों को बीमारियों के इलाज और पैसे का वादा करके लालच दे रहे थे। इस मामले में उन्होंने पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस ने इसके बाद छापा मारकर धर्मांतरण वाले घर से एक पादरी सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इन के पास से बड़ी संख्या में बाइबिल, प्रचार सामग्री और राष्ट्रीय ईसाई संघ का एक पहचान पत्र भी जब्त किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, पादरी ने लोगों को इकट्ठा करने के लिए हीलिंग मीटिंग आयोजित की थी। पुलिस ने कहा है कि दोनों मामलों में जांच चल रही है। इन दो घटनाओं के साथ छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण का मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया है। पिछले कुछ सालों में, राज्य में धर्मांतरण के बड़े पैमाने पर मामले देखे गए हैं, इनमें मिशनरियों ने आदिवासियों सहित पिछड़े लोगों को लालच देकर धर्मांतरित करवाया है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली,27 जनवरी (एजेंसियां)। घरेलू सर्राफा बाजार लगातार दूसरे दिन मामूली गिरावट नजर आ रही है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये से लेकर 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 75,540 रुपये से लेकर 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 97,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 82,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 75,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 82,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 75,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स ने टीपी-लिंक के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने भारत में अपने नेटवर्किंग उपकरणों तथा स्मार्ट घरेलू उत्पादों के विनिर्माण के लिए अग्रणी वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड टीपी-लिंक के साथ साझेदारी की सोमवार को घोषणा की। दोनों कंपनियों के अनुसार इस रणनीतिक साझेदारी का मकसद कनेक्टेड डिवाइस के लिए भारत की बढ़ती मांग को पूरा करना तथा भारत में विनिर्मित इलेक्ट्रॉनिक को निर्यात बाजारों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करना है। इसमें कहा गया कि यह सहयोग टीपी-लिंक के मेक इन इंडिया दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्धता को और दूरसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के लिए वैश्विक केंद्र बनने के भारत के संकल्प को मजबूत करता है। इन उत्पादों का विनिर्माण ओईएल की सुविधा में किया जाएगा, जिसकी प्रति वर्ष 60 लाख उपकरणों के उत्पादन की क्षमता है। विज्ञप्ति में कहा गया कि यह सहयोग निर्यात बाजारों के लिए इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के विकास और विनिर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। इसमें कहा गया, ओईएल, टीपी-लिंक के लिए पावर एडॉप्टर, मैकेनिकल पार्ट्स और अन्य चीजें उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा। इस समझौते से आयात निर्भरता कम होगी और आपूर्ति पर बेहतर नियंत्रण मिलेगा।

चीन की विनिर्माण गतिविधियों में जनवरी में मंदी, क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 49.1 पर, दिसंबर 2024 में 50.1 था

हांगकांग। चीन की विनिर्माण गतिविधियों में जनवरी में मंदी दर्ज की गई है। यह मंदी का कारण मुख्य रूप से श्रमिकों के चंद्र नववर्ष की छुट्टियों के लिए अपने गृहनगर जाना माना जा रहा है।

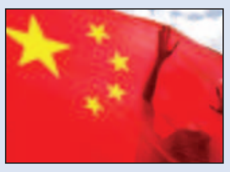

राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार कारखाना प्रबंधकों के सर्वेक्षण पर आधारित क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 49.1 पर आ गया, जो कि दिसंबर 2024 में 50.1 था। सूचकांक के 50 से ऊपर होने का मतलब है कि उत्पादन गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट दर्शाता है। नये ऑर्डर तथा उत्पादन में भी कमी आई है। गैर-विनिर्माण क्षेत्र के लिए समानांतर क्रय प्रबंधक सूचकांक दिसंबर के 52.2 अंक से फिसलकर जनवरी में 50.2 अंक पर आ गया है। ब्यूरो के एक वरिष्ठ सांख्यिकीविद् ने कहा कि कारखाना गतिविधियों में गिरावट अंशिक रूप से छुट्टियों के कारण है। उन्होंने बताया कि चीन में सबसे बड़ा त्यौहार चुंग जी का सार्वजनिक अवकाश है, जो मंगलवार से शुरू होगा और चार फरवरी तक जारी रहेगा। इसके दौरान लाखों नागरिक अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए शहरों से गांवों की ओर लौटते हैं। चीन की अर्थव्यवस्था ने 2024 में पांच प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ाई थी, जो कि मजबूत निर्यात और प्रोत्साहन के परिणाम है।

स्टेनलेस स्टील की मांग बढ़ाने बुनियादी ढांचा खर्च को मिले प्राथमिकता: जिंदल

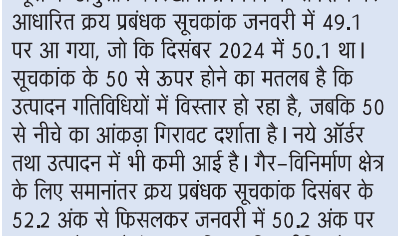

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस को उम्मीद है कि आगामी केंद्रीय बजट में स्टेनलेस स्टील क्षेत्र के विकास में बाधा बनने वाली प्रमुख चुनौतियों से निपटने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार से उम्मीद है कि वह स्टेनलेस स्टील उद्योग की कुछ प्रमुख आवश्यकताओं को पूरा करेगी, जिनमें जलमार्ग, रेलवे और तटीय परिवहन जैसे गतिशील बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना, आवश्यक कच्चे माल के आयात पर शून्य आयात शुल्क जारी रखना और सस्ते आयात से होने वाले नुकसान को रोकना शामिल है। केंद्रीय बजट 2025-26 से पहले जिंदल स्टेनलेस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि स्टेनलेस स्टील की मांग बढ़ाने के लिए, हम सरकार को बुनियादी ढांचे पर खर्च को प्राथमिकता देते रहने और अंतर्देशीय जलमार्ग, रेल बुनियादी ढांचे और तटीय परिवहन जैसे गतिशील बुनियादी ढांचे के विकास पर खास ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने इस उद्योग के लिए और भी कई सुझाव दिए, जैसे कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करना और आयात शुल्क पर बदलाव करना। जिंदल स्टेनलेस ने सरकार को स्टेनलेस स्टील उद्योग के उत्थान के लिए और भी कई कदम उठाने की सलाह दी है, जिससे घरेलू उद्योग मजबूत हो सके और भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में मदद मिल सके।

भारत के निर्यातकों की मजबूत स्थिति : अमेरिकी बाजार में छाया भारतीय सामान का जलवा

पिछले वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में, भारत का वस्तु निर्यात बढ़कर 59.93 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली,27 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में ट्रंप युग की शुरुआत हो गई हो और उन्होंने विभिन्न देशों, भारत सहित, पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी हो लेकिन भारत के निर्यातकों ने बजाय हर्जाने के अमेरिकी बाजार में अपनी मजबूती साबित की है।

नवंबर 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत ने अमेरिका को हर घंटे लगभग 80 करोड़ रुपए का सामान निर्यात किया है। इसका मतलब है कि भारतीय उत्पादों की मांग अमेरिकी बाजार में बढ़ रही है और निर्यात में वृद्धि हो रही है।

पिछले वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में, भारत का वस्तु निर्यात 5.57 फीसदी बढ़कर 59.93 अरब डॉलर पहुंच गया है, जो मौजूदा रुझान की मजबूती को दर्शाता है। इसके साथ ही दिसंबर में अमेरिका को भारत का निर्यात 8.49 फीसदी बढ़कर सात अरब डॉलर रहा है। भारतीय निर्यात में यह वृद्धि सकारात्मक संकेत देती है और भारत के भीतर उत्पादन की वृद्धि को प्रोत्साहित करती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में निर्यात के लिए अच्छे मौके हैं, जिससे भारतीय उत्पादकों के लिए नये दरवाजे खुल सकते हैं।

आगे चलकर, इस व्यापारिक संबंध का विस्तार होने की संभावना है और भारत और अमेरिका के बीच व्यापार में और बढ़ोतरी हो सकती है। इस रिपोर्ट से स्पष्ट हो रहा है कि भारतीय निर्यातकों की क्षमता और उत्पादन अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की मांग में भी वृद्धि दर्ज हो रही है। यह संकेत भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिका में बड़ी संभावनाएं दर्शाता है, जो आने वाले वर्षों में निर्यात में और वृद्धि को देख सकते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में 2024 में ऐतिहासिक वृद्धि

नई दिल्ली। 2024 में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेश प्रवाह में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की है। निवेश प्रवाह में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज करते हुए एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया ने बताया कि इक्विटी और इक्विटी-ओरिएंटेड योजनाओं में कुल निवेश 3.9 लाख करोड़ रुपए हुआ, जो 2023 के 1.6 लाख करोड़ रुपए से दोगुना बढ़कर अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि निवेशकों के बढ़ते विश्वास और दीर्घकालिक निवेश की ओर इशारा करती है। हालांकि, इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद 2025 के लिए बाजार में सतर्कता का माहौल देखा जा रहा है। जर्मिनेट इन्वेस्टर सर्विसेज के सह-संस्थापक और सीईओ संतोष जोसेफ ने दिसंबर में इक्विटी फंड प्रवाह में कमी का संकेत दिया है, जिसे बाजार में बढ़ती अस्थिरता के कारण देखा जा रहा है। जोसेफ ने कहा कि इतिहास गवाह है कि इक्विटी फंड्स में निवेश प्रवाह बाजार के प्रदर्शन से गहराई से जुड़ा होता है। जब बाजार में अनिश्चितता रहती है, तो निवेशक गतिविधि धीमी हो जाती है। उन्होंने इस प्रवृत्ति का कारण बाजार में बढ़ती अस्थिरता बताया और जोड़ा कि 2025 में नए फंड लॉन्च और इक्विटी फंड जुटाव में कमी देखने का संकेत मिल सकता है। इसके बावजूद दीर्घकालिक निवेशकों के लिए स्थिति उत्साहजनक है और विशेषज्ञों का मानना है कि जो बाजार में बने रहते हैं, वे स्थिरता आने पर इक्विटी मार्केट्स की संपत्ति सृजन क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में हुई इस वृद्धि ने दिखाया कि निवेशक आधुनिक और दीर्घकालिक योजनाओं को अधिक पसंद करने लगे हैं, पारंपरिक विकल्पों से हटकर।

मैक्रोटेक डेवलपर्स का अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कर्ज 12 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली,27 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय रियल एस्टेट बाजार में स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि उनकी कंपनी का शुद्ध ऋण अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 12 प्रतिशत घटकर 4,320 करोड़ रुपये रह गया है। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित आंकड़ों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने ब्रांड के तहत संपत्तियों का विपणन करने वाली मैक्रोटेक डेवलपर्स का शुद्ध ऋण चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही के अंत में 4,930 करोड़ रुपये था।

इसके बाद की चुनौतियों और संघर्षों के बारे में भी उन्होंने बात की।

शुद्ध ऋण चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही के अंत में 4,930 करोड़ रुपए था

उन्होंने बताया कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा है और उनकी उम्मीद भी वित्त वर्ष के समापन में मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही पूर्व-बिक्री मामले में हमारी अब तक की सबसे मजबूत तिमाही रही।

संग्रह के मामले में भी यह अब तक की सबसे अच्छी तिमाही रही। उन्होंने अपने भविष्य की योजनाओं और रणनीतियों के बारे में भी बात की और कहा कि महत्वपूर्ण व्यावसायिक विकास और मजबूत परिचालन प्रदर्शन के दम पर उनका शुद्ध ऋण करीब 600 करोड़ रुपये कम हो गया है और अब करीब 4,300 करोड़ रुपये का है। इसका ऋण समता अनुपात 0.22 है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संसद में पेश...

वाले संशोधनों को स्वीकार किया जा सकता है? चाहे संसद हो या जेपीसी, यह स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि कई चीजें थीं जिन पर वे सहमत थे और जिन पर उन्होंने अपनी राय दी थी। आज एक संशोधन पारित किया गया, पहले कलेक्टर को प्राधिकरण बनाया गया था लेकिन अब प्राधिकरण राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा, चाहे वह आयुक्त हो या सचिव। वक्फ पैनल में संसद के दोनों सदनों से 31 सदस्य हैं। इनमें एनडीए से 16, जिनमें भाजपा से 12, विपक्षी दलों से 13, वाईएसआरसीपी से एक, और एक नामित सदस्य शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 8 अगस्त 2024 को लोकसभा में पेश किए गए प्रस्तावित विधेयक की धारा 3 सी (2) में सरकार को यह तय करने का अधिकार देने की मांग की गई है कि वक्फ के रूप में दी गई सम्पत्ति सरकारी भूमि है या नहीं। जेपीसी ने भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए सांसदों के विधेयक में सुझाए गए सभी सुझाव स्वीकार कर लिए। विपक्षी सांसदों का आरोप है कि उनके सुझावों को नकार दिया गया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही है। वहीं समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि समिति द्वारा सुझाए गए बदलावों से बेहतर और प्रभावशाली कानून बनेगा।

विपक्षी सांसदों ने जेपीसी की बैठकों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया नष्ट होने का आरोप लगाया। टीएमसी सांसद और जेपीसी के सदस्य कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि जेपीसी बैठक के दौरान उनकी बात नहीं सुनी गई और जगदंबिका पाल तानाशाही तरीके से काम कर रहे हैं। उन्होंने पूरी प्रक्रिया को हास्यास्पद करार दिया। हालांकि जगदंबिका पाल ने विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि पूरी प्रक्रिया लोकतांत्रिक तरीके से हुई और बहुमत के आधार पर फैसले लिए गए।

विधेयक में जो अहम संशोधन प्रस्तावित हैं, उनमें से एक ये है कि मौजूदा कानून में प्रावधान है कि वक्फ सम्पत्तियों पर सवाल नहीं उठाए जा सकते, लेकिन प्रस्तावित विधेयक में इसे हटा दिया गया है। वक्फ बोर्ड की मनमानियों पर रोक लगाने के लिए लाए गए वक्फ संशोधन विधेयक-2024 के लिए गठित संसद की ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी ने इसके ड्राफ्ट में 572 संशोधन सुझाए हैं। इस बिल को पहले संसद के शीतकालीन सत्र में सदन में पेश किया गया था। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे संसद की पटल पर रखा था। इसके बाद 8 अगस्त को ही इसे जेपीसी को भेज दिया गया। इस दौरान तब से जेपीसी की टीम लगातार देश भर में मुस्लिमों से इसको लेकर उनकी राय जानने की कोशिश कर रही थी। उसी के आधार पर इसमें कुछ संशोधन सुझाए गए थे।वक्फ संशोधन विधेयक-2024 का मुख्य उद्देश्य वक्फ अधिनियम 1995 में संशोधन करके वक्फ की सम्पत्तियों का विनियमन और उसके प्रबंधन को दुरुस्त करना है। वक्फ बोर्ड भारतीय रेलवे और भारतीय सेना के बाद देश में सबसे बड़ा जमीन धारक है, जिसके पास 9 लाख एकड़ से भी अधिक जमीन है।

उत्तराखंड में लागू ...

संहिता को लेकर 2.33 लाख नागरिकों ने सुझाव दिए। 61 हजार पोर्टलों पर सुझाव मिले। 36 हजार सुझाव डाक से मिले। 1.20 लाख सुझाव दस्ती से आए। 24 हजार सुझाव ई-मेल से भी आए। समिति ने सऊदी अरब, तुर्की, इंडोनेशिया, नेपाल, फ्रांस, अजरबैजान, जर्मनी, जापान और कनाडा में लागू यूसीसी का गहन अध्ययन किया।

समिति ने बैठकों, परामर्शों, क्षेत्र के दौरे और विशेषज्ञों और जनता के साथ बातचीत के बाद मसौदा तैयार किया। इस प्रक्रिया में 13 महीने से अधिक का समय लगा। जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी पहली बैठक 04 जुलाई 2022 को दिल्ली में की थी। इसमें महत्वपूर्ण पहलुओं पर जुलाई 2023 में एक मैराथन बैठक में विचार-विमर्श किया गया और इसे अंतिम रूप दिया गया। कमेटी को समान नागरिक संहिता पर ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से करीब 20 लाख सुझाव मिले हैं। इनमें से कमेटी ने लगभग ढाई लाख लोगों से सीधे मिलकर इस मुद्दे पर उनकी राय जानी है।

प्रदेश में यूसीसी की घोषणा से कानून बनने तक का सफर जद्दोजहद से भरा रहा। 12 फरवरी 2022 को विधानसभा चुनाव के दौरान सीएम पुष्कर सिंह धामी ने यूसीसी की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में यूसीसी लाए जाने पर फैसला लिया गया। मई 2022 में सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समिति बनी। समिति ने 20 लाख सुझाव ऑफलाइन और ऑनलाइन प्राप्त किए और ढाई लाख लोगों से समिति ने सीधा संवाद किया। 02 फरवरी 2024 को विशेषज्ञ समिति ने ड्राफ्ट रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी। 06 फरवरी को विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश हुआ। 07 फरवरी को विधेयक विधानसभा से पारित हुआ। इसके बाद राजभवन ने विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति को भेजा। 11 मार्च को राष्ट्रपति ने यूसीसी विधेयक को अपनी मंजूरी दी।प्रदेश में यूसीसी लागू होते ही अब सभी धर्म-समुदायों में विवाह, तलाक, गुजारा भत्ता और विरासत के लिए एक ही कानून होगा। 26 मार्च 2010 के बाद से हर दंपति के लिए तलाक और शादी का पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम, महानगर पालिका स्तर पर पंजीकरण की सुविधा होगी। पंजीकरण नहीं कराने पर 25,000 रुपए का जुर्माना लगेगा। पंजीकरण नहीं कराने वाले सरकारी सुविधाओं के लाभ से भी वंचित रहेंगे। विवाह के लिए लड़के की न्यूनतम आयु 21 और लड़की की 18 वर्ष होगी। महिलाएं भी पुरुषों के समान कारणों और अधिकारों को तलाक का आधार बना सकती हैं। हलाला और इद्दत जैसी प्रथा खत्म होगी। महिला का दोबारा विवाह करने की किसी भी तरह की शर्तों पर रोक होगी। कोई बिना सहमति के धर्म परिवर्तन करता है तो दूसरे व्यक्ति को उस व्यक्ति से तलाक लेने और गुजारा भत्ता लेने का अधिकार होगा। एक पति और पत्नी के जीवित होने पर दूसरा विवाह करना पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा। पति-पत्नी के तलाक या घरेलू झगड़े के समय पांच वर्ष तक के बच्चे की कस्टडी उसकी माता के पास रहेगी। सम्पत्ति में बेटा और बेटी को बराबर अधिकार होंगे। जायज और नाजायज बच्चों में कोई भेद नहीं होगा। नाजायज बच्चों को भी उस दंपति की जैविक संतान माना जाएगा। गोद लिए गए, सरोगेसी से या असिस्टेड री प्रोडेक्टिव टेक्नोलॉजी से जन्मे बच्चे जैविक संतान माने जाएंगे। किसी महिला के गर्भ में पल रहे बच्चे के सम्पत्ति में अधिकार संरक्षित रहेंगे। कोई व्यक्ति किसी भी व्यक्ति को वसीयत से अपनी सम्पत्ति दे सकता है। लिव इन में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए वेब पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य होगा। युगल पंजीकरण रसीद से ही किराये पर घर, हॉस्टल या पीजी ले सकेंगे। लिव इन में पैदा होने वाले बच्चों को जायज संतान माना जाएगा और जैविक संतान के सभी अधिकार मिलेंगे। लिव इन में रहने वालों के लिए संबंध विच्छेद का भी पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। अनिवार्य पंजीकरण न कराने पर छह माह के कारावास या 25 हजार जुर्माना या दोनों का प्रावधान होगा।

नए मुख्य चुनाव...

राजीव कुमार के बाद ज्ञानेश कुमार सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त हैं, जिनका कार्यकाल 26 जनवरी 2029 तक है। 17 जनवरी को केंद्रीय कानून मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के तहत चयन समिति गठित की गई। यह संसद के बजट सत्र के दौरान 31 जनवरी से बैठक कर सकती है।

दिल्ली आ रहे ...

उन्होंने केजरीवाल को सलाह देते हुए कहा आरोप लगाने के बजाय उन्हें काम करना चाहिए। दिल्ली की जनता ने मन बना लिया है और वह उन्हें सबक सिखाएगी।

जसप्रीत बुमराह...

इस तरह वह रविचंद्रन अश्विन, अनिल कुंबले और कपिल देव की लिस्ट में शामिल हो गए।

बुमराह से पहले राहुल द्रविड़ (2004), गौतम गंभीर (2009), वीरेंद्र सहवाग (2010), रविचंद्रन अश्विन (2016) और विराट कोहली (2018) भी यह पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। बुमराह हालांकि, भारत के पहले तेज गेंदबाज हैं जिन्हें साल का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट खिलाड़ी चुना गया है।

मेरा डीएनए...

साथ कर्तव्य पथ पर परेड का हिस्सा बनने के बाद, उनका भारत दौरा महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रहा। राष्ट्रपति सुबिआंतो ने न केवल भारत के साथ रिश्तों को और मजबूत बनाने की बात की, बल्कि अपने डीएनए और संस्कृत के बारे में कुछ दिलचस्प विचार भी व्यक्त किए, जो इस दौरे को और भी खास बना गए। राष्ट्रपति सुबिआंतो ने 26 जनवरी को महात्मा गांधी की समाधि, राजघाट पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

शाम को राष्ट्रपति भवन में एक महत्वपूर्ण मुलाकात के दौरान, राष्ट्रपति सुबिआंतो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने एक दिलचस्प बयान दिया। राष्ट्रपति सुबिआंतो ने कहा कि उनका डीएनए भारतीय है। यह बयान उन्होंने भारतीय संस्कृति और भारत के साथ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को लेकर किया। उनका यह बयान काफी मायने रखता है, क्योंकि इससे यह साफ होता है कि वे भारतीय सभ्यता और संस्कृति के प्रति गहरी आस्था रखते हैं।

राष्ट्रपति सुबिआंतो का कहना था कि उनकी भाषाई, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक जड़ें भारतीय सभ्यता से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने संस्कृत भाषा को लेकर भी अपनी बातें साझा की, यह दर्शाता है कि भारत और इंडोनेशिया के बीच प्राचीन संबंधों की एक लंबी परंपरा रही है। संस्कृत भाषा का प्रभाव इंडोनेशिया के विभिन्न हिस्सों में देखा जा सकता है, और यह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कड़ी है, जो दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को सशक्त बनाती है। राष्ट्रपति सुबिआंतो ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका भारत दौरा दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए है।

उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कई पहलुओं पर चर्चा की, जिनमें व्यापार, निवेश, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पर्यावरण संरक्षण जैसी महत्वपूर्ण विषयों पर बात की गई।

इंडोनेशिया और भारत के बीच सदियों पुरानी सांस्कृतिक और व्यापारिक कड़ी रही है। भारत के साथ सांस्कृतिक संबंधों के कारण ही इंडोनेशिया में हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म के प्रभाव का अस्तित्व देखा जाता है। राष्ट्रपति सुबिआंतो ने यह भी उल्लेख किया कि दोनों देशों के बीच बढ़ते रिश्ते से एशियाई महाद्वीप में शांति और समृद्धि के प्रयास को बल मिलेगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 28 जनवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

एचवाईएमआईसी ने अग्रेसन बैंक को आईएसओ गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली प्रमाण पत्र प्रदान किया

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। एचवाईएम इंटरनेशनल सर्टिफिकेशन प्रा. लि. के प्रबंध निदेशक अलापति सिवैया ने अग्रसेन कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, हैदराबाद को आईएसओ 9001:2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली प्रमाण पत्र प्रदान किया और अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए नवीन कुमार अग्रवाल और उपाध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल को प्रमाण पत्र सौंपा।

कार्यक्रम में सी.वी. राव सीईओ आनंद अग्रवाल डीजीएम,प्रसाद गोलेगोंकर प्रबंधक और प्रधान कार्यालय से श्रीमती संतोष शर्मा प्रबंधक और अन्य स्टाफ के सदस्य उपस्थित थे। प्रमाण पत्र प्राप्त करते समय अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने श्री सिवैया से लेखापरीक्षा के निष्कर्षों के आधार पर बैंक को किन-किन क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है, इस पर चर्चा की और कहा कि बैंक गुणवत्तापूर्ण ग्राहक सेवा और सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं के लिए प्रतिबद्ध है। प्रमाण पत्र प्रदान करते समय श्री सिवैया ने बताया कि उन्होंने बैंक के बुनियादी ढांचे, आरबीआई ऑडिट रिपोर्ट की स्थिति और उसके अनुपालन, बोर्ड बैठकों के कार्यवृत्त, ग्राहकों की प्रतिक्रिया, आरबीआई के दिशानिर्देश, शुरू की गई। नई सेवाओं का विवरण, परिचालन मैनुअल, बैंक की उपलब्धियां आदि का मूल्यांकन किया है। श्री सिवैया ने आगे बताया कि बैंक ने सभी परीक्षणों/सत्यापनों में अर्हता प्राप्त की है और इसे आईएसओ 9001:2015 प्रमाण पत्र प्राप्त करने के योग्य पाया है।

बाबा गंगाराम जी की विशाल भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बाबा गंगाराम धाम- श्री पंचदेव मंदिर, झुंझुनूं के स्वर्ण जयंती वर्ष के अन्तर्गत, बाबा गंगाराम जी की विशाल भजन संध्या का आयोजन पवन डिडवानिया ने बंजारा हिल्स स्तिथ प्लैटिनम बैंकट हॉल में किया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर बाबा गंगाराम जी, भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन जी, माता गायत्री देवी जी, लक्ष्मी माता, श्री शिव परिवार, हनुमानजी तथा माँ दुर्गा सहित पंचदेव दरबार का अलौकिक श्रृंगार सजाया गया। श्रद्धालुओं ने मुंबई से पधारे प्रख्यात भजन गायक राकेश बावलियां के मधुर भजनों का आनंद उठाया। आगामी वर्ष 2025 में झुंझुनूं स्तिथ बाबा गंगाराम धाम, श्री पंचदेव मंदिर को 50 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं तथा 16 व 17 अप्रैल को झुंझुनूं मे दो दिवसीय विशाल महोत्सव होने जा रहा है। स्वर्ण जयंती वर्ष के चलते देशभर में भक्तों द्वारा इस वर्ष को स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है तथा विभिन्न प्रकार के सामाजिक एवं सेवा कार्य भक्तों द्वारा आयोजित किये जा रहे हैं। बाबा गंगाराम सेवा समिति हैदराबाद के सभी सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या में परिवार सदस्य तथा मित्रों ने बाबा गंगाराम जी का गुणगान किया तथा भजन संध्या उपरांत महाप्रसाद ग्रहण किया ।

आर्य कन्या विद्यालय में 76वां गणतंत्र दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 26 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल, देवीदीन बाग़, सुल्तान बाजार में 76वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि आला पुरुषोत्तम राव ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम शुभारंभ हुआ। राष्ट्रीय पर्व पर संदेश श्रीमती निर्मला संघी द्वारा दिया गया। विशेष अतिथियों में बद्री विशाल बंसल, श्रीमती निर्मला संघी और श्रीमती नंदनी अग्रवाल, लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण की ओर से उपस्थित रहे।

पूर्व कॉरपोरेटर रामचंद्र राजू ने भी भाग लिया।विद्यालय के विद्यार्थियों की ओर से रंगारंग कार्यक्रम पेश किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किया गया। नौवीं कक्षा का छात्र विपिन को क्रिकेट बैट प्रेक्टिस करने हेतु सौंपा गया।

भविष्य में नए-नए कीर्तिमान स्थापित करने की अपेक्षा व्यक्त किया गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ एम पी प्रताप रुद्र ने की। मंत्री प्रदीप जाजू ने अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापिका श्रीमती उमा तिवारी ने किया। श्रीमती निर्मला संघी और उनकी टीम ने सभी विद्यार्थियों को इस पर्व पर उपहार प्रदान किया। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कुंभ मेला अग्रवाल बंधु अशोक फाउंडेशन द्वारा प्रयागराज महाकुंभ में मेला क्षेत्र में सोमवार को भक्तों में अन्न सेवा की। इस अवसर पर अनंत विभूषित पूज्य महामंडलेश्वर श्री यतींद्रानंद गिरी जी महाराज तथा पुज्य श्रीमहंत राहुल दास जी महाराज का स्वागत व सम्मान किया गया। इस मौके पर पंकज कुमार अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल, महक अग्रवाल मृणाल, रमेश एवं अन्य भक्तगण उपस्थित थे।

श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में रामदेवरा दरबार मंदिर, शिवरामपल्ली में 25वें वार्षिकोत्सव के अन्तर्गत 30 जनवरी से 01 फरवरी तक आयोजित होने वाले श्री रामदेव बाबा अमृत कथा कार्यक्रम के लिए प्रसिद्ध समाज सेवी अमृत कुमार जैन को मुख्य यजमान के रूप में आमंत्रित करते हुए श्यामसुन्दर गिलडा, धर्मचन्द भंसाली एवं धर्माराम ढाका ।

मां दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अन्नदान कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट का अन्नदान कार्यक्रम सरकारी ई.एन.टी. अस्पताल कोठी में आयोजित किया गया ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में ट्रस्ट के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंदलाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रस्ट के मासिक अन्नदान कार्यक्रम में क़रीब 400 से ज़्यादा जरूरतमंदों में सेवा की गई।

उक्त अन्नदान में अस्पताल में रहने वाले मरीज़ों के सहायक एवं अस्पताल के स्टाफ की सेवा की गई । अन्नदान के प्रायोजक ट्रस्ट के अतिरिक्त प्रमोद कुमार राजेश कुमार अग्रवाल थे ।

अन्नदानम के पश्चात अस्पताल में ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें अगामी 23 फ़रवरी को सत्यम्, शिवम्, सुंदरम् गौशाला, गगन पहाड़ में गौ सेवा करने का निर्णय लिया । अन्नदान सेवा में अस्पताल के ब्लड बैंक की प्रभारी डॉ. लायन विजय लक्ष्मी उपस्थित थी ।

इस अवसर पर विनय किशोर तायल, मुकुंद लाल अग्रवाल, गोवर्धन अग्रवाल, विनोद कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, सूरज अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल, संतोष अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, नमिता अग्रवाल, संतोष गोयल, मधु गोयल, सपना तुलसियान, मंजू अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, डॉ. मनीषा राज, राधा अग्रवाल, आरती अग्रवाल आदि उपस्थित थे । ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर तायल एवं एडवोकेट हेमा मालिनी तायल ने उपस्थित सदस्यों का आभार प्रकट किया ।

गौरक्षादल ने 61 गोवंश को कटने से बचाया

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। काटने के मकसद से अवैध रूप से गाड़ियों में भरकर लाई जा रही गोवंश को गौरक्षा दल तेलंगाना, हिंदू वाहिनी, बजरंग दल और हिंदू तख्त के कार्यकर्ताओं ने ..गाय बचाओ.. विशेष अभियान के तहत कटने बचाया। ज्ञात हो कि यह अभियान सनातनी नव वर्ष से जारी है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रीय गौ रक्षा दल के महासचिव एवं टीटीडी के पूर्व गौ संरक्षक कोटी श्रीधर ने बताया कि गौरक्षकों ने गाड़ी नं. एपी 28 टीए 3489 में 61 गोवंश को चौटूऊपल पुलिस की सहायता से पकड़ा और जियागुड़ा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में छोड़कर गोवंश को जीवन दान दिया।

गुजराती फिल्म काशी राघव के प्रीमियर शो के अवसर पर फिल्म अभिनेत्री दीक्षा जोशी का अभिनंदन करती हुईं जया जागीरदार, कीनरि सावला, तेजल मिशेरि, धारीनि जागीरदार, रीता लापसिया, जया गड़ा, हेमा गड़ा, छाया मोता, तोरल लोडाया।

टीपीएफ, हैदराबाद द्वारा गणतंत्र दिवस पर स्वास्थ्य और पोषण शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ), हैदराबाद ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर जैन समुदाय में स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वास्थ्य और पोषण शिविर का सफलता-पूर्वक आयोजन किया।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार इस शिविर की शुरुआत साध्वीश्री डॉ. गवेषणा जी के मंगलपाठ से हुई । यह शिविर श्री स्थानकवासी जैन संघ (डीवी कॉलोनी) में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक आयोजित किया गया। जिसमें जैन तेरापंथ समुदाय के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस शिविर में प्रसिद्ध चिकित्सा विशेषज्ञों डॉ. तुषार चोपड़ा और डॉ.श्वेता मेहता ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

शिविर में नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श और स्वास्थ्य जाँच की गई। इस दौरान संतुलित पोषण और समग्र स्वास्थ्य के महत्व पर विशेष ध्यान दिया गया। सभी आयु वर्ग के लोगों ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया और अपनी सेहत को बेहतर बनाने के लिए व्यक्तिगत सुझाव प्राप्त किए।

टीपीएफ टीम ने सभी प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और शिविर को सफल बनाने के लिए समन्वय में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाई। स्वयंसेवकों ने सभी आगंतुकों के लिए एक स्वागतपूर्ण और सूचनात्मक वातावरण बनाने का प्रयास किया।

दक्त कार्यक्रम में नेशनल टीम से श्री ऋषभ दूगड़ और स्थानीय टीम से अध्यक्ष विरेंद्र घोषल, मंत्री निखिल कोटेचा, सह-मंत्री वर्षा बैद, शिखा सुराना की उपस्थिति रही।

शिविर का समापन सकारात्मक रूप में हुआ, जहाँ टीपीएफ ने भविष्य में भी इसी प्रकार के सामुदायिक कल्याण कार्यक्रमों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। शिविर में लगभग 41 प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लिया।

अत्तापुर में आयोजित श्री रामचरितमानस पाठ में विंध्याचल क्षेत्र (मध्यप्रदेश) से पधारे संगीतकार और कलाकार शिवप्रसाद पटेल। अवसर पर अनिल, सुनील कुमार, पाण्डेय कमलेश त्रिपाठी, शरदेंदु द्विवेदी, अलकेश मिश्रा, पुष्पेंद्र शुक्ला, शिवकुमार तिवारी, शिवनारायण त्रिपाठी, सुखसागर तिवारी, शीतला गौतम श्रीनारायण पाण्डेय, गोविन्द पाण्डेय, सोनू मिश्रा, संतोष पाठक, शशिनारायण द्विवेदी, प्रकाश शुक्ला, नीरज शुक्ला, योगेश पाण्डेय, रामपाल पाण्डेय, सतीश त्रिपाठी, संदीप त्रिपाठी, पैसुनी तिवारी, कुलदीप तिवारी, महन्त दर्शन दास महराज, राकेश शुक्ला, गोपाल महराज, राजू महराज, कर्ण सिंह आदि भक्तगण ने पाठ में भाग लिया।

तेलुगु भाषा प्रशिक्षण का पहला बैच का प्रशिक्षण पूर्ण

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। यूनियन भाषा सौहार्द इन्द्रधनुष योजना के तहत यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया, अंचल कार्यालय हैदराबाद, क्षेत्रीय कार्यालय पंजागुट्टा-हैदराबाद एवं क्षेत्रीय कार्यालय सैफाबाद-हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से तेलुगु भाषा प्रशिक्षण के पहले बैच का प्रशिक्षण पूर्ण किया गया। दिनांक 24 जनवरी 2025 को आयोजित कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को अंचल प्रमुख श्री कारे भास्कर राव ने प्रमाणपत्र और स्मृतिचिह्न प्रदान किया। केंद्रीय कार्यालय से ऑनलाइन माध्यम से जुड़ते हुए श्री विवेकानंद, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने प्रशिक्षण को पूरा करनेवाले स्टाफ सदस्यों को बधाई दी और प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए अंचल प्रमुख के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्री वी एस वी नागेश, उप महाप्रबंधक एवं श्री बी श्रीनिवास राव, मुख्य प्रबंधक (परिचालन) की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर तेलुगु शिक्षक श्री नागेश्वर राव एवं प्रशिक्षण प्रदाता संस्था 'हिन्दी प्रचार सभा हैदराबाद' के पदाधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के आयोजन में सुश्री तपस्विनी मोहंती (प्रबंधक) राजभाषा एवं सुश्री श्रृति पांडे सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने सहयोग प्रदान किया।

अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा, बंजारा हिल्स का गणतंत्र दिवस समारोह रविवार 26 जनवरी को प्रातः 11 बजे अग्रसेन चौक पर मनाया गया। जिसमें शाखा के अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल, सह मंत्री कैलाश अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, महिला समिति की संयोजिका माया अग्रवाल आदि उपस्थित थे। राष्ट्र गान के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

सुशील योगशाला दोमलगुडा में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सुशील जैन, निर्मल जैन, साहिल जैन, सोनाली जैन, मंजू जैन, नितिशा जैन, श्यामसुंदर, कैलाश, अजय, रिजवाना, सुनीता, माधुरी एवं अन्य उपस्थित थे।

गौ सेवा मित्र मंडल भाग्यनगर द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में श्री समर्थ कामधेनु गौशाला, जियागुड़ा में प्रभुदत्त महाराज द्वारा झंडावंदन किया गया। इस अवसर पर मनोज अग्रवाल, प्रदीप मोर, यश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, अजय गुप्ता, सुनील जयालिया, राहुल, विनय, गर्व एवं मंडल के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बटाला तेलंगाना पंजाबी एसोसिएशन (बीटीपीए) की प्रथम वार्षिक आम बैठक होटल रॉयल रेव में समपन्न हुई। संस्था के अध्यक्ष अनीश अग्रवाल ने सभी का स्वागत किया एवं सचिव सचिन गोयल ने संस्था की गतिविधियों पर विवरण दिया। संस्था के सभी सदस्यों ने बैठक में बढ़ चढ़कर भाग लिया। बैठक में राकेश बंसल, रोहित गुप्ता, संजीव अग्रवाल, नितिन अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मोजम्मजाही मार्केट स्थित आरोग्या अस्पताल में 76 वें गणतंत्र दिवस प्रतिवर्ष की भाँति परंपरागत तरीके सें संपन्न हुआ। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि जालंधर से पधारे प्रसिद्ध अस्थि रोग विशेषज्ञ शल्य चिकित्सक डॉ. सर्वेश्वर चन्द्र सूद एवं अन्य आमंत्रित अतिथिगणों के अभिनन्दन से हुई। मोहम्मद सलीम अहमद समारोह के सम्मानीय अतिथि रहे। आरोग्या अस्पताल की ओर से डॉ. श्यामसुन्दर अग्रवाल ने ध्वजारोहणकर्ता डॉ. सर्वेश्वर चन्द्र सूद और डॉ. महेश शर्मा नें मोहम्मद सलीम का पुष्पमाला से स्वागत किया। नन्हे मुन्हों की भागीदारी समारोह की विशेषता रही। आयोजकों की ओर से मास्टर अराहान और मास्टर अथर्व गुप्ता ने मास्टर अरफात और कृषिव नाराणिया का शॉल द्वारा अभिवादन किया। डॉ. सूद ने भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात तिरंगा फहराया।

हिन्दी महाविद्यालय में 76वाँ गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिंजराजका वैल्यू स्टील प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष दिनेश बिंजराजका उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ एनसीसी कैडेट की परेड द्वारा हुआ, जिसका निरीक्षण मुख्य अतिथि, प्राचार्या तथा प्रबंधन के सदस्यों द्वारा किया गया, तत्पश्चात इन सभी के द्वारा सामूहिक रूप से ध्वज फहराया गया तथा सामूहिक राष्ट्रगान हुआ।

सरस्वती पूजा समिति रामंतापुर द्वारा हर्षोल्लास के साथ 76वां गणतंत्र दिवस मनाया गया।

शारदा नगर कॉलोनी, वनस्थलीपुरम में उत्तर भारती नागरिक संघ द्वारा 76वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एन.के. सिंह, अध्यक्ष, नंद किशोर सिंह, राजशेखर शर्मा, लता शर्मा, एच. श्रीनिवास राव, लक्ष्मण राव, टिम्मा रेड्डी, श्रीनिवास शर्मा, एडवोकेट सुब्रमण्यन, डॉ. अप्पा राव, पी. सुरेश, सूर्यांश सिंह एवं अन्य उपस्तिथ थे।

हिंदी स्प्रिंग गच्चीबावली हैदराबाद में गणतंत्र दिवस मनाया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल अंगद राजपाल सिंह एवं वरिष्ठ नागरिकों ने झंडा रोहण किया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

विवेक वर्धिनी शिक्षण संस्था मेंहर्षोल्लास के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया है। ध्वजारोहण मुख्य अतिथि सुनील गानु द्वारा किया गया है।

सेवानिकेतन सिकंदराबाद में 76वां गणतंत्र दिवस मनाया गया।

राधे अलबेली सरकार सेवा समिति द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में गौ माता के लिए छप्पन भोग का आयोजन शिव मंदिर गौशाला, मलकपेट में किया गया। जिसमें गौ मित्र मंडल के मनोज अग्रवाल, प्रदीप मोर, यश अग्रवाल, सुनील जयालिया का स्वागत करते हुए सुभाष अग्रवाल, मिलन वर्मा, उमेश अग्रवाल, गर्व एवं मंडल के अन्य सेवादार उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज अत्तापुर पश्चिमांचल शाखा की ओर से 76 गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम डिलीश एंबीएंस फोर्ट के पास आयोजित किया गया। नरेश पचेरिया द्वारा झंडा वंदन कर राष्ट्रीयगान कर महाराज अग्रसेनजी की पुजा की गई तत्पश्चात अल्पाहार लिया गया।

साँझ के साथी की गणतंत्र दिवस काव्य संध्या भव्यता से सम्पन्न

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। साँझ के साथी की गणतंत्र दिवस काव्य संध्या हिन्दी प्रचार सभा नामपल्ली के सभागार में भव्यता से सम्पन्न हुई।

साँझ के साथी के सचिव नंदगोपाल भट्टड द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार, कवि डॉ. ऋषभ देव शर्मा ने की। साँझ के साथी के परामर्श मण्डल के सदस्य वेणुगोपाल भट्टड, साँझ के साथी के अध्यक्ष अजित गुप्ता, सचिव नंदगोपाल भट्टड, सह सचिव ज्योति नारायण तथा श्रुतिकांत भारती मंच पर विराजमान थे। सरस्वती पूजन के

पश्चात श्रीमती ज्योति नारायण की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अजित गुप्ता ने सभी का स्वागत करते हुए 76वें गणतंत्र दिवस की बधाई दी। उन्होंने साँझ के साथी का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताया कि वर्ष 2024 में साँझ के साथी द्वारा कुल 9 कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने भविष्य की योजन-ाओं के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष हैदराबाद के काव्य मंच के इतिहास तथा हैदराबाद में हिन्दी काव्य मंच की स्थापना में हिंदी कवियों के योगदान के विषय में जानकारी संग्रहित कर उसे पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने की योजना है। कार्यक्रम अध्यक्ष डाक्टर ऋषभ देव शर्मा तथा संस्था अध्यक्ष अजित गुप्ता का स्वागत अंगवस्त्र द्वारा किया गया। कवियित्री ज्योति नारायण के सुन्दर संचालन में विभिन्न विधाओं में, समसामयिक विषयों पर सुमधुर काव्य पाठ किया। सुप्रसिद्ध हास्य व्यंग्य कवि वेणुगोपाल भट्टड की चुटीली टिप्पणियों से सभागार बार-बार ठहाकों से गुंजायमान होता रहा। काव्य पाठ करने वालों में वेणुगोपाल भट्टड़, डॉ.ऋषभदेव शर्मा, अजित गुप्ता, नन्द गोपाल भट्टड़, ज्योति नारायण, रामकृष्ण पांडे, सुनीता लूल्ला, राजीव सिंह, वर्षा शर्मा, रेखा अग्रवाल, चम्पालाल बैद, वीणा प्रसाद, के पी अग्रवाल, गीता अग्रवाल, भारती अग्रवाल, सुरभि दत्त, मोहिनी गुप्ता, सत्यनारायण काकडा, शोभा देशपांडे, डॉक्टर मुमताज, सुधा ठाकुर, बलवीर सिंह, उमा सोनी, सविता सोनी, पुष्पा वर्मा, अंजनी कुमार गोयल, रूबी मिश्रा, देवा प्रसाद मायला, सत्य प्रसन्न एवं मंजू राठी ने काव्य पाठ किया ख इस कार्यक्रम की सफ़लता हेतु कैलाश भट्टड, प्रेम नारायण, जय काबरा ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया ख साँझ के साथी की सह सचिव ज्योति नारायण ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कुमावत समाज ट्रस्ट हैदराबाद निर्माणधीन भवन मैलारदेवपल्ली में गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर समाज के संगठन मंत्री तुलसाराम बाकरेचा, परार्मशदाता गेनाराम गोठवाल, पारसराम शंकरलाल एकलिया जस्साराम बाकरेचा, भियाराम मानणिया ने भाग लिया व राष्ट्रगान के साथ ध्वजारोहण किया।

हिंदी प्रचार सभा गणतंत्र दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 26 जवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद तथा सभा द्वारा संचालित मुफिद-उल-अनाम बालिका विद्यालय याकुतपुरा में गणतंत्र दिवस धूम-धाम से मनाया गया। सभा प्रांगण में सभा के अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव कवडे ने ध्वजा रोहण किया। इस अवसर पर सभा के प्रधान मंत्री एस. गैबुवली, परीक्षा मंत्री प्रो. सुरेश पुरी, कानूनी सलहाकार हाई कोर्ट के प्रमुख वकील जे. वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी, संचालन समिति सदस्य श्रीमती विजया वाघमोडे, तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा के अध्यक्ष के. रामचंदर, मंत्री ए.के. राजु, एस.बी.आई. के मैनेजर गोपाल और डिप्टी मैनेजर के. भरत कुमार एवं सभा के समस्त कार्यकर्ता आदि उपस्थित थे।

मुफिद-उल-अनाम बालिका विद्यालय में सभा के कानूनी सलहाकार हाई कोर्ट के प्रमुख वकील जे. वेंकटराम नरसिंह रेड्डी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर सभा के कानूनी सलहाकार हाई कोर्ट के प्रमुख वकील जे. वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी, अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव कवडे, प्रधान मंत्री एस. गैबुवली, परीक्षा मंत्री प्रो. सुरेश पुरी, संचालन समिति सदस्य श्रीमती विजया वाघमोडे, तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के अध्यक्ष के. रामचंदर, मंत्री ए.के. राजु, सभा के कार्यालय मंत्री के. वेंकटेश्वर, रजिस्ट्रार नामदेव वाघमोडे, सी. शिवलिंगम, माया पाण्डेय, सी. विनोद कुमार और मुफिद-उल-अनाम बालिका विद्यालय के अध्यापिकाएँ अलका, श्रद्धा, नंदा, रजनी आदि उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर नवभारत निर्माण संघ द्वारा प्रसिद्ध कवियित्री एवं प्रख्यात लेखिका सुषमा बैद को उनके घर जाकर झांसी रानी लक्ष्मी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध समाज सेवी श्री अमृत कुमार जैन, संघ के अध्यक्ष एस रवि कुमार, श्रीमती मीनाक्षी जैन, उमा माहेश्वरी श्रीनिवास, विमल कुमार एवं अन्य उपस्थित थे।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Rama Laxmi Devi W/o Mandla Srinivasulu R/o (V&T)-Bestawaripeta, (D)-Prakasam, (S)-A. P. - 523334, have Changed my name from Rama Laxmi Devi to Mandla Rama Lakshmi Devi, vide affidavit dt.27-1-2025 before Sec-Bad Court.

CHANGE OF NAME
I, M Bharat S/o Mandla Srinivasulu R/o (V&T)- Bestawaripeta. (D)-Prakasam, (S)-A. P. - 523334, have changed my name from M Bharat to Mandla Bharath, vide affidavit dt.27-1-2025 before Sec-Bad Court.

CHANGE OF NAME
I, VENKETSWARI Mother of Service No. 15707526N Nk SAITHANA V NAGANNA DORA, R/o.H.No.3-169, Vill:Kandarda, PithapuramMandal, Po: F K Palam, Dist:East Godavari, Andhra Pradesh-533450 have changed my name and DOB from VENKETSWARI, DOB:01-07-1971 to SAITANA VENKATESWARI, DOB:1-1-1973 vide affidavit dt:22-1-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, RAM BABU father of Service No. 15707526N Nk SAITHANA V NAGANNA DORA, R/o. H.No.3-169, Vill:Kandarda, PithapuramMandal, Po: F K Palam, Dist:East Godavari, Andhra Pradesh-533450 have changed my name from RAM BABU to SAITANA RAMBABU vide affidavit dt:22-1-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SUSHMAWATI Spouse of Service No. 14920159Y Ex Nk MATCHA MAHESWARA RAO, R/o.H.No.4-38-158/A, Plot No.B/563, Mohalla: Dheenabandu Colony, Kukatpally, Teh:Balanagar, Dist:MedchalMalkajgiri, Telangana-500037 have changed my name from SUSHMAWATI to MATCHA SUSHMAWATI vide affidavit dt:27-1-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, MADHURI DEVI Spouse of Service No.JC 705200M Sub/NUR ASST MANDIP KUMAR SINGH, R/o.Vill:Dhanoura, Po:Kothiya (Naraon), Dist:Saran, Bihar - 841216 have changed my name from MADHURI KUMARI to MADHURI DEVI vide affidavit dt:27-1-2025 before Smt.Zeenath Begum, Advocate and Notary, Karkhana Bazar, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, No. 6945562L NK MANOJ KUMAR CHATURVEDI of Admbn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my father Name is changed from SHIV MURAT CHATURVEDI to SHIV MURAT PRASAD CHATURVEDI and my mother name is changed from NAN BAI CHATURVEDI to NANBAI CHATURVEDI

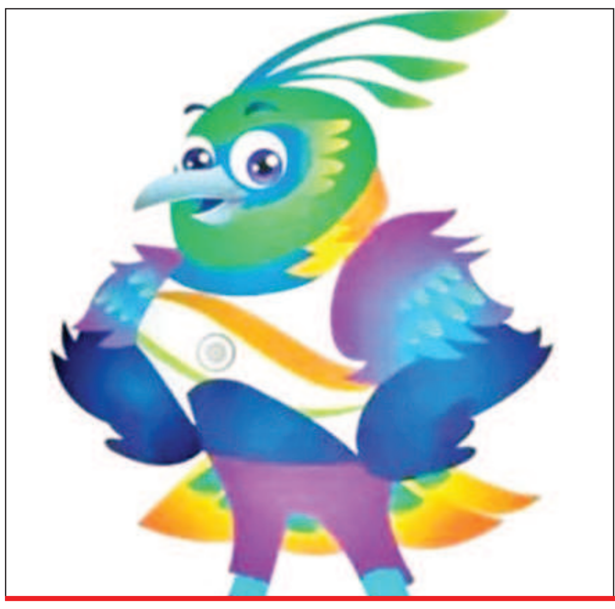

आईओए और एनजीओसी ने एथलीट सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन शुरू की

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और राष्ट्रीय खेल आयोजन समिति (एनजीओसी) ने उत्तराखंड में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेल-2025 के दौरान एथलीटों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष सुरक्षा टेलीफोन हेल्पलाइन की स्थापना की है। इस पहल का उद्देश्य खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों के लिए एक सुरक्षित और समावेशी वातावरण तैयार करना है।

चौबीसों घंटे उपलब्ध होगी हेल्पलाइन

आईओए की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा, यह हेल्पलाइन खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगी। यह खेलों के दौरान उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और अन्य प्रतिकूल घटनाओं को रोकने और हल करने में मदद करेगी।

सुरक्षा समिति की विशेष भूमिका

डॉ. उषा ने बताया कि इस पहल के तहत एक सुरक्षा समिति भी गठित की गई है। समिति की अध्यक्षता नीतल नारंग और दीपा मेहता कर रही हैं। यह समिति सुरक्षा संबंधी मुद्दों की रोकथाम के लिए काम करेगी और आने वाली शिकायतों पर गोपनीयता के साथ तेजी से कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

महिला प्रतिभागियों को मिलेगा विशेष समर्थन

सभी प्रतिभागियों के लिए सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं, लेकिन समिति विशेष रूप से महिला खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों के समर्थन पर ध्यान केंद्रित करेगी। डॉ. उषा ने कहा, यह पहल आईओए और एनजीओसी की खेलों में एक सुरक्षित और समावेशी माहौल बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

शिकायतों की गोपनीयता और जवाबदेही पर जोर

डॉ. उषा ने बताया कि सुरक्षा समिति घटनाओं का दस्तावेजीकरण करेगी, जवाबदेही सुनिश्चित करेगी और कदाचार को रोकने के लिए सक्रिय उपाय लागू करेगी। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य एक ऐसा भरोसेमंद खेल वातावरण तैयार करना है, जहां प्रतिभागी अपनी समस्याओं की रिपोर्ट कर सकें और उन्हें प्रभावी ढंग से हल किया जा सके।

राज्य संघों और महासंघों को जागरूकता बढ़ाने का निर्देश

राज्य ओलंपिक संघों और राष्ट्रीय खेल महासंघों से अनुरोध किया गया है कि वे इस पहल के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपनी टीमों के साथ हेल्पलाइन और अन्य संसाधनों के संपर्क विवरण साझा करें।

आईओए और एनजीओसी ने एथलीटों और अन्य प्रतिभागियों को इन संसाधनों का उपयोग करने और अपनी भलाई की रक्षा के लिए प्रोत्साहित किया है। यह पहल राष्ट्रीय खेलों में सुरक्षा और कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने पेशेवर करियर की धमाकेदार शुरुआत की

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने अपने पेशेवर मुक्केबाजी करियर की शानदार शुरुआत

करते हुए लास वेगास के कॉस्मोपॉलिटन में खेले गए मुकाबले में एल्टन विगिन्स पर पहले राउंड में स्टॉपेज के जरिए शानदार जीत दर्ज की। यह मुकाबला 25 जनवरी को डिएगो पचेको बनाम स्टीव नेल्सन अंडरकार्ड का हिस्सा था। निशांत, जो पहले ही एडी हर्न और मैचरूम बॉक्सिंग के साथ करार कर चुके हैं, को पूर्व पेशेवर मुक्केबाज रोनाल्ड सिम्स द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह जीत उनके उज्ज्वल भविष्य का संकेत देती है और भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक नया आयाम जोड़ती है। ओलंपिक और शौकिया करियर में बेहतरीन प्रदर्शन निशांत देव ने 2024 पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, वह मैक्सिको के मार्को वर्डे से मामूली अंतर से हार गए थे। पेशेवर मुक्केबाजी में कदम रखने से पहले, निशांत को अपनी पीढ़ी के भारत के सर्वश्रेष्ठ पुरुष शौकिया मुक्केबाज के रूप में जाना जाता था। 2023 आईबीए बॉक्सिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में उन्होंने क्यूबा के एक मुक्केबाज को हराकर इतिहास रच दिया था। वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बने। यह उपलब्धि उनकी क्षमता और कौशल को दर्शाती है। निशांत की यह जीत उनके समर्थकों और भारतीय खेल जगत के लिए गर्व का विषय है। उनके प्रदर्शन ने भारतीय मुक्केबाजी के लिए नई उम्मीदें जगाई हैं।

अंगूठे की चोट के साथ कुहनेमन ने पहला प्रशिक्षण सत्र पूरा किया

नई दिल्ली। मैट कुहनेमन ने स्वीकार किया कि उन्हें थोड़ी देर के लिए डर लगा था कि उनके अंगूठे की

चोट के कारण श्रीलंका दौरे पर जाने की उनकी उम्मीदें समाप्त हो सकती हैं, लेकिन टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम के गाले पहुंचने पर उन्होंने और स्टीवन स्मिथ ने पूर्ण प्रशिक्षण सत्र पूरा किया। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बाएं हाथ के स्पिनर कुहनेमन के दाहिने हाथ के अंगुठे पर इस महीने की शुरुआत में ब्रिसबेन हीट के लिए खेलते हुए चोट लग गई थी। वह सप्ताहांत में श्रीलंका में टीम के साथ फिर से जुड़ गए और दो मैचों की श्रृंखला के लिए द्वीप पर पहुंचने के बाद रविवार दोपहर का पहला पूर्ण सत्र पूरा किया। कार्यवाहक कप्तान स्मिथ, जिन्हें बीबीएल में कोहनी में मामूली चोट लगी थी, ने नेट पर बल्लेबाजी में उतना ही समय बिताया जितना किसी और ने बिताया और ऐसा नहीं लगा कि वे किसी परेशानी में हैं। हर टीम सदस्य ने वैकल्पिक सत्र में भाग लिया। स्पष्ट रूप से टर्निंग परिस्थितियों की तैयारी के लिए, ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर ने इस महीने की शुरुआत में एससीजी में टेस्ट डेब्यू पर मध्यम गति की गेंदबाजी के बजाय अपने करियर के शुरुआती दिनों की तरह दाएं हाथ की ऑफ स्पिन गेंदबाजी की। कुहनेमन अपने दाहिने अंगूठे पर ब्रेस पहनना जारी रखे हुए हैं और मेडिकल स्टाफ उनकी निगरानी करेगा। उनकी चोट स्मिथ की तुलना में ज़्यादा गंभीर लग रही है, लेकिन कुहनेमन 29 जनवरी से शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले पूरी तरह से फिट महसूस कर रहे हैं। कुहनेमन ने पहले प्रशिक्षण सत्र से पहले क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, मैंने घर पर कुछ सत्र किए और मैं स्पष्ट रूप से बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण तथा गेंदबाजी के अलावा हर चीज में सतर्क था, मुझे कोई समस्या नहीं हुई। कुछ साल पहले भी यही अंगूठा चोटिल हुआ था और यह वास्तव में दर्दनाक था, लेकिन यह शुरू से ही ठीक है। सर्जरी का इंतजार करते हुए, कुहनेमन ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि उन्हें श्रीलंका में अपने तीन टेस्ट कैप में कुछ और मौका मिलेगा या नहीं। 28 वर्षीय खिलाड़ी को 2023 में ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे के लिए देर से बुलाया गया था, और उसके बाद से उपमहाद्वीप के दौरे की कमी ने उन्हें आगे के अवसरों से वंचित कर दिया।

शिवम दुबे की भारतीय टीम में वापसी संभव, नीतीश रेड्डी और रिंकू सिंह चोटिल

मुंबई। इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारतीय टीम को बड़ा झटका

लग सकता है क्योंकि उभरते हरफनमौला खिलाड़ी नीतीश कुमार रेड्डी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण शेष मैचों से बाहर हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, रेड्डी को कम से कम चार सप्ताह के आराम और रिहैबिलिटेशन की जरूरत है, जिससे उनकी वापसी अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान ही संभव होगी। रेड्डी की अनुपस्थिति में, 31 वर्षीय शिवम दुबे को भारतीय टीम में बुलाए जाने की संभावना है। दुबे 28 जनवरी को राजकोट में खेले जाने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले टीम में शामिल हो सकते हैं।

इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 : चीन को रजत थाईलैंड और दक्षिण कोरिया का दबदबा

जकार्ता, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 रविवार को इस्तोरा सेनयान स्पोर्ट्स स्टेडियम में संपन्न हुआ। टूर्नामेंट में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां विभिन्न देशों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

चीन को मिश्रित युगल में रजत पदक

मिश्रित युगल फाइनल में चीन के गुओ झिनवा और चेन फांगहुई जापान के हिरोकी मिडोरिकावा और नात्सु सैतो के हाथों 21-15, 21-17 से हारकर स्वर्ण पदक से चूक गए। यह मुकाबला 34 मिनट तक चला, जिसमें जापानी जोड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाया।

पुरुष एकलः थाईलैंड के कुनलावुत ने जीता खिताब

पुरुष एकल फाइनल में थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न ने मेजबान इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-18 से हराया और खिताब पर कब्जा जमाया।

महिला एकलः थाईलैंड की रत्चानोक का दबदबा

थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन ने महिला एकल फाइनल में दक्षिण कोरिया की सिम यू-जिन को सीधे सेटों में 21-18, 21-17 से हराते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पुरुष युगलः मलेशिया ने जीता स्वर्ण

पुरुष युगल फाइनल में मलेशिया के मैन वेई चोंग और टी काई वुन ने इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद रियान अर्दियांतो को 21-11, 21-19 से हराकर खिताब जीता।

महिला युगलः दक्षिण कोरिया का शानदार प्रदर्शन

महिला युगल फाइनल में दक्षिण कोरिया की किम हये-जियोंग और कोंग ही-योंग ने इंडोनेशिया की पर्ली टैन और मुरलीधरन थिनाह को 21-12, 17-21, 21-18 से हराकर खिताब पर कब्जा किया।

इस टूर्नामेंट में थाईलैंड और दक्षिण कोरिया का दबदबा देखने को मिला, जबकि चीन और मेजबान इंडोनेशिया स्वर्ण पदक जीतने में असफल रहे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

अर्शदीप सिंह बने आईसीसी पुरुष टी20 इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024

दुबई। भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण तब आया जब बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को 'आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 चुना गया। 25 वर्षीय अर्शदीप ने 2024 में 18 टी20 मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 36 विकेट हासिल किए। यह उपलब्धि उन्हें न केवल भारतीय क्रिकेट में बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी सबसे प्रभावशाली तेज गेंदबाजों में से एक बनाती है। इससे पहले, अर्शदीप को रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या के साथ आईसीसी की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टी20 टीम में शामिल किया गया था। आईसीसी द्वारा जारी एक वीडियो संदेश में अर्शदीप ने इस सम्मान के लिए अपने कोच, खिलाड़ियों और स्पोर्ट्स स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार उनकी मेहनत और समर्थन के बिना संभव नहीं था। 2024 टी20 विश्व कप में अर्शदीप का प्रदर्शन भारत की सफलता की आधारशिला साबित हुआ। भारतीय टीम ने 17 वर्षों बाद यह प्रतिष्ठित खिताब जीता। जसप्रीत बुमराह के साथ अर्शदीप ने भारत के तेज आक्रमण का नेतृत्व किया और टूर्नामेंट में 17 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में अफगानिस्तान के फजलहक फारूकी के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान साझा किया। टी20 विश्व कप के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ अर्शदीप ने 9 रनों पर चार विकेट के शानदार आंकड़े दर्ज किए। फाइनल मुकाबले में, जहां भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से था, अर्शदीप ने निर्णायक भूमिका निभाई। क्विंटन डी कॉक का महत्वपूर्ण विकेट लेकर उन्होंने भारत की उम्मीदें बनाए रखीं। 19वें ओवर में जब दक्षिण अफ्रीका को 12 गेंदों में 20 रन चाहिए थे, अर्शदीप ने मात्र 4 रन दिए। हार्दिक पंड्या ने आखिरी ओवर में 16 रन डिफेंड कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई। अर्शदीप ने कहा, टी20 विश्व कप फाइनल में जीतना हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था। मैं भविष्य में भी ऐसे प्रदर्शन कर टीम को बेहतरीन नतीजे दिलाने की कोशिश करूंगा। यह पुरस्कार अर्शदीप की प्रतिभा और मेहनत का प्रमाण है और वह भारतीय क्रिकेट का चमकता सितारा बने हुए हैं।

एफसी बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को हराकर लगातार चौथी बार महिला सुपर कप जीता

मैड्रिड, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

एफसी बार्सिलोना की महिला फुटबॉल टीम ने अपना दबदबा कायम रखते हुए रविवार को रियल मैड्रिड को 5-0 से करारी शिकस्त दी और लगातार चौथी बार महिला सुपर कप का खिताब अपने नाम किया। बार्सिलोना, जो स्पेन की लीगा एफ में 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बनाए हुए है, ने मैच के हर क्षण में अपना वर्चस्व दिखाया।

गोल की बारिशः

मैच के 30वें मिनट में नॉर्वे की कैरोलिन ग्राहम-हैनसेन ने पहला गोल कर बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। इसके बाद 37वें मिनट में पोलिश फॉरवर्ड इवा पाजोर ने शानदार गोल करते हुए बढ़त को 2-0 कर दिया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में पाजोर ने एक और गोल कर बार्सिलोना को 3-0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने अपना आक्रमण जारी रखा। 62वें मिनट में पैट्री गुइजारो ने दूर से शक्तिशाली शॉट मारकर चौथा गोल किया। मैच के 85वें मिनट में कप्तान एलेक्सिया पुटेलस ने हेडर से गोल करते हुए स्कोर 5-0 कर दिया। यह स्कोर अंत तक बरकरार रहा।

बार्सिलोना का दबदबा जारीः

यह जीत बार्सिलोना की महिला टीम के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। लगातार चार महिला सुपर कप खिताब जीतकर बार्सिलोना ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और टीमवर्क का परिचय दिया है।

रियल मैड्रिड पर एकतरफा जीतः

मैच के दौरान बार्सिलोना ने न केवल अपने आक्रमण को मजबूती से प्रदर्शित किया, बल्कि रियल मैड्रिड को कोई मौका नहीं दिया। यह जीत बार्सिलोना के महिला फुटबॉल में प्रभुत्व को और मजबूत करती है।

बार्सिलोना की यह जीत उनके फैंस और क्लब के लिए एक और यादगार क्षण साबित हुई। अब टीम अपने आगामी मुकाबलों के लिए पूरी तरह तैयार है।

जकार्ता में इंडोनेशियाई मास्टर्स बैडमिंटन विजेता

जकार्ता में इंडोनेशियाई मास्टर्स बैडमिंटन में विजेता दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी किम हेयी जियांग और कोंग ही योंग रनर अप व अन्य खिलाड़ियों के साथ पोज देती हुई।

अजीजनगर मोइनाबाद मंडल में सॉवरेन स्पोर्ट्स स्पेक्टेकल प्रतियोगिता (तैराकी, टेनिस, स्क्वैश, घुड़दौड़) के विजेताओं को एचपीआरसी अध्यक्ष चैतन्या आर. कुमार ने प्रमाण पत्र प्रदान किया। जिसमें दो दर्जन से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। चित्र में एचपीआरसी उपाध्यक्ष कुंवर साई विजेंद्र सिंह और नीता कुमार इनहैबिट संस्थापक व अन्य उपस्थित थे।

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट राउंड 8ः प्रज्ञानानंद और गुकेश के बीच मुकाबला ड्रॉ

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के आठवें दौर में विश्व चैंपियन डी गुकेश के साथ रोमांचक मुकाबले में ड्रॉ खेला। बर्लिन डिफेंस में सफेद मोहरों से खेलते हुए, प्रज्ञानानंद ने एक अनुकूल स्थिति बनाई, लेकिन गुकेश ने अपने बेहतरीन बचाव से खेल को बराबरी पर बनाए रखा।

खेल के दौरान गुकेश ने काउंटरप्ले को आगे बढ़ाने के लिए एक मोहरे की बलि दी। हालांकि प्रज्ञानानंद ने इसका लाभ उठाने की कोशिश की, लेकिन खेल बराबरी के करीब बना रहा।

जैसे ही रानियों का आदान-प्रदान हुआ, खेल एक रूक और प्यादों के अंतिम गेम में पहुंचा, जहां गुकेश ने शानदार रणनीति अपनाते हुए एक बाहरी पास मोहरा बना लिया। प्रज्ञानानंद के पास इसे रोकने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। 33 चालों के बाद मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

इस ड्रा के साथ प्रज्ञानानंद और गुकेश दोनों 5.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर बने रहने की संभावना है।

वहीं, दूसरे ओवरनाइट लीडर उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने भी स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव के साथ ड्रॉ खेला, जिससे वह भी शीर्ष स्थान पर बने रहेंगे।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शनः

ग्रैंडमास्टर पी. हरिकृष्णा ने डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेला। रुई लोपेज़ के आर्केंजेल्स्क वेरिएशन में खेले गए इस मुकाबले में शुरुआती मध्य खेल के बाद दोनों खिलाड़ियों ने बराबरी पर खेल को खत्म किया। हरिकृष्णा के अब 4 अंक हैं, जबकि गिरी ने लगातार सातवां ड्रॉ खेलते हुए 3.5 अंक जुटाए।

अर्जुन एरिगैसी ने सर्बिया के एलेक्सी सराना के साथ ड्रॉ खेला, जबकि लियोन ल्यूक मेंडोंका ने हॉलैंड के जॉर्डन वैन फॉरेस्ट के खिलाफ भी ड्रॉ निकाला। अर्जुन, मेंडोंका से आधे अंक पीछे हैं।

संविधान की रक्षा के लिए राहुल गांधी के साथ मिलकर लड़ रहे हैं : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद/इंदौर, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान की रक्षा के लिए राहुल गांधी के साथ मिलकर लड़ रही है।मध्य प्रदेश के इंदौर में सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आयोजित जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली में बोलते हुए रेवंत रेड्डी ने राष्ट्र के लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने के लिए इस संघर्ष के महत्व पर जोर दिया।

रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि यह महज एक चुनावी रैली नहीं है, बल्कि दो विचारधाराओं के बीच युद्ध है - संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध और इसे बदलने का प्रयास करने वाले।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पदभार ग्रहण करने के बाद से संविधान को बदलने के लिए लगातार प्रयास करने का आरोप लगाया और उनके कार्यों की तुलना शोषण के ऐतिहासिक उदाहरणों से की।

रेवंत रेड्डी ने कहा, राहुल गांधी ने इन खतरों को पहले ही पहचान लिया था और संविधान की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई में दृढ़ रहे हैं। उन्होंने मोदी और महमूद गजनवी के बीच तुलना करते हुए दावा किया कि मोदी संविधान को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके प्रयास अंततः विफल होंगे।

उन्होंने कहा कि जिस तरह महात्मा गांधी ने देश को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराया, उसी तरह राहुल गांधी भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिए मजबूती से खड़े हैं, जिसे मैं 'ब्रिटिश जनता पार्टी' कहता हूं। राहुल गांधी इन ताकतों के खिलाफ प्रतिरोध के प्रतीक हैं।

रेवंत रेड्डी ने मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य को दो परिवारों- गांधी परिवार और गोडसे परिवार के बीच की लड़ाई के रूप में पेश किया। उन्होंने आग्रह किया, मोदी गोडसे परिवार की विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि राहुल गांधी गांधी परिवार के मूल्यों के लिए खड़े हैं। हम सभी को इस लड़ाई में राहुल गांधी के साथ एकजुट होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने संविधान की रक्षा और महात्मा गांधी और डॉ. बी.आर. अंबेडकर के दृष्टिकोण को बनाए रखने के लिए राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की आवश्यकता पर जोर दिया।

यहां एक बयान के अनुसार, उन्होंने नागरिकों से देश के लोकतांत्रिक भविष्य के लिए इस महत्वपूर्ण लड़ाई में एकजुट होने का आह्वान किया।

बंडी संजय ने केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं का नाम बदलने के खिलाफ दी चेतावनी

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने दोहराया कि अगर राज्य सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना और गरीब कल्याण योजना जैसी अपनी कल्याणकारी योजनाओं के नाम बदल देती है तो केंद्र सरकार चुप नहीं बैठेगी।

उन्होंने कहा कि अगर इस तरह के बदलाव किये गये तो राज्य सरकार को दरकिनार कर केंद्र इन योजनाओं को सीधे लागू कर देगा।संजय ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अपने ब्रांडिंग प्रयासों के साथ तालमेल बिठाने के लिए पीएम आवास योजना और गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी प्रमुख केंद्रीय योजनाओं के नाम बदल रही है।

संजय ने तेलंगाना सरकार की इस बात के लिए आलोचना की कि वह केंद्रीय कल्याण योजनाओं के आधिकारिक नामों का इस्तेमाल नहीं कर रही है, बल्कि इसके बजाय इंदिरम्मा आवास योजना और अन्य जैसे नामों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने चिंता जताई कि इस कदम से गरीबों के साथ अन्याय हो सकता है, लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र यह सुनिश्चित करेगा कि इन योजनाओं का लाभ इच्छित लाभार्थियों तक पहुंचे।

अपनी आलोचना के बावजूद, बंडी संजय ने तेलंगाना के विकास के लिए केंद्र के निरंतर समर्थन पर प्रकाश डाला, और दावा किया कि पिछले दशक में राज्य को 12 लाख करोड़ रुपये मिले हैं। उन्होंने गांवों में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और विकास परियोजनाओं की सफलता का श्रेय केंद्रीय पहलों के समर्थन को दिया, और राज्य सरकार से इन योजनाओं का नाम बदलने के बजाय लोगों तक इनका लाभ पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

सीताक्का ने तेलंगाना कल्याण योजनाओं का बचाव किया

भ्रामक टिप्पणियों के लिए केटीआर की आलोचना की

हैदराबाद , 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना की पंचायत राज, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानसारी अनसूया सीताक्का ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव की टिप्पणियों की कड़ी निंदा की और उन पर कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर अनावश्यक दहशत फैलाने का आरोप लगाया। सोमवार को जारी एक बयान में सीथक्का ने केटीआर के इस दावे को खारिज कर दिया कि कल्याणकारी पहलों से बाहर रखे गए गांव युद्ध के मैदान में बदल सकते हैं।

सीताक्का ने केटीआर के दावों का खंडन किया और सरकार के दृष्टिकोण का बचाव किया।

सीताक्का ने केटीआर के इस सुझाव का खंडन किया कि कल्याणकारी कार्यक्रम प्रति मंडल एक गांव तक सीमित थे, उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का चरणबद्ध दृष्टिकोण सभी पात्र गांवों में इन पहलों की शुरूआत सुनिश्चित करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई कल्याणकारी योजनाओं का उत्साह के साथ स्वागत किया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में उत्सव का माहौल बना हुआ है, और उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को इन कार्यक्रमों से लाभ मिले।

मंत्री ने केटीआर पर कल्याणकारी प्रयासों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया और चुनावी लाभ के लिए जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। सीताक्का ने मुफ्त बस यात्रा, मुफ्त बिजली और सब्सिडी वाले गैस सिलेंडर जैसी प्रमुख कल्याणकारी पहलों का उदाहरण देते हुए कहा कि ये लाभ बिना किसी भेदभाव के लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे हैं।सीताक्का ने इन कल्याणकारी योजनाओं के चरणबद्ध क्रियान्वयन के बारे में केटीआर की समझ पर भी सवाल उठाया और राजनीतिक संबद्धता से परे सभी पात्र नागरिकों को सहायता प्रदान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

इसके अलावा, मंत्री ने पिछली सरकार के अधूरे वादों पर चिंता जताई, जिसमें दलित आदिवासी परिवारों के लिए तीन एकड़ जमीन का प्रावधान, दलित बंधु और बीसी बंधु योजनाएं और गरीबों के लिए आवास में प्रगति की कमी शामिल है। उन्होंने पिछले प्रशासन के दौरान नए राशन कार्ड जारी करने और अन्य वादों की उपेक्षा करने के लिए केटीआर के नेतृत्व की आलोचना की।

सीताक्का ने तेलंगाना के लोगों से वास्तविक कल्याणकारी पहलों और राजनीतिक बयानबाजी के बीच अंतर करने का आग्रह किया और उन्हें आश्वस्त किया कि वर्तमान सरकार सभी नागरिकों के कल्याण और उत्थान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

हुसैन सागर झील में नावों में आग लगने के बाद लापता युवक की तलाश जारी

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के हुसैन सागर झील में रविवार रात दो नावों में आग लगने के बाद लापता हुए एक युवक की तलाश जारी है ।झील से सटे नेकलेस रोड स्थित पीपुल्स प्लाजा में भारत माता महा हरति कार्यक्रम के तहत झील में दो नावों से आतिशबाजी की गई, जिसमें चार लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनमें से एक की हालत गंभीर है।सोमवार तड़के एक युवक के परिवार ने पुलिस को सूचना दी कि उसका बेटा कल रात हुसैन सागर से लापता हो गया है।

युवक की पहचान अजय के रूप में हुई है। उसकी मां और परिवार के अन्य सदस्य सोमवार सुबह झील पर पहुंचे और अधिकारियों से उसे खोजने के लिए तलाशी अभियान शुरू करने की मांग की।आपदा प्रतिक्रिया बल के विशेषज्ञ तैराकों को तलाशी अभियान के लिए तैनात किया गया था। शहर के बाहरी इलाके नागरम के इंजीनियरिंग छात्र अजय ने अपनी मां को बताया था कि वह अपने दोस्तों के साथ टैंक बंड पर है।उसकी मां ने बताया कि उन्होंने रात करीब साढ़े आठ बजे उससे फोन पर बात की थी और उसने बताया था कि वह आधी रात के बाद घर लौटेगा।उसने बताया कि उसने रात 11 बजे के आसपास उसे फोन किया था, लेकिन फोन बंद था। उसने आधी रात के आसपास फिर से कोशिश की। अजय के एक दोस्त ने रात 2 बजे परिवार से संपर्क करके बताया कि वह लापता है।

अजय के दोस्तों के साथ परिवार के सदस्य अस्पताल गए ताकि पता चल सके कि वह घायलों में शामिल है या नहीं। जब उन्हें वह नहीं मिला तो उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। उन्हें संदेह है कि अजय आग लगने के बाद झील में कूद गया होगा।पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पटाखों में विस्फोट के कारण लगी आग की जांच जारी रखी है। घायलों की पहचान गणपति (22), के. साई चंद (20), चिनताला कृष्णा (47) और प्रणीत के रूप में हुई है। गणपति को गंभीर हालत में यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया। तीन अन्य को मामूली चोटें आईं और उन्हें गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गोशामहल में उस्मानिया अस्पताल के निर्माण के विरुद्ध प्रदर्शन

हैदराबाद, 27 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोशामहल क्षेत्र में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा प्रस्तावित एवं 31 जनवरी को उसका भूमि पूजन के विरोध में क्षेत्रीय निवासियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किये जा रहे हैं।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार गोशामहल पुलिस ग्राउंड जो 50 हजार निवासियों का क्षेत्र हैं और गोशामहल के बीचोबीच में बना हुआ है। इस जगह पर अस्पताल बनाने का सरकार का निर्णय क्षेत्रवासियों को चिंता में डाल दिया है। क्षेत्रीय निवासियों को डर सता रहा है कि अस्पताल के निर्माण से क्षेत्र में वायु प्रदूषण उत्पन्न होगा जिससे क्षेत्र के आसपास रहने वाले बुजुर्ग, महिलाओं और छोटे-छोटे बच्चों को अपनी चपेट में ले सकता है। विज्ञप्तिा में चिंता व्यक्त की गई कि गोशामहल पुलिस ग्राउंड जो प्लेग्राउंड भी है युवाओं को खेल-कूद से दूर कर देगा और क्षेत्र के युवा इससे महरूम हो जाएंगे।

इससे पूर्व संयुक्त आंध्र में तत्कालीन तेलुगु देशम पार्टी सरकार के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने मुशीराबाद जेल को शहर से बाहर चेंगींचेरला में स्थानांतरित किया और उस जगह पर गांधी अस्पताल का शानदार निर्माण किया है।

इसी की तर्ज पर तेलंगाना राज्य तेदेपा वाणिज्य शाखा ऑर्गेनाइजिंग सचिव के.डी. दिनेश में विरोध करते हुए मांग सीएम रेवंत रेड्डी से मांग की कि सेंट्रल प्रीजन चंचलगुड़ा हैदराबाद जेल जो शहर के अंदर है उसे शहर से दूर निर्मित कर वहां पर उस्मानिया अस्पताल का निर्माण किया जाए। जिससे दुरदरास से आने वाली जनता को मलकपेट रेलवे स्टेशन और शहरवासियों को भी इसकी सुविधाएं मिल सकेंगी और एंबुलेंस को भी आने-जाने की सहूलियत होगी। तेदेपा सदस्यों ने सीएम ए. रेवंत रेड्डी से मांग करते हुए इसे लागू करने का अनुरोध किया एवं चेतावनी दी कि इस पर अमल नहीं हुआ तो तीव्र आंदोलन किया जाएगा।

इसी मांग को लेकर चंचलगुड़ा जेल के पास के.डी. दिनेश, प्रेम प्रकाश शर्मा, डी. गोपाल राव एडवोकेट, प्रद्युम मिश्रा, रामचंद्र पुजारी एवं अन्य ने विरोध प्रदर्शन किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.